हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 14 दिसंबर 2025

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹98990/-

22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹120900/-

24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹131974/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

anand Jewels

Pandri, Raipur

मंत्रालय स्टाफ पर आने लगे संकट तो बनवाया था हनुमान जी का मंदिर, अचानक पहुंचे शाह, लिया आशीर्वाद

मंत्रालय के गेट नंबर चार के हनुमान मंदिर पहुंचे अमित शाह

10 मिनट मंदिर में रहे, सीएम और डिप्टी सीएम भी रहे साथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को हनुमानजी का दर्शन करने मंदिर पहुंचे। मंत्रालय के गेट नंबर चार के पास स्थित मंदिर में अमित शाह ने संकट मोचन हनुमान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मंत्रालय परिसर में मंदिर का निर्माण वर्ष 2018 में कराया गया था। 31 जुलाई 2018 को यहां हनुमानजी की प्राण-प्रतिष्ठा की गई। तब से अब तक मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी यहां दर्शन के लिए ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

हादसे होते थे, दिनभर एंबुलेंस खड़ी होती थी, तब बनवाया मंदिर

मंत्रालय के नवा रायपुर स्थित महानदी भवन में शिफ्ट होने के बाद कर्मचारियों के साथ अप्रिय घटनाएं घट रही थी। मंत्रालय कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राजपूत बताते हैं, कभी मंत्रालय कर्मचारी वाहन दुर्घटना का शिकार हो जाते थे। कभी अचानक मंत्रालय के भीतर कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ जाती थी। इन घटनाओं में कुछ कर्मचारियों की मौत भी हो गई। एक समय ऐसा भी आया जब ▶▶|शेष पेज 7 पर

आरपी मंडल की रही अहम भूमिका

मंदिर के पुजारी पं. हरिप्रसाद तिवारी बताते हैं, निर्माण की पहल और प्रक्रिया में तत्कालीन मुख्य सचिव आरपी मंडल की अहम भूमिका रही। उन्होंने जमीन आवंटन से लेकर मंदिर निर्माण में सहयोग किया। मंदिर बनने के बाद भी आरपी मंडल लगातार दर्शन के लिए पहुंचते रहे। जबकि मंत्रालय के अधिकारी कर्मचारी हर मंगलवार और शनिवार को यहां दर्शन के लिए आते हैं। विशेष अवसरों पर मंदिर में भंडारा और हनुमान चालीसा महापाठ का ▶▶|शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

मुख्य सूचना आयुक्त कल लेंगे शपथ

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी राजकुमार गोयल सोमवार को मुख्य सूचना आयुक्त पद की शपथ लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगी। गोयल अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वह 31 अगस्त को विधि एवं न्याय मंत्रालय के अधीन न्याय विभाग में सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए।

124 करोड़ के जीएसटी मामले में अग्रिम जमानत

बिलासपुर। लोहे के स्क्रैप की बोगस बिलिंग संबंधी विक्रय तथा बोगस ई वे बिल जनरेट कर करोड़ों का टर्नओवर प्राप्त करने के मामले में हाईकोर्ट में प्रस्तुत याचिका पर व्यापारी को अग्रिम जमानत प्रदान की गई है। रायपुर के राजातालाब निवासी मोहम्मद फरहान सोरठिया के दफ्तर में जीएसटी उपायुक्त की टीम द्वारा 12 सितंबर को छापामार कार्रवाई की गई थी। इसमें व्यवसायी द्वारा लोहे के स्क्रैप की बोगस बिलिंग संबंधी विक्रय तथा बोगस ई वे बिल जनरेट कर करोड़ों का टर्नओवर प्राप्त करना बताया गया था।

ड्रग्स तस्करों से जुड़े आठ ठिकाने ढहाए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में शनिवार को एक बड़े अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी में कथित तौर पर शामिल लोगों के मकानों समेत आठ अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया। नरवाल बाला गांव में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। यह कार्रवाई जिलाधिकारी राकेश मिन्हास के निर्देश पर की गई।

शेख हसीना के विरोधी शरीफ पर अटैक

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में क़ानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा दी गई हैं। राजधानी धाकी के पॉल्टन इलाके में दिनदहाड़े निर्दलीय उम्मीदवार और इंक़िलाब मंचो के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी को गोली मार दी गई है। वह नमाज़ पढ़कर हाईकोर्ट इलाके की ओर जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, हादी रिक्शे पर बैठकर जा रहे थे। तभी एक मोटरसाइकिल आई, जिसपर दो लोग सवार थे। पीछे बैठे युवक ने बंदूक़ निकाली और बेहद क़रीब से हादी को गोली मार दी।

हर घर में सुविधाएं और हर गांव में समृद्धि भाजपा का संकल्प

31 मार्च तक नक्सलवाद खत्म होगा, बस्तर के सभी 7 जिलों को बनाएंगे विकसित

अगले साल 2026 में पूरे देश में नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। वहीं 2030 तक बस्तर के सभी 7 जिले देश में सर्वाधिक विकसित आदिवासी जिला बनेंगे। हर व्यक्ति के घर में बिजली, पानी, शौचालय, गैस सिलेंडर, 5 किलो अनाज और 5 लाख का मुफ्त इलाज तथा हर गांव में समृद्धि लाना भाजपा का संकल्प है, यह पूरा होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को शहर के प्रियदर्शनी स्टेडियम में बस्तर ओलंपिक के समापन कार्यक्रम में यह उद्गार व्यक्त किए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अपने 21 मिनट के भाषण में उन्होंने कई बार नक्सल समस्या के खात्मे का उल्लेख किया। साथ ही अभी जो भटके हुए युवा हैं, उन्हें अपने तथा परिवार के कल्याण के लिए शांति के मार्ग पर लौट आने की अपील भी की। उन्होंने समाज सुधारक और आदिवासी समेत अन्य समाज के लोगों से भी इसमें आगे आकर बचे हुए नक्सलियों के समर्पण में पहल करने को कहा। उन्होंने कहा कि अगला ओलंपिक बस्तर के नक्सलमुक्त वातावरण में होगा और मैं फिर आऊंगा। नक्सलवाद से मुक्त होकर हमारे आदिवासी भाई खुशहाल जीवन जिएं यही हमारी मंशा है। शुरूआत में उन्होंने मां दंतेश्वरी के चरणों में नमन करते कहा कि मां से प्रार्थना है कि बस्तर की भूमि में फिर ▶▶|शेष पेज 7 पर

नुवा बांट शांति का रास्ता

केंद्रीय गृहमंत्री ने नुवा बांट को शांति का रास्ता बताते इसपर चलकर विकास का रास्ता चुनने की अपील की। उन्होंने कहा भारत की संस्कृति पूरे विश्व में सर्वश्रेष्ठ है। जनजातियों का खान पान, परिवेश, वाद्य, नृत्य और पारंपरिक खेल का समृद्ध विरासत मिला है। जिसे खेल आयोजन में खिलाड़ियों ने प्रतिभा दिखाकर साबित किया।

साय ने कहा कि विकास में सबसे बड़ा बाधक नक्सलवाद, बस्तर शांति के पथ पर चल पड़ा

विकास में बड़ा बाधक रहा नक्सलवाद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकास में सबसे बड़ा बाधक नक्सलवाद रहा है। गृहमंत्री अमित शाह की दृढ इच्छा शक्ति के कारण बस्तर शांति के पथ पर चल पड़ा है। यहां जवान साहस के साथ लड़ रहे हैं। 400 से ज्यादा सुरक्षा कैंप के स्थापित होने से सुदूर गांव तक सरकार की योजनाएं पहुंच रही है। नक्सल समस्या खत्म होगी और बस्तर में फिर से शांति और खुशहाली आएगी।

साहस और संकल्प से आएगी समृद्धि

उप मुख्यमंत्री अरूण साव तथा विजय शर्मा ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह के साहस और संकल्प से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि देश के पूर्वोत्तर और जम्मू कश्मीर जैसे अशांत क्षेत्र भी विकास के मार्ग पर चल पड़े हैं। बस्तर में उनके प्रयास से शांति और समृद्धि आएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष तथा विधायक किरण देव ने कहा कि बस्तर करवट बदल रहा है। नक्सल आतंक ने बस्तर का सुख चैन छीन लिया था। जिसे दृढ़ इच्छा शक्ति से विकास की ओर ले जाने का काम केंद्र और राज्य सरकार कर रही है।

फूड प्वाइजनिंग के शिकार

मध्यान्ह भोजन के बाद बिगड़ी बच्चों की तबीयत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-चांपा

नवागढ़ विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चौराभांठा में मध्यान्ह भोजन करने के बाद बच्चे फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए। स्कूल में शनिवार को खीर पुड़ी बनाई गई थी, जिसे खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ी। आनन फानन में बच्चों को सीएचसी नवागढ़ भेजा गया। अस्पताल में भर्ती कर 24 बच्चों का उपचार किया जा रहा है। ▶▶|शेष पेज 7 पर

स्थिति खतरे से बाहर

हालांकि सभी बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने शिक्षकों का बयान लिया। वहीं मध्यान्ह भोजन का सैंपल भी लिया गया है। सैंपल की तकनीकी टीम द्वारा जांच कराई जाएगी।

पेट में दर्द, उल्टी

मध्यान्ह भोजन में यहां खीर और पुड़ी परोसी गई, जिसे खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। किसी के पेट में दर्द तो किसी को उल्टी शुरू हो गई। कई बच्चों के गले में खराश और बेचैनी की शिकायत आई। बड़ी संख्या में बच्चों को आई परेशानी से स्कूल में अफरा तफरी मच गई। शिक्षकों ने 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। आनन फानन में बच्चों को नवागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। अस्पताल में बच्चों का परीक्षण करने के बाद 24 बच्चों को उपचार के लिए भर्ती किया गयाा।

101 वार्डों में से 50 पर भाजपा की जीत

लेफ्ट का किला ढहा, 45 साल बाद खिला कमल

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

केरल के निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने तिरुवनंतपुरम में लेफ्ट का किला ढहाकर कमल खिला दिया। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में पिछले 45 साल से सीपीएम की अगुवाई वाले एलडीएफ का कब्जा था। इस ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थैंक्यू तिरुवनंतपुरम लिखकर बधाई दी है। उन्होंने इसे केरल की राजनीति का ऐतिहासिक मोड़ करार दिया है।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्ड में से बीजेपी को 50 वॉर्ड में बंपर जीत हासिल हुई है। 45 साल से इस नगर निगम में काबिज एलडीएफ को 29 और यूडीएफ को 19 वॉर्ड में जीत मिली है। चुने गए पंचायत सदस्यों और नगर पालिका पार्षदों, कॉर्पोरेशन पार्षदों का शपथ ग्रहण 21 दिसंबर को होगा। केरल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे पहले राजधानी तिरुवनंतपुरम नगर निगम में बीजेपी की जीत पार्टी के लिए एक बड़ी कामयाबी की तरह है।

केरल की राजनीति का ऐतिहासिक मोड़ : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि तिरुवनंतपुरम निगम चुनाव में एनडीए की जीत केरल की राजनीति का ऐतिहासिक मोड़ है। ये नतीजे पार्टी कार्यकर्ताओं की दशकों की मेहनत और संघर्ष का परिणाम हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल की जनता अब मान चुकी है कि राज्य में विकास की उम्मीदों को सिर्फ बीजेपी ही पूरा कर सकती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बीजेपी तिरुवनंतपुरम को विकास का मॉडल बनाएगी और लोगों का जीवनस्तर आसान बनाने की दिशा में काम करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी की ताकत बताते हुए कहा कि मेरे सभी मेहनती कार्यकर्ताओं को धन्यवाद, जिनकी वजह से तिरुवनंतपुरम नगर निगम में शानदार नतीजे आए हैं।

पंकज यूपी भाजपा के होंगे नए अध्यक्ष, सीएम योगी बने प्रस्तावक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष होंगे। उन्होंने शनिवार को लखनऊ स्थित भाजपा कार्यालय में अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। चौधरी के अलावा किसी और ने नामांकन नहीं किया। ऐसे में उनका निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना तय है।

नामांकन के वक्त मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक के अलावा कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

कोल्ड स्टोरेज की दीवार गिरी, दबकर तीन मजदूरों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सूरजपुर

शनिवार को नगर से लगे नयनपुर स्थित मित्तल कोल्ड स्टोरेज की दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मजदूर कोल्ड स्टोरेज से चावल की बोरियां निकाल रहे थे इसी दौरान एक के बाद एक दो दीवार गिर गई। दीवार गिरने से चार मजदूर दब गए। घटना के बाद हड़कंप मच गया। आनन फानन में रेस्क्यू ▶▶|शेष पेज 7 पर

- एक घायल, मचा हड़कंप, घटनास्थल पर पहुंचे कलेक्टर एसपी

नयनपुर स्थित मित्तल कोल्ड स्टोरेज का मामला

हुई है तीन मौतें

नयनपुर स्थित कोल्ड स्टोरेज में दीवार गिरने से चार श्रमिक दब गए थे। इनमें से तीन की मौत हो गई है जबकि चौथे का उपचार जारी है। मामले की जांच की जाएगी।

-एस जयवर्धन, कलेक्टर, सूरजपुर

इनकी हुई मौत

मृतक मजदूरों की पहचान डेडरी निवासी 40 वर्षीय भोल साय आ. स्व. हरिलाल, भटगांव चुनगड़ी निवासी 27 वर्षीय माने राजवाड़े आ. मुन्ना राजवाड़े, बेलटिकरी निवासी 35 वर्षीय वेद सिंह आ. शिव बालक सिंह के रूप में की गई है। वहीं घायल युवक की पहचान विश्रामपुर के रामनगर निवासी 27 वर्षीय सुरेन्द्र सिंह आ. बाल गोविन्द सिंह के रूप में हुई है। शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। मृतकों के परिजन को एक-एक लाख रुपए की सहायता राशि दी गई है।

रेलवे बोर्ड के सचिव को लिखा पत्र, परेशानियों का किया जिक्र

नए डीआरएम ने पदभार लेने से किया इंकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

वेस्ट रेलवे मुंबई के चीफ सिग्नल इंजीनियर उमेश कुमार ने बिलासपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक का पदभार लेने से मना कर दिया है। इसके लिए उन्होंने रेलवे बोर्ड के सचिव को पत्र लिखकर बच्चे की पढ़ाई के अलावा अन्य परेशानियों का जिक्र करते हुए कहा है कि वे उसकी वजह से बिलासपुर नहीं आना चाहते हैं।

पिछले तीन दिन के अंतराल में बिलासपुर रेल मंडल में तीन से चार अफसरों का तबादला किया गया है। इसमें

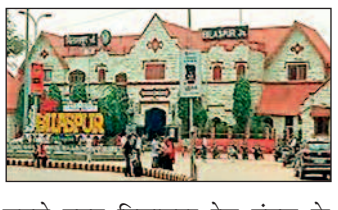

सबसे मुख्य बिलासपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजमल खोईवाल थे, जिन्होंने 11 माह पहले ही एसईसीआर के बिलासपुर के नए डीआरएम का पदभार ग्रहण किया था। रेलवे बोर्ड की गाइड लाइन के अनुसार राजमल खोईवाल का कार्यकाल दो साल का था, लेकिन बोर्ड ने अचानक आर्डर ▶▶|शेष पेज 7 पर

बेटे की पढ़ाई होगी बाधित

उमेश कुमार ने पत्र में लिखा है कि वे अपने पुत्र की शिक्षा के कारण बिलासपुर डिवीजन के डीआरएम के पद पर स्थानांतरण आदेश का पालन करने में असमर्थ हैं, क्योंकि उनका पुत्र वर्तमान में कक्षा 10वीं के मध्य सत्र में है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। इस समय परिवार को स्थानांतरित करने में उसकी पढ़ाई बाधित होगी। इसके अलावा उनकी पत्नी भी नौकरी में हैं। उन्होंने अनुरोध किया है कि संदर्भित आदेश को रद्द कर उन्हें शैक्षिक व व्यक्तिगत उद्देश्यों के लिए पश्चिम रेलवे में कार्यरत रहने की अनुमति दी जाए।

गरियाबंद जिले का मामला

सीआरपीएफ कैंप में जवान ने एके-47 से की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

छत्तीसगढ़ और ओडिशा की सीमा पर स्थित सीआरपीएफ कैंप में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना गरियाबंद जिले से सटी ओडिशा की सीमा के अंतर्गत आने वाले सोनाबेड़ा के आश्रित गांव ढेकूनपानी स्थित सीआरपीएफ कैंप में हुई। मृतक जवान की ▶▶|शेष पेज 7 पर

मामले की जांच शुरू

पुलिस ने मृतक सीआरपीएफ जवान के शव को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि जवान ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया।

' नक्सली' हथियार छोड़ खेल मैदान पर दिखा रहे दम

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

नुआ बाट का अर्थ है नया रास्ता, यह सरेंडर नक्सलियों की टीम

बस्तर की पहचान कभी नक्सलियों के लिए हुआ करती थी, लेकिन यहां के नक्सली धीरे-धीरे समाज के मुख्य धारा की ओर लौटने लगे हैं। नक्सली हथियार छोड़कर खेल के मैदान का रुख करने लगे हैं। बस्तर ओलंपिक में सरेंडर नक्सलियों की एक टीम भी हिस्सा ली है, बस्तर संभाग के सात जिलों की 7 टीमों में एक टीम सरेंडर नक्सलियों की है, इसमें नक्सल हिंसा से पीड़ित लोग भी हैं। इस टीम का नाम नुआ बाट है, नुआ बाट का अर्थ होता है नया रास्ता, इसे सरेंडर नक्सलियों के लिए किया गया है। यहां के जिन माओवादियों ने सरेंडर किया है और हिंसा को छोड़कर मुख्यधारा की ओर लौटने का फैसला लिया है, उन्हें इसी कैटेगरी में रखा गया है। सरेंडर नक्सली और माओवादी हिंसा से दिव्यांग खिलाड़ी भी मैदान में उतरे। नक्सल संगठन के माड़ में डीवीसी पद पर पदस्थ रहे गंगा नक्सल संगठन माड़ में हथियारों का तकनीशियन था जो बंदूकों की मरम्मत करता था। वह हमेशा इंसास लेकर चलता था। साथ ही नक्सल संगठन में सुकमा जिले में पीपीसी पद पर पदस्थ रहे वांजाम सोमड़ा एके-47 के साथ जंगल में रहे। उसने 16 अक्टूबर को सरेंडर कर मुख्य धारा में जुड़कर ओलंपिक में परेड किया।

रस्साखींच स्पर्धा में शामिल रही रमशीला

नक्सल संगठन के माड़ में डीवीसी पद पर पदस्थ रहे सुकमा जिला के निवासी गंगा वेट्टी इंसास लेकर चलते थे, उसकी पत्नी रसशीला भी इसी संगठन में रही। उसने बताया कि संगठन में नसबंदी के बाद विवाह किया, जिसके चलते अब तक संतान नहीं हुई। उसकी पत्नी की सेहत खराब होने के चलते पत्नी के साथ नारायणपुर में सरेंडर किया। ओलंपिक में उसने परेड एवं पत्नी ने रस्साखींच स्पर्धा में शामिल रही।

फोर्स पर अटैक करने मिलिट्री ग्राउंड चलाया जाता था

ओलंपिक में आत्मसमर्पित नक्सली सुबरु पोड़ियाम ने बताया कि वर्ष 2009 में नक्सल संगठन में शामिल हुआ और अक्टूबर 2025 में सरेंडर किया। संगठन में डीसीवीएम के पद पर पदस्थ था, एसएलआर रायफल रखता था। नक्सल संगठन में रहने के दौरान फोर्स पर अटैक करने के लिए मिलिट्री ग्राउंड चलाया जाता था।

नक्सल संगठन में चेतना नाट्य मंडली के जरिए गया

सरेंडर नक्सली मुन्ना ने बताया कि नारायणपुर जिले के ओरछा ब्लॉक मुख्यालय में आश्रम में रहकर पढ़ाई करता था। इसी दौरान नक्सल संगठन के लोग चेतना नाट्य मंडली के जरिए गांव-गांव में गीत गाकर और नाटक कर अपने संगठन के विषय में बताया करते थे। इसी से प्रभावित होकर नक्सल संगठन में बाल संघम के पद पर चला गया पर अब मुख्य धारा में लौट आया हूं।

खबर संक्षेप

वाहन की चपेट में आए मासूम की मौत

छुईखदान। शराब के नशे में डीआई वाहन चालक ने रोड पर खड़े एक 4 वर्षीय मासूम बालक को अपने चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार छुईखदान थाना क्षेत्र अंतर्गत 12 दिसंबर को शाम के समय बिजली विभाग में संलग्न डीआई वाहन के चालक रोशन कुमार पटेल पद्मावतीपुर की ओर जाते समय शराब के नशे ने ग्राम कुटेलीखुर्द बाजार चौक रोड़ पर खड़े बालक डिमांशु जंघेल पिता भगवती जंघेल 4 साल निवासी ग्राम कुटेलीखुर्द थाना छुईखदान को तेजी एवं लापरवाहीपूर्वक चलाकर ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया। लगभग तीन मीटर दूर तक ले गया और गाड़ी को लेकर पद्मावतीपुर की ओर भाग गया। घायल बालक को शासकीय अस्पताल छुईखदान ले जाया गया, जहां पर डॉक्टर द्वारा चेक करने पर बालक डिमांशु जंघेल को मृत घोषित कर दिया। प्रार्थी भगवती जंघेल पिता जोहनराम जंघेल 32 साल साकिन कुटेलीखुर्द की रिपोर्ट पर थाना छुईखदान में धारा 281, 125(ए), 105 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में शॉर्ट सर्किट, तीन पैनल हुए ब्लास्ट

धमतरी। शनिवार की सुबह वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में तीन पैनल ब्लास्ट होने से शहर की पेयजल सप्लाई बाधित हो गई है। बताया गया है कि शार्ट सर्किट से हुए ब्लास्ट से आगजनी भी हुई है जिससे एक कर्मचारी बाल-बाल बच गया। शहर के सभी वार्डों में पेयजल की सप्लाई दानीटोला के मुख्य नहर स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से होती है। निगम के इस प्लाट में आये दिन मोटर जलने या खराब होने की शिकायत मिलती रहती है। शनिवार की सुबह निगम के कर्मचारी पानी सप्लाई की तैयारी कर रहे थे तभी ट्रीटमेंट प्लांट के 6 पैनल में से तीन पैनल में धुआं उठने लगा और देखते ही देखते तीनों पैनल ब्लास्ट हो गए। आग की लपटें भी उठने लगीं। इस दौरान वहां पर मौजूद एक कर्मचारी ने भागकर अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि पैनल जलने के अलावा पूर्व से ही कुछ मोटर खराब पड़े हैं।

अज्ञात ट्रैक्टर की ठोकर से दो घायल, भानपुरी मार्ग पर हुई भीषण दुर्घटना

कांकेर। नरहरपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का एक और गंभीर मामला सामने आया है, जहां अज्ञात ट्रैक्टर चालक की लापरवाह ड्राइविंग ने दो लोगों की जिंदगी खतरे में डाल दी। सड़क पर हुई इस भीषण टक्कर में मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज निजी अस्पताल में जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी ट्रैक्टर चालक की तलाश शुरू कर दी है। नरहरपुर थाना अंतर्गत चौकी हल्बा क्षेत्र में लापरवाह वाहन चालकों की मनमानी एक बार फिर सामने आई है। ग्राम मुडधोवा निवासी 45 वर्षीय केश कुमारी नेताम पति मोहन नेताम ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 9 दिसंबर की शाम लगभग 6 बजे उनके पति मोहन नेताम और भाई दुर्गेश मरकाम पिता मेहश्वर मरकाम, निवासी ग्राम गितपहर, एक ही मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे।

अच्छे इलाज की आस में बढ़ रहे मरीज पर नहीं सुधरा लंबी वेटिंग वाला सिस्टम

एमआरआई, सीटी स्कैन जैसी जांच के लिए एम्स में पांच महीने का इंतजार...डीकेएस और मेकाहारा में सेम डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

किसी भी बीमारी की गंभीरता की जांच के लिए मरीजों की एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी जांच जरूरी है। अच्छे इलाज की आस में एम्स आने वाले मरीजों को इन जांच के लिए लंबे इंतजार की वजह से दूसरे अस्पताल जाना मजबूरी है। अस्पताल में आने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ने के दावे तो किए गए जा रहे हैं, मगर उनके हित में लंबी वेटिंग की समस्या में सुधार के लिए अब तक किसी तरह का सिस्टम नहीं बनाया गया है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में पंजीयन और ओपीडी का लंबा इंतजार तो मरीज किसी तरह सह लेता है, मगर डाक्टरों की जांच के बाद उन्हें दी जाने वाली एमआरआई, सीटी स्कैन सहित अन्य तरह की रेडियो डायग्नोस्टिक टेस्ट का इंतजार उन्हें निजी अथवा दूसरे अस्पताल जाने के लिए मजबूर कर देता है। यहां मिलने वाली उच्चस्तरीय जांच की आस में आने वाले मरीजों की संख्या तो लगातार बढ़ रही है, मगर उन्हें जांच के लिए मिलने वाली पांच से छह महीने बाद की तारीख निराश कर देती है। इसकी वजह से सही समय पर शुरू होने वाला इलाज भी देर से शुरू होता है और तक तकलीफ बढ़ जाती है। अस्पताल में लोड इतना ज्यादा है कि सामान्य एक्स-रे और ब्लड टेस्ट की सुविधा दो से तीन दिन बाद ही मिल पा रही है। इसी तरह कैंसर प्रभावित स्थल का पता लगाने वाले पैट सीटी स्कैन टेस्ट कराने के लिए पांच से छह महीने के बाद की तारीख मरीजों को मिलती है। इस बारे में अस्पताल प्रबंधन से जुड़े लोगों का तर्क है कि प्रतिदिन तीन से चार हजार की संख्या में होने वाली ओपीडी और तीन से चार सौ की आईपीडी की वजह से ऐसा होता है।

खास खबर

क्रिटिकल केयर यूनिट, दूर की योजना

संस्थान से मरीजों को रेफर करने की समस्या कोई नई नहीं है। मरीजों को बेड नहीं होने का हवाला देकर रोजाना आंबेडकर और डीके अस्पताल मरीजों को रेफर किया जाता है। गंभीर मरीजों की संख्या को ध्यान में रखते हुए यहां दो साल पहले एम्स में 150 बेड का क्रिटिकल केयर यूनिट का शिलान्यास किया गया था। इसका काम चल रहा मगर पूर्ण होने में अभी काफी वक्त लगने का अनुमान है।

फाइल फोटो

आंबेडकर अस्पताल में वेटिंग नहीं

आंबेडकर अस्पताल में भले ही काफी पुरानी मशीन के जरिए मरीजों की सीटी स्कैन अथवा एमआरआई किया जा रहा है मगर वहां वेटिंग का सिस्टम नहीं है। वार्ड में भर्ती मरीजों के साथ ओपीडी और इमरजेंसी में आने वाले मरीजों की यहां जांच की जा रही है। रेडियोडायग्नोसिस विभाग के एचओडी डा. विवेक पात्रा ने बताया कि एक्स्ट्रा वर्किंग कर मरीजों को उसी दिन जांच की सुविधा दी जा रही है। अभी दो शिफ्ट में जांच हो रही है और आने वाले दिनों में रेडियोग्राफरों की संख्या बढ़ने के बाद तीन शिफ्ट में जांच की जाएगी।

डीके अस्पताल में नो वेटिंग

डीके अस्पताल में पीपीपी मोड पर रेडियोलॉजिकल टेस्ट किया जाता है। यहां हास्पिटल में आने वाले मरीजों के साथ बाहर से आने वाले मरीजों की जांच पूरी की जाती है। टेस्ट से पहले की सारी प्रक्रिया पूरी करने वाले मरीजों को उसी देने जांच के बाद रिपोर्ट भी दे दी जाती है। जिला अस्पताल में भी मरीजों की सीटी स्कैन की जांच उसी दिन हो जाती है। हालांकि दोनों अस्पतालों में जांच कराने वाले मरीजों की संख्या एम्स की तुलना में काफी कम होती है।

बोरे में बांधकर फेंक दी गई महिला की लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

महिला की तीन दिन पुरानी लाश बोरे में बंद मिलने का मामला सामने आया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर उसे पीएम के लिए भेज दिया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह चंद्रा-मौर्या टॉकीज के पास एक बोरे में लाश मिली है। सुबह राहगीरों ने सड़क किनारे पड़े बोरे से दुर्गंध आने पर इसकी जानकारी पुलिस को दी। पहुंची पुलिस ने बोरे की रस्सी खोलकर देखा तो उसमें अज्ञात महिला का शव मिला। जो 3-4 दिन पुराना शव बताया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक मृतका की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस का मानना है कि हत्या कर शव यहां लाकर फेंका गया है। शव मिलने की खबर से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव को देखने आसपास के लोगों की बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। पुलिस, फॉरेंसिक टीम और एसएसपी विजय अग्रवाल, एएसपी सुखनंदन राठौर,सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी व सुपेला पुलिस की टीम पहुंची थी। घटनास्थल को बारीकी से जांच किया गया। पुलिस को सुराग के रुप में कुछ खास नहीं मिल पाया है। पुलिस आसपास के थानों में लापता की रिपोर्ट भी खंगालने में जुटी हुई है। महिला के हाथ में महादेव, लखन, सुरेश और आरती, बीएम लिखा हुआ है।

जांच किया जा रहा है

बोरे में बंद महिला की लाश मिली है। दूसरे जगह से लाकर लाश को यहां फेंका गया है। पुलिस शिनाख्त का प्रयास कर रही है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल जांच किया जा रहा है। -सत्यप्रकाश तिवारी, सीएसपी भिलाई नगर

कनेक्शन प्रीपैड करने के लिए सरकार से मंजूरी का इंतजार

सरकारी विभागों को लगेगा स्मार्ट करंट, तीन हजार करोड़ बकाया है बिजली बिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेशभर के सरकारी विभागों को नए साल में स्मार्ट करंट लग सकता है। ज्यादातर सरकारी विभागों में स्मार्ट मीटर लग गए हैं। अभी तो ये पोस्टपैड हैं, लेकिन इसको प्रीपैड करने की तैयारी है। इसके लिए प्रदेश सरकार से मंजूरी का इंतजार है। सरकार इसकी मंजूरी देगी, तो इसके लिए बजट में प्रावधान भी करना पड़ेगा। वैसे भी इस समय सरकारी विभागों पर बिजली बिल बकाया तीन हजार करोड़ हो गया है। इस बकाया को पहले क्लीयर करने के साथ रीचार्ज कराने के लिए भी हर विभाग को बजट देना पड़ेगा।

प्रदेशभर में पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। 1.72 लाख सरकारी विभागों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। इसमें से सवा लाख में ये मीटर लग गए हैं। बचे करीब 50 लाख मीटरों को भी लगाने का काम तेजी से हो रहा है। ये मीटर पंचायतों और आंगनबाड़ी के ही ज्यादा बचे हैं।

अलग खबर

तीन हजार करोड़ बकाया

सरकारी विभागों पर बकाया लगातार बढ़ते जा रहा है। बीते साल अगस्त में यह बकाया 1988 करोड़ था जो बढ़ते-बढ़ते मार्च 2025 में 2444.91 करोड़ हो गया था। अब यह बकाया तीन हजार करोड़ हो गया है। इसमें सबसे बड़ा बकाया नगरीय निकायों पर 19 सौ करोड़ से ज्यादा का है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पर 600 करोड़ से ज्यादा है। इसी के साथ अन्य विभागों पर एक करोड़ से लेकर सौ करोड़ तक का बकाया है।

ये हैं बड़े बकायादार

- नगरीय निकाय एवं विकास विभाग 1900 करोड़ से ज्यादा
- पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग 600 करोड़ से ज्यादा
- लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग पर 100
- स्कूल शिक्षा विभाग करीब 78 करोड़
- चिकित्सा विभाग 45 करोड़
- गृह विभाग 35 करोड़
- जल संसाधन विभाग 26 करोड़
- आवास एवं पर्यावरण 15 करोड़
- महिला एवं बाल विकास 24 करोड़
- वन विभाग 13 करोड़
- आदिम जाति कल्याण विभाग 20 करोड़
- लोक निर्माण विभाग 13 करोड़

आरडीएसएस योजना खतरे में

केंद्र सरकार से आरडीएसएस योजना के तहत कई योजनाओं में करोड़ों रुपए मिलते हैं। लेकिन अब इसके लिए यह शर्त हो गई है कि राज्य सरकार पर कोई बकाया नहीं होना चाहिए। यही वजह है कि राज्य सरकार की तरफ से प्रयास होता है कि पॉवर कंपनी का कोई बकाया न रहे। पुराना बकाया भी धीरे-धीरे करके दिया जा रहा है। लेकिन इस समय सरकारी विभागों का बकाया जिस तरह से बढ़ गया है, उससे तय है कि केंद्र सरकार से मिलने वाली विभिन्न योजनाओं की मदद पर असर पड़ सकता है।

बजट में करना पड़ेगा प्रावधान

पॉवर कंपनी हमेशा से ही सरकारी विभागों के बकाया से परेशान रहती है। स्मार्ट मीटर लगने के बाद सरकारी विभागों के कनेक्शनों को प्रीपैड करने का प्रदेश सरकार के पास प्रस्ताव भेजा गया है। वहां से मंजूरी के बाद ही कनेक्शन प्रीपैड होंगे। इसके लिए सरकार को भारी मशक्कत करनी पड़ेगी। जानकारों का कहना है कि पहले तो पुराने बकाया को क्लीयर करने के लिए बजट देना पड़ेगा। इसी के साथ हर विभाग को रीचार्ज कराने के लिए भी अलग से बजट देना पड़ेगा। ऐसे में सरकार को नए बजट सत्र में यह प्रावधान करना होगा। नए बजट में यह प्रावधान होने पर ही सरकारी विभागों के कनेक्शव अप्रैल से ही प्रीपैड हो सकेंगे।

दीपिका में इंडस पब्लिक स्कूल का रंगारंग वार्षिक उत्सव

पर्यटन मंत्री बोले-बच्चे अपने हुनर को पहचानें और मंजिल की ओर अग्रसर रहें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

इंडस पब्लिक स्कूल दीपका में वार्षिक उत्सव पल्लवन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि यहां के विद्यार्थियों में अपार क्षमता है। वे अपने हुनर को पहचानें और मंजिल की ओर निरंतर अग्रसर रहें।

उन्होंने कहा कि कोयलांचल में स्थित इंडस पब्लिक स्कूल ने अल्प समय में शिक्षा के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया है। यहाँ के बच्चों में गजब का उत्साह और टीम भावना है। उन्होंने स्कूल स्टाफ की भी तारीफ की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में एसीबी ग्रुप के डायरेक्टर वीरसेन सिन्धु, हरियाणा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, सिंधु ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ,हरिभूमि- आईएनएच समूह के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, विधायक प्रेमचंद पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता ज्योति नंद दुबे मौजूद थे। प्रारंभ में स्कूल के प्रिंसिपल डा. संजय गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विद्यालय की शैक्षणिक, सहशैक्षणिक एवं खेलकूद उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

दृढ़ निश्चय हो तो मंजिल असंभव नहीं: कैप्टन अभिमन्यु

हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि इस दुनिया में कोई भी कार्य मुश्किल नहीं है। बस जरूरत है सच्ची लगन,ऊंची सोच ,दृढ़ निश्चय और परिश्रम की। आप हर एक मंजिल को स्पर्श कर सकते हैं। इस क्षेत्र में इंडस पब्लिक स्कूल अपने आप में सफलता की एक मिसाल है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस क्षेत्र के निवासियों को एक उत्कृष्ट शिक्षा मिल रही है। धन्यवाद के पात्र यहां के सभी विद्यार्थी, यहां के प्राचार्य एवं यहां के सभी समर्पित स्टाफ हैं।जिनकी मेहनत आज हमें मंच पर देखने को मिल रही है। आज प्रतिस्पर्धा इतनी कड़ी है कि हमें अपनी मंजिल को स्पर्श करने के लिए दूर दृष्टि रखना आवश्यक है। यदि हम अपने आप को अपग्रेड या अपडेट नहीं करते रहेंगे तो शायद हम बहुत पीछे रह जाएंगे और मंजिल हमसे बहुत दूर चली जाएगी ।अतः समय-समय पर अपने आपको रिफ्रेश एवं अपडेट करते रहना जरूरी है।

बच्चों का होता है समग्र विकास :डा.द्विवेदी

हरिभूमि आईएनएच ग्रुप के प्रधान सम्पादक डा. हिमांशु द्विवेदी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि वार्षिक उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्राप्त होता है। उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है एवं उनका समग्र विकास होता है। इस प्रकार के आयोजन से अनुशासन सहयोग और टीम वर्क की भावना मजबूत होती है। विद्यालय प्रबंधन, विद्यालय के स्टाफ और अभिभावकों के मध्य एक मधुर संबंध स्थापित होता है। विद्यालय का वार्षिक उत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होता बल्कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है।

तेलंगाना और आंध्रप्रदेश के ठेकेदार के एजेंट मिर्च तुड़ाई में ले जा रहे

रोजगार का संकट गहराया, धान कटाई खत्म होते ही मजदूरों का पलायन शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

धान कटाई का सीजन समाप्त होते ही जिले में बेरोजगारी एक बार फिर सिर उठाने लगी है। काम की तलाश में बड़ी संख्या में ग्रामीण मजदूर अपने परिवारों के साथ आंध्रप्रदेश और तेलंगाना की ओर पलायन को मजबूर हो रहे हैं। अलग–अलग गांवों से मजदूर परिवार पिकअप वाहनों में भरकर बाहर राज्यों में मिर्च तुड़ाई के काम के लिए रवाना हो रहे हैं, जिनमें छोटे बच्चे भी शामिल हैं। केंद्र सरकार ने मनरेगा और अन्य रोजगार गारंटी योजनाओं के तहत 125 दिनों तक रोजगार देने की व्यवस्था लागू की है, लेकिन जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा। स्थिति यह है कि मजदूरों को आजीविका के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य तक दर-दर भटकना पड़ रहा है। जिले में धान कटाई खत्म होते ही तेलंगाना और आंध्रप्रदेश के ठेकेदारों से जुड़े दलाल सक्रिय हो जाते हैं। स्थानीय एजेंट मजदूरों को 300 रुपये दैनिक मजदूरी, भोजन, रहने की व्यवस्था और अन्य सुविधाओं का लालच देकर झांसे में लेते हैं। मजदूरों को पिकअप वाहनों में भरकर मिर्च तुड़ाई के लिए भेजा जाता है। भैरमगढ़ के स्थानीय एजेंट सोनू ओयम 30 मजदूरों पुरुष, महिलाएं और कुछ बच्चों को पिकअप में भरकर तेलंगाना ले जा रहा था। पूछने पर उसने बताया कि चंद्रपटना के ठेकेदार सत्तीन ने उससे संपर्क किया है और मजदूरों को मिर्च तुड़ाई के लिए बुलाया है। बदले में उसे मोटी कमीशन मिलती है। मजदूर सुखराम ने बताया, जिले में अब कोई रोजगार नहीं बचा है।

मजदूरों को बंधक बनाने की शिकायतें, 18 को कराया मुक्त

ठेकेदार अधिक मजदूरी का लालच देकर आदिवासी मजदूरों को ले जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद उनकी असल मंशा सामने आ जाती है। कई बार मजदूरों को बंधक बनाकर मुफ्त में काम करवाने की घटनाएँ सामने आई हैं। नवंबर में श्रम विभाग ने बीजापुर जिले के 18 मजदूरों को कर्नाटक के बालगल जान मट्टी इलाके में ठेकेदारों के चंगुल से छुड़ाकर सुरक्षित वापस लाया था।

14 साल के मासूम भी मजदूरी को मजबूर

महज 14 वर्ष की उम्र में दो मासूम अपने घर–परिवार की आर्थिक मजबूरी का बोझ उठा रहे हैं। बच्चों ने बताया कि उनके छोटे भाई–बहन भी हैं, माता–पिता मजदूरी करते हैं, लेकिन आमदनी इतनी कम है कि गुजारा नहीं होता।

रायपुर
रविवार, 14 दिसंबर 2025
पौष कृष्ण पक्ष दशमी
वर्ष : 24, अंक : 146
पृष्ठ : 12+4+4 =20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 29.0
न्यून. 12.7

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

3 शुभांगी 'तन्वी द ग्रेट' के लिए मिला ऑस्ट्रेलिया...

विचार पेज
4 'वंदे मातरम्' पर विपक्ष का प्रवंचना भाव

Ninh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

यूट्यूबर सवुक्कू शंकर चेन्नई से गिरफ्तार

चेन्नई। चेन्नई में यूट्यूबर सवुक्कू शंकर को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। राजनीतिक टिप्पणीकार की टीम के पांच अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। शंकर के घर का दरवाजा खटखटाया तो उन्होंने दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया।

आठ अवैध प्रवासियों को बांग्लादेश वापस भेजा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि आठ अवैध प्रवासियों को असम से बांग्लादेश वापस भेज दिया गया है। शर्मा ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि वापस भेजे जाने की कार्रवाई कहां से की गई। बांग्लादेश से आए कई अवैध प्रवासियों को पिछले कुछ महीनों में सीमा पार वापस भेजा गया है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में सियासी संकट के बाद से भारत लगातार नजर रख रहा है।

अवैध रूप से रखे गए 1839 गैस सिलेंडर जब्त

मुंबई। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के डोम्बिवली में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम क्षेत्र में अवैध रूप से रखे गए 1,839 गैस सिलेंडर और 67 लाख रुपए से अधिक मूल्य के सात वाहन जब्त किए गए हैं। मुंबई नागरिक आपूर्ति विभाग की एक विशेष सतर्कता टीम ने डोम्बिवली (पूर्व) के फेज-दो में घरेलू और व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण का पता लगाया।

रेप के आरोपी दंपति को आजीवन कारावास

अंबिकापुर। नाबालिग से दुष्कर्म करने और पत्नी के साथ मिलकर हत्या करने के मामले में न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया है। तीन वर्ष पूर्व हुई इस घटना के मामले में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट पोक्सो एक्ट ने आरोपी दंपति को शेष प्राकृतिक काल तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 22 मई 2022 को शहर के बिलासपुर रोड लक्ष्मी गैरेज के पास खेत में एक किशोरी की नग्न अवस्था में लाश मिली थी।

राजकीय सम्मान के साथ पाटिल का अंतिम संस्कार

लातूर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल का लातूर जिले में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण और कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खंड्रे शामिल हुए।

दस दिन बाद सुधरा सिस्टम, मुंबई को छोड़कर सभी फ्लाइटें समय पर, किराया भी हद में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुंबई से शाम पांच बजे रायपुर आने वाली एक फ्लाइट को छोड़कर तमाम शहरों से आवाजाही करने वाली अन्य फ्लाइट वापस ट्रेक पर लौट चुकी हैं। पिछले दस दिन से व्यवस्था बाधित होने के कारण यात्रियों को दिक्कत हो रही थी। मुंबई की प्रभावित होने वाली तीसरी उड़ान भी रविवार से पुनः रेगुलर होने की उम्मीद है। विमानों की आवाजाही और यात्रियों की परेशानी का समाधान करने के लिए स्थानीय अधिकारियों द्वारा निगरानी की जा रही है। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से सर्वाधिक विमान का संचालन करने वाली एयरलाइंस कंपनी इंडिगो की फ्लाइट दस दिनों से प्रभावित हो रही है। विमानों की संख्या कम होने की वजह से यात्रियों को तकलीफों का सामना करना पड़ा था। इसके बाद व्यवस्था धीरे-धीरे सामान्य होने लगी थी। बुधवार के बाद रायपुर से संचालित होने वाली 27 से 30 नियमित उड़ानों में से तीन विमान स्थगित हो रहे थे। शनिवार को रद्द होने वाले विमान की संख्या घट गई और आज मुंबई-रायपुर-मुंबई के बीच संचालित होने वाली शाम पांच बजे की फ्लाइट का संचालन नहीं हुआ। विमानतल प्रबंधन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक रविवार ⏭शेष पेज 7 पर

अलग खबर

मुंबई की तीसरी उड़ान भी आज से नियमित होने का अनुमान

अंबिकापुर-रायपुर फ्लाइट पर ब्रेक

क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत अंबिकापुर-रायपुर-बिलासपुर के बीच उड़ान भरने वाली फ्लाइट का संचालन अभी नियमित नहीं है। फ्लाय बिग के छोटे आकार वाले इस एयरक्राफ्ट के संचालन पर अभी ब्रेक लगा हुआ है। सूत्रों का कहना है कि आने वाले दिनों में इसका संचालन शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही विमानन कंपनी जगदलपुर-रायपुर के बीच अपनी उड़ान सेवा प्रारंभ कर सकती है।

अभी किराया

रायपुर-दिल्ली	7500 से 10 हजार
रायपुर-मुंबई	10 हजार से 12 हजार
रायपुर-कोलकाता	8700 से 9000
रायपुर- हैदराबाद	7700 से 9200
रायपुर-पुणे	9500
रायपुर-बेंगलुरु	9500 से 12 हजार

छत्तीसगढ़ की नई विधानसभा में आज पहला सत्र

नवीन विधानसभा के पहले दिन प्रश्नकाल नहीं, विजन-2047 पर होगी चर्चा, बैज बोले-कांग्रेस का बहिष्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नए विधानसभा में शीतकालीन सत्र आज 14 से 17 दिसंबर तक आहूत की गई है। वहीं संसद की तर्ज पर 19 दिसंबर को वंदे मातरम पर विशेष सत्र की तैयारी चल रही है। पहले दिन छत्तीसगढ़ विजन-2047 पर चर्चा होगी। पहले दिन की कार्यसूची में केवल विजन पर चर्चा का ही जिक्र है। कांग्रेस ने कहा, विजन डॉक्यूमेंट 2047 पेश करने से पहले सरकार ने इस संबंध में विपक्ष से परामर्श नहीं किया। प्रश्नकाल और ध्यानाकर्षण नहीं होने के कारण कांग्रेस ने इसका बहिष्कार किया है। कांग्रेस के विधायक सोमवार से सत्र में भाग लेंगे।

छत्तीसगढ़ की नवीन विधानसभा में पहला दिन कई मायनों में ऐतिहासिक होगा। विधानसभा का शीतकालीन सत्र पहली बार रविवार से प्रारंभ हो रहा है। नवीन विधानसभा के पहले दिन प्रश्नकाल नहीं होगा। विधानसभा सत्र की शुरूआत के पहले घंटे प्रश्नकाल से होता था, जिसमें सत्तापक्ष और विपक्ष के विधायक विभिन्न मुद्दों पर सवाल उठाते थे। पहले दिन राज्य सरकार की दीर्घ कालीन विकास की रणनीति छत्तीसगढ़ विजन 2047 पर चर्चा होगी। वहीं नवीन विधानसभा में पहले ही दिन कांग्रेस ने बहिष्कार का ऐलान कर दिया है।

खास खबर

लोग भूख से मर रहे और चर्चा 2047 पर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने इस संबंध में कहा, विजन 2047 की चर्चा को लेकर विधानसभा सत्र की कार्रवाई का बहिष्कार करने की घोषणा की है। लोग अभी भूख से मर रहे, लेकिन चर्चा 2047 की होगी। 2047 तक आप खुद रहेंगे या नहीं यह तय कर लीजिए।

सोमवार को स्थगन संभव

सोमवार को सदन में कांग्रेस स्थगन प्रस्ताव ला सकती है। जमीन की गाइडलाइन दर और बिजली बिल हॉफ जैसे मुद्दों को लेकर यह प्रस्ताव लाएगी। सत्र के दौरान राज्य सरकार 15 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश करेगी, जिस पर 16 को चर्चा कर पारित किए जाने की संभावना है। सत्र के दौरान सदस्यों ने 628 सवाल लगाए हैं। अब तक राज्य सरकार की ओर से एक विधेयक पेश करने की सूचना दी गई है।

क्या है विजन 2047

छत्तीसगढ़ विजन 2047 के माध्यम से राज्य के 13 प्रमुख क्षेत्रों में 10 मिशनों के माध्यम से आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को संतुलित रूप से आगे बढ़ाया का प्लान तैयार किया गया है। इनमें कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, पर्यटन, संस्कृति, लॉजिस्टिक्स और आईटी से लेकर जैविक खेती और शिक्षा तक का समावेश है। विजन 2047 के माध्यम से राज्य की जीडीपी को 5 लाख करोड़ रुपए से वर्ष 2030 तक 11 लाख करोड़ और वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ रुपए तक करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है।

भोपाल-दिल्ली में पहरा बढ़ा

'जेड प्लस' के बाद भी बढ़ाई शिवराज की सुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्रालय से सीक्रेट इनपुट मिलने के बाद उनकी सुरक्षा को और पुख्ता कर दिया गया है। सीक्रेट इनपुट के बाद देर रात ही उनके दिल्ली और भोपाल स्थित स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए गए। दरअसल, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पहले ही जेड प्लस सिक्योरिटी मिली हुई है। हालांकि गृह मंत्रालय से मिले ताजा इनपुट के बाद सरकार ने उनकी सुरक्षा को और सख्त कर दिया ⏭शेष पेज 7 पर

घरों के आगे की गई बैरिकेडिंग

इनपुट मिलने के बाद भोपाल में 74 बंगला स्थित बी-8 आवास के चारों ओर पुलिस ने अतिरिक्त बैरिकेडिंग की है। साथ ही उनके दिल्ली स्थित सरकारी आवास की भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। इनपुट मिलने के बाद एमपी डीजीपी, दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) और एमपी के मुख्य सचिव को स्पष्ट निर्देश भेजे हैं कि मंत्री की सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक न हो।

फैंस ने तोड़ी कुर्सियां, सीएम ममता ने माफी मांगी

14 साल बाद भारत पहुंचे मेस्सी मचा बवाल, आयोजक गिरफ्तार

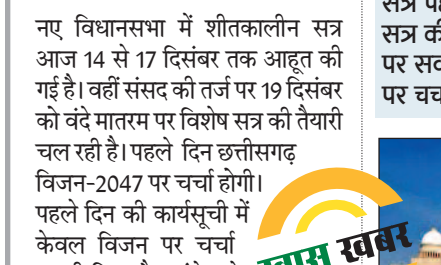

एजेंसी ⏭ कोलकाता

महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान शनिवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में मची अफरा-तफरी कानून-व्यवस्था के बड़े मामले में तब्दील हो गई। पुलिस ने कथित कुप्रबंधन के आरोप में मुख्य आयोजक शतद्रु दत्ता को हिरासत में ले लिया, वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। उन्होंने फुटबॉल के इस दिग्गज खिलाड़ी को देखने से वंचित रह गए प्रशंसकों से माफी मांगी। फुटबॉल के दीवानों के लिए जो जीवन का सबसे सुखद अनुभव हो सकता था, वह एक तरह ⏭शेष पेज 7 पर

वी वांट मेस्सी के नारे, तोड़फोड़

प्रशंसकों की निराशा बढ़ती गयी और जैसे ही यह स्पष्ट हुआ कि अर्जेंटीना का यह स्टार स्टेडियम का पूरा चक्कर नहीं लगाएगा तो 'वी वांट मेस्सी (हमें मेस्सी चाहिए)' के नारे तेज हो गये। मेस्सी पहले से तय स्टेडियम का पूरा चक्कर लगाने की जगह बीच रास्ते से ही वापस मुड़ गए और अपने निर्धारित समय से काफी पहले ही बाहर निकाल लिए गए।

हैदराबाद में फैन्स में जबरदस्त उत्साह

भारत दौरे पर आए दिग्गज फुटबाल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने शनिवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री

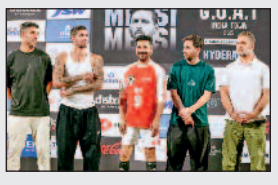

रेवंत रेड्डी की टीम के साथ प्रदर्शनी मैच खेला। राजीव गांधी स्टेडियम में रेवंत रेड्डी-9 और मेस्सी ऑलस्टार्स के बीच प्रदर्शनी मैच खेला गया। इस दौरान वह करीब एक घंटे तक वहां रहे। लियोनल मेस्सी ने शो के आखिरी में हैदराबाद के वहां मौजूद दर्शकों का धन्यवाद भी दिया। उन्होंने स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की ओर कुछ बॉल भी किक मारी और मैदान में काफी देर तक खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल भी खेला। उन्होंने प्रदर्शनी मैच में हिस्सा लिए खिलाड़ियों को ट्रॉफी भी दी और उनके साथ फोटो भी खिचवाई। इससे पहले म्यूजिकल नाइट के बाद लेजर शो हुआ। शो में मेस्सी और राहुल गांधी का चित्र बनाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मेसी से मुलाकात की।

ट्रांसमिशन कंपनी की मनमानी

किसानों को खबर नहीं और लगा दिया टॉवर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन द्वारा किसानों की भूमि का अधिग्रहण किए बगैर खेतों पर 132 केवी का ट्रांसमिशन टॉवर लगा दिया गया है। किसानों को खबर नहीं हुई और कंपनी के अधिकारियों ने मनमाने तरीके से टॉवर खड़े कर दिए हैं। खेतों में ⏭शेष पेज 7 पर

रिकार्ड देखने के बाद बता सकेंगे

तहसील क्षेत्र में कई जगहों पर टॉवर लगाने का काम हो रहा है, किसी तरह की आपत्ति है और मामला क्या है, यह रिकार्ड देखने के बाद ही बताया जा सकेगा। दुर्गा प्रसाद अधिकारी
-एसडीएम, घरघोड़ा

डॉ. हिमांशु के निवास पहुंचे भूपेश कीर्ति नारायण द्विवेदी को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के निवास पहुंचकर उनके पिता कीर्ति नारायण द्विवेदी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी। श्री बघेल ने इस पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए परिवार को सांत्वना दी। उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर को कीर्ति नारायण द्विवेदी का निधन ग्वालियर में हो गया था। इस अवसर पर कांग्रेस संचार विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, प्रदेश प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा और आरपी सिंह भी मौजूद थे।

कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया करेगी जांच

इंडिगो पर एक्शन, मोनोपॉली की होगी जांच!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत के एविएशन सेक्टर में इन दिनों हलचल है। इंडिगो की उड़ानें रद्द होने के बाद सरकार अब कंपनी के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी में है। भारत के एविएशन सेक्टर में इंडिगो एयरलाइंस की मोनोपॉली की अब जांच होगी। सीसीआई यानी कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया यह जांच करेगी कि क्या क्या देश की सबसे बड़ी एयरलाइन ने प्रतिस्पर्धा के नियमों का उल्लंघन किया है। ⏭शेष पेज 7 पर

चार अधिकारियों को नौकरी से निकाला

इंडिगो संकट पर डीजीसीए ने भी एक्शन की तैयारी शुरू कर दी है। बीते शुक्रवार को डीजीसीए ने चार फ्लाइट इंस्पेक्टरों को नौकरी से निकाल दिया है। वह इंडिगो की सुरक्षा और ऑपरेशनल स्टैंडर्ड की निगरानी करते थे। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट्स में बढ़ती परेशानी के बीच डीजीसीए ने यह कार्रवाई की है।

अधिकतर रिफंड की प्रक्रिया पूरी: इंडिगो ने कैंसिल टिकट का रिफंड शुरू कर दिया है। इंडिगो ने बयान जारी कर कहा कि हमारी टीमें रिफंड प्रोसेसिंग और मुआवजा देने में बहुत ध्यान से काम कर रही हैं। इंडिगो की तरफ से कहा गया है कि दिसंबर 2025 तक हमारा मुख्य ध्यान यह पक्का करना है कि प्रभावित कस्टमर्स के सभी रिफंड ठीक से और तेजी के साथ प्रोसेस किए जाएं। इनमें से ज्यादातर पहले ही पूरे हो चुके हैं, बाकी भी जल्द पूरे कर दिए जाएंगे।

एविएशन सेक्टर में 65 फीसदी हिस्सेदारी

भारत के घरेलू एविएशन सेक्टर में इंडिगो का मार्केट शेयर 65 फीसदी से अधिक है। पिछले हफ्ते कैंसिलेशन इसलिए हुईं क्योंकि डीजीसीए के नए नियमों का पालन करने में विमानन कंपनी पूरी तरह से नाकाम रहीं। सीसीआई ने इंडिगो मामले में खुद से जांच शुरू की है और अगर कॉम्पिटिशन के नियमों का कोई उल्लंघन पाया जाता है, तो रेगुलेटर पैसे का जुर्माना लगा सकता है, लेकिन विमानन कंपनी के खिलाफ औपचारिक तौर पर कोई शिकायत नहीं है।

कहीं अलाव... कहीं शीतलहर...

उत्तर भारत से लेकर मध्य और पूर्वी राज्यों तक चुनौतीपूर्ण बना मौसम

देश के कई हिस्सों में ठंड, कोहरा और प्रदूषण का असर है। उत्तर भारत से लेकर मध्य और पूर्वी राज्यों तक मौसम चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। राजस्थान, कर्नाटक से ओडिशा तक शीतलहर का अलर्ट है। दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को भी सर्दी की शुरुआत के साथ ही हवा की हालत भी बिगड़ती नजर आई। सुबह के समय कई इलाकों में धुंध और प्रदूषण की वजह से रास्ता साफ दिखाई नहीं दे रहा। पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में भी अच्छी ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों जैसे, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में 13 से 18 दिसंबर के बीच हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

कई हिस्सों में पारा गिरा ठंड, कोहरे के साथ प्रदूषण की भी मार

खबर संक्षेप

राहुल-सिद्धू पर निशाना
एक को पीएम बनना है तो दूसरे को सीएम : मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की तुलना नवजोत सिंह सिद्धू से करते हुए कहा कि वे दोनों एक जैसे हैं और उनमें एक समान विशेषता है। दोनों क्रमशः प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में निर्वाचित होना चाहते हैं। चंडीगढ़ में मीडिया से बातचीत में भगवंत मान ने कहा कि सिद्धू और राहुल एक जैसे हैं। उन्होंने कहा, 'दोनों की समस्या एक जैसी है। दोनों पहले प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, उसके बाद ही वे अपना काम दिखा पाएंगे। लेकिन देश की जनता भी अपनी बात पर अड़ी है। वे चाहते हैं कि दोनों पहले अपना काम करके दिखाएं।'सिद्धू का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, 'उनमें से एक कह रहा है कि उन्हें सीएम बनना चाहिए, नहीं तो वे टीवी पर ही काम करते रहेंगे। मैं भी टीवी पर था। क्या मैंने टीवी छोड़कर पंजाब पर कोई एहसान किया है।' सिद्धू के बारे में उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि वे अपना काम ठीक से नहीं कर पाए।

कर्नाटक चुनाव में वोटर लिस्ट से पात्र मतदाताओं के नाम कटवाने के मामला

एसआईटी ने दायर की 22000 पन्नों की चार्जशीट पूर्व भाजपा विधायक को बनाया मुख्य आरोपी

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरू

कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस साल के मध्य में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में वोटी चोरी होने का आरोप लगाया था। कर्नाटक सीआईडी की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने आलंद विधानसभा क्षेत्र के वोटर लिस्ट से पात्र मतदाताओं के नाम कटवाने के मामले में कलबुर्गी की सिटी एसीएमएम कोर्ट में 22,000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है।

एसआईटी ने अपनी चार्जशीट में पूर्व भाजपा विधायक सुभाष गुट्टेदार को मुख्य आरोपी बताया है। उनके बेटे हर्षनंद गुट्टेदार और पांच अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। जांच एजेंसी का दावा है कि 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले इन लोगों ने सुनियोजित तरीके से आलंद विधानसभा क्षेत्र के 5,994 मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटवाने की साजिश रची थी।

राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यहां वोटी चोरी होने का लगाया था आरोप

जांच एजेंसी का दावा- सुनियोजित तरीके से नाम हटवाने की रची गई साजिश

कॉल-सेंटर बनाकर काटे गए वोटर लिस्ट से नाम

एसआईटी जांच के मुताबिक पात्र मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कटवाने के लिए एक बड़े कॉल-सेंटर नेटवर्क का इस्तेमाल किया गया था। ऑनलाइन फर्जी आवेदन भरे गए और हर वोटर का नाम कटवाने के बदले पैसे दिए गए। ओटीपी हैकिंग और आधार-लिंक्ड मोबाइल नंबरों में हेरफेर कर फॉर्म-7 भरे गए। यह मामला सबसे पहले कांग्रेस विधायक बी.आर. पाटिल ने उठाया था। बाद में राहुल गांधी ने भी संसद से लेकर कर्नाटक की अपनी जनसभाओं तक इसे भाजपा और चुनाव आयोग की मिली भगत से 'वोट चोरी' का मामला करार दिया था।

200 से ज्यादा गवाहों के बयान

एसआईटी सूत्रों के मुताबिक चार्जशीट में 200 से ज्यादा गवाहों के बयान और डिजिटल एविडेंस (कॉल रिकॉर्ड्स, बैंक ट्रांजेक्शन, ओटीपी लॉग्स, फॉर्म-7 की कॉपी) शामिल किए गए हैं। एसआईटी ने कोर्ट से आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 468, 471, 120बी के साथ-साथ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा चलाने की मांग की है। पूर्व बीजेपी विधायक सुभाष गुट्टेदार ने इस चार्जशीट को 'राजनीतिक बदले की कार्रवाई' बताया है और कहा कि वह कोर्ट में अपना पक्ष रखेंगे। वहीं कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र पर हमले का पुख्ता सबूत करार दिया है।

हरियाणा चुनाव में भी लगाया था वोट चोरी का आरोप

राहुल ने कर्नाटक के अलावा पिछले साल हरियाणा में हुए विधानसभा चुनावों में भी वोट चोरी का दावा किया था। उनके मुताबिक, उस चुनाव में डाले गए हर आठ में से एक वोट फ़र्जी था। राहुल ने पीसी में दावा किया था कि हरियाणा में एक लाख चौबीस हजार से अधिक फर्जी तस्वीरों वाले वोटर हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि हरियाणा में 'एक ही घर में 501 वोटर दर्ज हैं और वो घर भी सिर्फ़ कागजों पर है।' उन्होंने अपनी प्रेस वार्ता में प्रेजेंटेशन के दौरान ब्राजील की एक महिला की तस्वीर दिखाते हुए दावा किया कि 'इस महिला ने हरियाणा के 10 बूथों पर 22 वोट डाले। उन्होंने कहा, 'यह एक सेंट्रलाइज्ड साजिश है। ऐसे 25 लाख लोगों में से यह एक उदाहरण है। उन्होंने सवाल उठाया था, एक ब्राजीलियन शख्स हरियाणा की वोटर लिस्ट में कैसे है?

आयोग ने कहा था आरोप निराधार

चुनाव आयोग ने सारे आरोपों को निराधार बताया था और कहा था कि कांग्रेस को इसकी शिकायत दर्ज करवानी चाहिए थी। भाजपा की तरफ से केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था कि राहुल गांधी अपनी नाकामी को छुपाने के लिए झूठे दावे कर रहे हैं।' हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी कांग्रेस के दावों को खारिज किया है।

'114 करोड़ नुकसान के आरोप बेबुनियाद' सीएम नायडू को मिली क्लीन चीट

एजेंसी ▶▶| विजयवाड़ा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के मुखिया चंद्रबाबू नायडू के लिए राहत भरी ख़बर आई है। विजयवाड़ा की एसीबी कोर्ट ने उन्हें फाइबरनेट केस में बड़ी कानूनी राहत दी. क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले को ख़ारिज कर दिया। कोर्ट ने नायडू समेत सभी आरोपियों को मामले में क्लीन चिट दे दी। फाइबरनेट केस उस समय का मामला है जब चंद्रबाबू विपक्ष में थे और प्रदेश में वायएसआरसीपी की सरकार थी। तत्कालीन एमडी माधुसूदन रेड्डी ने शिकायत की थी कि फाइबरनेट कॉरपोरेशन में 2014 से 2019 के बीच टेंडर नियमों का उल्लंघन कर सरकारी खजाने को नुक़सान पहुंचाया गया है। इस को लेकर क सीआईडी ने कथित गड़बड़ियों को लेकर जांच शुरू कर दी थी। आरोप लगाया गया था कि टेंडर नियमों का उल्लंघन करते हुए सॉफ्टवेयर कंपनियों को टेंडर दिया गया, जिससे सरकार को क़रीब 114 करोड़ रुपये का नुक़सान हुआ।

चर्चित फाइबरनेट केस में एसीबी कोर्ट ने किया मामला खारिज

इनके खिलाफ दर्ज हुआ था मामला

चार्जशीट में चंद्रबाबू नायडू को ए-25 आरोपी बनाया गया था। इनके अलावा तत्कालीन फाइबरनेट चेयरमैन वेमुरी हरिकृष्ण, एमडी के. संबाशिव राव, टेरासॉफ्ट कंपनी के डायरेक्टर तुम्मला गोपालकृष्ण और मुंबई और दिल्ली की कुछ सॉफ्टवेयर कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भी शामिल थे।

नहीं मिले पर्याप्त सबूत

एसीबी कोर्ट ने पाया की सीआईडी द्वारा दर्ज किए गए मामले में पर्याप्त सबूत नहीं है, जिससे ये साबित किया जा सके कि किसी को वित्तीय लाभ पहुंचाने की मंशा से टेंडर दिया गया हो। इसी को आधार बनाते हुए कोर्ट ने कहा कि अब इस केस को आगे नहीं चलाया जा सकता और सभी को क्लीन चिट दे दी गई। कोर्ट के इस फैसले से फाइबरनेट केस का पूरा विवाद खत्म हो गया। फाइबरनेट केस दरअसल सरकार कि ऐसी योजना थी जिसमें सभी घरों तक इंटरनेट और टेलीफ़ोन सेवा पहुंचाने का मकसद था।

दुनिया में 1 अरब से अधिक लड़कियों ने झेला यौन शोषण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

'द लैंसेट' पत्रिका में प्रकाशित अनुमानों के अनुसार वर्ष 2023 में दुनिया भर में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र की एक अरब से अधिक लड़कियों- महिलाओं ने बचपन में यौन हिंसा झेली, जबकि लगभग 60.8 करोड़ महिलाएं अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की शिकार रहीं।

उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में अंतरंग साथी की हिंसा और यौन हिंसा, दोनों की सबसे अधिक दर पाई गई। शोधकर्ताओं का कहना है कि इन क्षेत्रों में हिंसा के कारण स्वास्थ्य पर असर और गंभीर हो जाता है, क्योंकि यहां एचआईवी और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों की दर पहले से ही अधिक है।

एम्स दिल्ली व अन्य संस्थानों की रिपोर्ट

रिपोर्ट बताती है कि विश्व स्तर पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की दस लाख से अधिक महिलाएं बचपन में यौन हिंसा का सामना कर चुकी हैं। वहीं लगभग 608 मिलियन महिलाएं घरेलू हिंसा से प्रभावित हुई हैं। एम्स नई दिल्ली और गोरखपुर, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ तथा आईसीएमएस-नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन ट्यूबरकुलोसिस, चेन्नई के शोधकर्ताओं की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि ये अनुभव दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़े हैं। इनमें अवसाद, चिंता, पुरानी बीमारियां और समय से पहले मृत्यु का बढ़ा हुआ खतरा शामिल है।

'द लैंसेट' पत्रिका ने जारी किया 2023 का डेटा

भारत में 23 प्रतिशत बनीं यौन हिंसा की शिकार

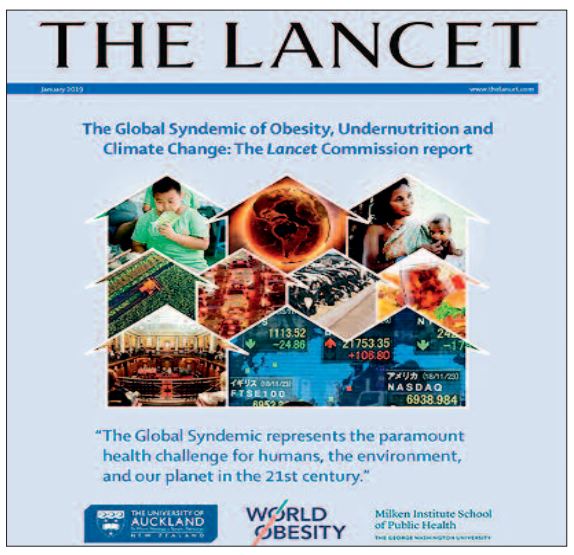

भारत के चौंकाने वाले आंकड़े

पत्रिका के अनुसार भारत में अंतरंग साथी द्वारा हिंसा झेलने वाली महिलाओं की दर लगभग 23 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया। साथ ही, यह भी अनुमान है कि 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की 30 प्रतिशत से अधिक महिलाएं और लगभग 13 प्रतिशत पुरुष बचपन में यौन हिंसा का सामना कर चुके हैं। वहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) द्वारा नवंबर में प्रकाशित वैश्विक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि 2023 में भारत में 15–49 वर्ष की आयु की महिलाओं में से हर पांच में से एक महिला अंतरंग साथी की हिंसा का शिकार हुई। इसके अलावा, लगभग 30 प्रतिशत महिलाओं ने अपने जीवनकाल में कभी न कभी ऐसी हिंसा झेली। दुनियाभर में लगभग तीन में से एक व्यक्ति – यानि करीब 840 मिलियन लोग – अपने जीवन में या तो साथी की हिंसा या यौन हिंसा का सामना कर चुके हैं।

'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' के आंकड़ों का विश्लेषण

शोधकर्ताओं ने 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) शोध 2023 के आंकड़ों का विश्लेषण किया, जिसे विभिन्न क्षेत्रों और समय के आधार पर स्वास्थ्य पर पड़ने वाले नुकसान को मापने का सबसे बड़ा और व्यापक प्रयास माना जाता है। इस अध्ययन का समन्वय अमेरिका की वाशिंगटन यूनिवर्सिटी ने किया था। लेखकों ने लिखा है, 'विश्व स्तर पर हमने अनुमान लगाया कि 2023 तक 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 60.8 करोड़ महिलाएं अपने जीवन में किसी न किसी समय अंतरंग साथी की हिंसा का शिकार हुई हैं, और 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के 1.01 अरब व्यक्तियों ने बचपन में यौन हिंसा का अनुभव किया है।'

केंद्रीय विद्यालय में 2499 पदों पर निकाली गई भर्ती

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकारी नौकरी के लिए अप्लाई कर रहे उम्मीदवारों के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने शानदार भर्ती निकाली है। संगठन ने कुल 2499 पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है।

अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट kvsangathan.nic.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए आवेदन 12 दिसंबर से शुरू हो गए हैं जो 26 दिसंबर को बंद हो जाएंगे। गौर करने वाली बात ये है कि यह भर्ती सिर्फ उन कर्मचारियों के लिए है जो पहले से ही केवीएस में टीचिंग या नॉन-टीचिंग पदों पर हैं। ऐसे में आवेदन का वेरिफिकेशन कंट्रोलिंग ऑफिसर की ओर से 2 जनवरी, 2026 तक पूरा किया जाएगा। इसके लिए एग्जाम 15 फरवरी 2026 को आयोजित होगी।

आवेदन की अंतिम तिथि 26 दिसंबर

इस तरह से बांटी गई हैं वैकेंसी

जनरल के लिए 1712 पद, एससी के लिए 525 पद और एसटी के लिए 262 पद आरक्षित हैं। केवीएस में भर्ती के लिए पद के अनुसार शैक्षणिक योग्यता है। पीजीटी (संबंधित विषय में 50 फीसदी मार्क्स के साथ पोस्ट ग्रेजुएशन और बीएड), टीजीटी (ग्रेजुएशन, बीएड और सीटीईटी पेपर 2 पास होना चाहिए)। वहीं, अन्य पदों के लिए 12वीं पास से लेकर ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए।

'भाजपा में मुझसे सलाह नहीं ली जाती, सभी फैसले दिल्ली में होते'

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के कामकाज की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस के विपरीत, पार्टी उनसे सलाह नहीं ले रही है। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस में लौटने की संभावना को पूरी तरह खारिज किया। बीजेपी नेता सिंह ने कहा कि कांग्रेस में रहते हुए जिस तरह से उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाया गया, उससे उन्हें आज भी ठेस पहुंची है। इसलिए कांग्रेस में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता। पीटीआई को दिए गए एक इंटरव्यू में अमरिंदर सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में सभी फैसले दिल्ली में लिए जाते हैं और जमीनी नेताओं से परामर्श नहीं किया जाता। दो बार मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने कहा, 'बीजेपी मुझसे सलाह नहीं ले रही है। मुझे 60 साल का राजनीतिक अनुभव है, लेकिन मैं खुद को उन पर थोप नहीं सकता।

■ कैप्टन अमरिंदर सिंह का छलका दर्द

अकाली दल से गठबंधन जरूरी

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी पंजाब में केवल शिरोमणि अकाली दल के साथ हाथ मिलाकर ही आगे बढ़ सकती है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पार्टियां पहले भी गठबंधन में रह चुकी हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन के बिना कोई सरकार नहीं बन सकती और गठबंधन का अभाव भगवंत मान के मुख्यमंत्री बनने से भी बड़ी आपदा होगी। उन्होंने कहा कि अब मजबूत सरकार बनाने की जिम्मेदारी बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल पर है।

सिद्धू पर भी साधा निशाना

पीटीआई से बात करते हुए सिंह ने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू और उनकी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू दोनों ही अस्थिर हैं। सिंह ने आगे कहा कि सिद्धू को क्रिकेट कमेंट्री पर ध्यान देना चाहिए, जिसमें वह माहिर हैं। राजनीति उनके स्वभाव में नहीं है।

अभिनव पहल... लाहौर के कॉलेज में महाभारत-गीता की पढ़ाई शुरू

पाकिस्तान में पहली बार गूंजे संस्कृत के श्लोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के मशहूर शहर लाहौर की हवा में इस हफ्ते एक ऐसा सुर गूंजा, जिसकी प्रतिध्वनि 1947 के बाद कभी सुनाई ही नहीं दी थी। पाकिस्तान में पहली बार किसी आधुनिक विश्वविद्यालय की कक्षा में संस्कृत के श्लोक जैसे कि महाभारत, भगवद्गीता और सुबोध पद्य को पूरी गंभीरता और अकादमिक सम्मान के साथ पढ़े गए। लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एलयूएमएस) में शुरू हुई।

इस हफ्ते एलयूएमएस में महाभारत और भगवद्गीता के श्लोक पढ़ाए गए। छात्रों को 'है कथा संग्राम की' का उर्दू संस्करण भी सिखाया जा रहा है। एक तीन महीने के वर्कशॉप की अभूतपूर्व सफलता ने इसे बाकायदा विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम का रूप दे दिया है, और 2027 तक इसे एक साल का पूरा कोर्स बनाने की तैयारी है।

महाभारत-गीता पर नए कोर्स होंगे शुरू : एलयूएमएस महाभारत और गीता पर नए कोर्स शुरू करने की तैयारी कर रहा है। डायरेक्टर डॉ. कासमी ने कहा, 'उम्मीद है इससे मोमेंटम बनेगा। 10-15 साल में हम पाकिस्तान में रहने वाले महाभारत और गीता के स्कॉलर्स देख सकते हैं।'

'हमारे इलाके में है पाणिनि का गांव'

एसोसिएट प्रोफेसर शाहिद रशीद ने 'द ट्रिब्यून को दिए इंटरव्यू में प्रोफेसर ने कहा, 'मैं उनसे (जो संस्कृत पढ़ने पर सवाल उठाते हैं) कहता हूं, हमें इसे क्यों नहीं सीखना चाहिए। यह पूरे इलाके को जोड़ने वाली भाषा है। संस्कृत के व्याकरणविद पाणिनि का गांव (शलातुरा) इसी इलाके में था। हमें इसे अपनाना होगा। यह हमारी भी है, यह किसी एक खास धर्म से बंधी नहीं है।

प्रोफेसर जिसने जगाई पुरातन भाषा की लौ

इस पुनर्जीवन के केंद्र में हैं प्रोफेसर शाहिद रशीद, जिन्होंने कहा, 'संस्कृत किसी एक धर्म की नहीं, पूरे क्षेत्र की भाषा है। पाणिनि की धरती यहीं थी।' उन्होंने बताया, इस पहल के पीछे कई महीनों की कोशिश है। इसकी नींव रखने के लिए तीन महीने तक एक वीकेंड वर्कशॉप चलाई गई, जिसमें स्टूडेंट्स, स्कॉलर्स और भाषा में रुचि रखने वाले लोगों को बुलाया गया। संस्कृत को लेकर उत्सुकता और भागीदारी पर जोर दिया गया। कॉलेज प्रशासन को राजी किया गया, तब जाकर पाकिस्तान में पहली बार संस्कृत की पढ़ाई शुरू हो रही है।

संस्कृत से लिए उर्दू के कई शब्द

प्रोफेसर रशीद ने आगे बताया कि पढ़ाते समय उनके बहुत से स्टूडेंट्स इस बात से हैरान रह जाते हैं कि उर्दू के इतने सारे शब्द संस्कृत से लिए गए हैं। वे कहते हैं, 'कई तो यह तक नहीं जानते थे कि संस्कृत हिंदी से अलग है। पहले उन्हें यह मुश्किल भाषा लगी लेकिन एक बार लॉजिकल स्ट्रक्चर समझने के बाद उन्हें यह पसंद आने लगी।

‘तन्वी द ग्रेट’ के लिए मिला ऑस्ट्रेलिया में पुरस्कार

मुंबई। अभिनेत्री शुभांगी दत्त ने अनुपम खेर की फिल्म ‘तन्वी द ग्रेट’ के लिए इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता है। अनुपम खेर की प्रेरणादायक और पसंद की जाने वाली फिल्म ‘तन्वी द ग्रेट’ को एक और बड़ी खुशी मिली है। इस फिल्म की मुख्य शुभांगी दत्त ने इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार अपने नाम किया है। शुभांगी दत्त के साथ इस फिल्म में अनुपम खेर, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, अरविंद स्वामी, नास्सर, इयान ग्लेन और करण टक्कर जैसे बेहतरीन कलाकार भी हैं। अनुपम खेर ने कहा कि शुभांगी इस अवॉर्ड की पूरी तरह हकदार हैं। उन्होंने तन्वी को बेहद ईमानदारी से निभाया। ‘तन्वी द ग्रेट’ दिल से बनी फिल्म है और इसे विदेशों में सराहना मिलना हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। हम चाहते हैं कि यह फिल्म और भी जगहों तक पहुंचे। अवॉर्ड पर भावुक होकर शुभांगी दत्त ने कहा कि यह अवॉर्ड मेरे लिए बहुत खास है।

‘छावा’ 150 करोड़ में बनी, इस फिल्म ने दुनियाभर में 808.7 करोड़ कमाए

‘धुरंधर’ से पहले इन फिल्मों ने 2025 में की खूब कमाई, दुनियाभर में बजा डंका

मुंबई। अभिनेता रणवीर सिंह की हालिया रिलीज फिल्म ‘धुरंधर’ बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। फिल्म ने सिर्फ 6 दिनों में 180 करोड़ से ज्यादा कारोबार कर लिया है, जबकि दुनियाभर में आंकड़ा 274 करोड़ के पार हो गया है। 2025 के जाने से पहले बॉक्स ऑफिस को एक और जश्न मनाने का मौका मिल गया है। ‘धुरंधर’ से पहले 2025 में कई फिल्में आईं जिन्होंने न सिर्फ बजट वसूला, बल्कि अपनी कमाई से दुनियाभर में तहलका भी मचाया।

‘कांतारा 2’ और ‘छावा’

आईएमडीबी की रिपोर्ट के मुताबिक, पहला नाम सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी का है, जिनकी ‘कांताराः चैप्टर 2’ ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। इस फिल्म का बजट 130 करोड़ था, और इसने दुनियाभर में 853.4 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। हिंदी फिल्मों में यह रिकॉर्ड विक्की कौशल के नाम रहा। उनकी ऐतिहासिक फिल्म ‘छावा’ ने इस साल की शुरुआत में धूम मचा दी। 150 करोड़ में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 808.7 करोड़ कमाए हैं।

‘सैयारा’ और ‘कुली’

मोहित सूरी की फिल्म ‘सैयारा’ ने 2025 में लोगों की खूब वाहवाही लूटी। अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत फिल्म ने दुनियाभर से 575.8 करोड़ रुपये बटोरे। फिल्म का बजट सिर्फ 50 करोड़ रुपये है। दूसरी तरफ, बॉक्स ऑफिस पर सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म ‘कुली’ का बोलबाला रहा। इस फिल्म को बनाने में निर्माताओं ने 350 करोड़ खर्च किए। रिलीज के बाद ‘कुली’ ने दुनियाभर में 516.7 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया। इस फिल्म में आमिर खान का कैमियो है।

महावतार नरसिम्हा’ और ‘लोकाः चैप्टर 1- चंद्रा’

2025 में उम्मीदों से परे जाकर एनिमेटेड फिल्म ‘महावतार नरसिम्हा’ ने हर किसी की तारीफ बटोरी। अश्विन कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म को सिर्फ 40 करोड़ के बजट में बनाया गया, लेकिन दुनियाभर में 326.1 करोड़ कमाते हुए इसने निर्माताओं को मालामाल कर दिया। इसके अलावा, ‘लोकाः चैप्टर 1- चंद्रा’ भी दर्शकों द्वारा खूब पसंद की गई। दुलकर सलमान द्वारा निर्मित 40 करोड़ बजट वाली इस फिल्म ने दुनियाभर से 302.1 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है।

रजनीकांत को इन फिल्मों ने बनाया सिनेमा का सुपरस्टार

मुंबई। सिनेमा के दिग्गज सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्मों का हर किसी को बेसब्री से इंतजार रहता है। फिल्मी पर्दे पर जबरदस्त एक्शन करना और बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ना इस बात का सबसे बड़ा सबूत है। ‘थलाइवा’ नाम से मशहूर रजनीकांत 74 साल के हो गए हैं, लेकिन अपने हर स्टाइल से वह युवा अभिनेताओं को कड़ी टक्कर देते हैं। आइए उनकी उन फिल्मों के बारे में जानें, जिन्होंने उन्हें सिनेमा के सुपरस्टार का खिताब दिलाया है।

‘रोबोट’ फ्रैंचाइजी: रजनीकांत की साइंस-फिक्शन फिल्म ‘रोबोट’ साल 2010 में रिलीज हुई थी। ऐश्वर्या राय मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आईं। फिल्म को दुनियाभर से बेशुमार प्यार हासिल हुआ था। निर्माता 2018 में इसकी दूसरी किस्त ‘2.0’ लेकर आए जिसमें अभिनेता अक्षय कुमार अहम किरदार में थे। इस फिल्म ने दुनियाभर में 675 करोड़ रुपये की शानदार कमाई कर डाली। अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद ‘2.0’ की कहानी रोबोट चिट्टी और मनुष्य पक्षी के बीच प्रकृति बनाम तकनीक पर आधारित है।

‘जेलर’ और ‘कबाली’ : वर्ष 2023 में रजनीकांत की फिल्म ‘जेलर’ रिलीज हुई जिसने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। इसने दुनियाभर में 605 करोड़ का कारोबार किया था। अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद यह फिल्म मुथुवेल पांडियन नाम के एक रिटायर्ड जेलर के इर्द-गिर्द घूमती है। रजनीकांत की फिल्म ‘कबाली’ भी कमाई में पीछे नहीं रही। जियो हॉटस्टार पर मौजूद इस फिल्म ने दुनियाभर में 295 करोड़ का कारोबार किया था। फिल्म की कहानी मजदूरों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ बुनी गई है।

‘दरबार’ और ‘कुली’: रजनीकांत की फिल्म ‘दरबार’ ने दुनियाभर में 226 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। प्राइम वीडियो पर मौजूद इस फिल्म की कहानी मुंबई पुलिस और कुख्यात ड्रग तस्कर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म ने अभिनेता ने पुलिस कमिश्नर आदित्य का किरदार निभाया है। 2025 में रजनीकांत की फिल्म ‘कुली’ रिलीज हुई, जिसने 516.93 करोड़ रुपये का बंपर कलेक्शन किया। इस फिल्म की कहानी कुली यूनियन नेता के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने दोस्त की हत्या का बदला लेना चाहता है।

लौट रहा ‘मास्टर शेफ इंडिया’, रणवीर ने ‘धुरंधर’ स्टाइल में किया ऐलान...

नई दिल्ली। टीवी का सेलिब्रिटी कुकिंग शो मास्टर शेफ इंडिया लौट रहा है। इस लोकप्रिय शो के जज ने इसके नए सीजन का ऐलान किया। शेफ विकास खन्ना ने एक मजेदार पोस्ट के साथ शो के नए सीजन का ऐलान किया। उन्होंने मास्टर शेफ के किचन में कुणाल कपूर की वापसी की खुशखबरी भी शेयर की। विकास खन्ना कहते हैं कि कुणाल सिर्फ एक कलीग नहीं बल्कि उनके सबसे करीबी दोस्त भी हैं। रणवीर बरार ने भी एक मजेदार अंदाज में एक पोस्ट शेयर कर शो के नए सीजन का ऐलान किया। रणवीर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें विकास , रणवीर बरार और कुणाल कपूर मजेदार अंदाज में “धुरंधर‘ के मोस्ट पॉपुलर सॉन्ग ‘एफए9एलए’ में डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में तीनों गाने का स्टेप करते नजर आ रहे हैं। तीनों हाथ में रसोई का सामान लिए नजर आ रहे हैं। रणवीर ने वीडियो पोस्ट कर मजेदार अंदाज में लिखा, ‘हमारे किलर डांस मूव्स देखकर ये मत समझिए कि हम डांस शो के जज हैं।

अभय वर्मा की फिल्म ‘छूमंतर’ से बाहर हुईं अनन्या पांडे...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे कामकाजी जिंदगी को लेकर खूब चर्चा में हैं। एक तरफ वह आगामी फिल्म ‘तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी’ के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसमें उनके साथ अभिनेता कार्तिक आर्यन मुख्य किरदार में नजर आएंगे। दूसरी तरफ अभिनेत्री अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज ‘कॉल मी बे’ के दूसरे सीजन की तैयारी में जुटी हैं। हालांकि, नई जानकारी प्रशंसकों का दिल तोड़ देगी क्योंकि आगामी फिल्म ‘छूमंतर’ से अनन्या बाहर हो गई हैं।

‘छूमंतर’ छोड़ने की वजह काफी बड़ी : मीडिया से बातचीत में एक सूत्र ने अनन्या द्वारा अभय वर्मा अभनीत ‘छूमंतर’ छोड़ने की वजह बताई है। सूत्र ने कहा, फिल्म की टीम जनवरी, 2026 में शूटिंग शुरू करने की योजना बना रही है। यह ‘कॉल मी बे 2’ की शूटिंग से टकरा रहा है, जिसकी शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। इसलिए अनन्या और ‘छूमंतर’ के निर्माताओं ने जल्द ही साथ काम करने के वादे के साथ अलग होने का फैसला किया है।”

इन अभिनेत्रियों के नाम पर चर्चा : सूत्र ने कहा, पिछले हफ्ते 3 कलाकारों संग एक मॉक शूट हुआ था। इस फैंटेसी रोमांटिक ड्रामा की तैयारी कई महीनों से चल रही है और अगले हफ्ते से वर्कशॉप शुरू होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, ‘छूमंतर’ से अनन्या की विदाई के बाद कास्ट में कथित बदलाव हुए हैं। ‘वश’ अभिनेत्री जानकी बोडीवाला और श्रीलीला, अभय के साथ ‘छूमंतर’ का हिस्सा बन सकती हैं।

पापियों की दिशा-दशा बदलने आए वरुण

मुंबई। जी स्टूडियो के बैनर तले निर्मित आगामी फिल्म ‘राहु केतु’ के नए पोस्टरों ने लोगों को उत्साहित कर दिया है। फिल्म में पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा मुख्य किरदार में हैं। उनके साथ शालिनी पांडे नजर आएंगी। टीजर से फिल्म की कहानी का अंदाजा लग गया था, लेकिन अब पुलकित और वरुण के किरदारों का नए अंदाज में पेश किया गया है। निर्माताओं ने पोस्टर के जरिए बताया कि ‘राहु केतु’ पापियों की दिशा और दशा बदलने आ रहे हैं। इस आगामी कॉमेडी फिल्म में, वरुण राहु का किरदार निभा रहे हैं। उनका पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने लिखा, ‘आ गए हैं राहु, जो तोड़ेंगे सबके पापों का घड़ा!’ पुलकित केतु के किरदार में हैं, जिनके पोस्टर के साथ कैप्शन दिया गया, ‘ये हैं केतु, जिनके आने से बदलेगी पापियो की दशा और दिशा!’

इसके अलावा, शालिनी का पोस्टर भी जारी कर दिया गया है। विपुल विग के निर्देशन में बनी ‘राहु केतु’ 16 जनवरी, 2026 को रिलीज होगी।

शहजादी है तू दिल की का नया प्रोमो रिलीज

मुंबई। स्टार प्लस के शो शहजादी है तू दिल की का नया प्रोमो रिलीज हो गया है। स्टार प्लस हमेशा से ही दर्शकों के लिए अलग और याद रहने वाली कहानियां लाने के अपने वादे पर कायम रहा है। टेलीविजन के कुछ सबसे आइकॉनिक और ट्रेंड सेट करने वाले शो देने वाला यह नंबर-वन चैनल अब एक बार फिर एक दमदार कहानी लेकर लौटा है, अपने नए ड्रामा ‘शहज़ादी है तू दिल की’ के रूप में। यह शो, जिसका हाल ही में प्रीमियर हुआ है, अपनी दिलचस्प कहानी और गहरी भावनाओं के कारण दर्शकों को शुरू से ही बांधने में सफल रहा है। मौजूदा ट्रैक में हम देखते हैं कि दीपा, अपने पति की तलाश में हैदराबाद पहुँचती है, लेकिन वहां उसे एक ऐसा सच पता चलता है जो उसकी पूरी ज़िंदगी हिला देता है। दरअसल उसका पति उसे शुरू से ही झूठ बोलता आ रहा था। दीपा की यह यात्रा एक बड़े सवाल को सामने लाती है कि इतने बड़े धोखे के बाद क्या वह फिर कभी किसी पुरुष पर भरोसा कर पाएगी? शो के नए प्रोमो में कहानी भावनात्मक मोड़ लेती है। हम देखते हैं कि दीपा अपने बच्चे के पिता की तलाश में बेचैन होकर इधर-उधर भटक रही है। वह अपनी ज़िंदगी और अपने भविष्य को लेकर एक साफ़ जवाब चाहती है। लेकिन इसी तलाश में उसे एक ऐसा सच मिलता है जो उसका दिल तोड़ देता है, उसका पति, भानु, दूसरी शादी कर चुका है। जब दीपा उसका सामना करती है, तो भानु मान लेता है कि उसने यह कदम अपनी माँ के दबाव में उठाया था। यह सच सुनकर दीपा पूरी तरह टूट जाती है। दर्द और सदमे के बीच वह फैसला करती है कि अब उसे खुद को इन टूटे हालात से बाहर निकालना होगा और नई ज़िंदगी खड़ी करनी होगी। ठीक उसी समय, जब वह हिम्मत जुटाकर आगे बढ़ने की कोशिश करती है, किस्मत उसे कार्तिक के सामने ला खड़ा करती है। यहीं से उसकी कहानी एक नए और बेहद ताक़तवर मोड़ की ओर बढ़ती है।

भारतवर्ष अपने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। बंकिम चंद्र चटर्जी (चट्टोपाध्याय) द्वारा रचित इस गीत की पंक्तियों में भारतीयता का ओज और राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है। आज़ादी की लड़ाई के दौरान करोड़ों भारतीयों के लिए यह गीत संघर्ष, चेतना और आत्मबल का प्रतीक रहा, लेकिन इतने दशकों के बाद यह गीत एक बार फिर राजनीतिक और वैचारिक टकराव के केंद्र में आ गया है। भाजपा का आरोप है कि आजादी की लड़ाई के शुरुआती दौर से ही कांग्रेस ने इस गीत के साथ अन्याय किया है और आजादी के बाद भी सम्पूर्ण गीत को न लेकर इसके एक अंश को ही राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता दी। उधर, कांग्रेस का कहना है कि ऐसा किसी द्वेषवश नहीं, बल्कि उस वक्त सभी धर्मावलंबियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि भला इस गीत से किसी मजहब और संप्रदाय को किस तरह चोट पहुंच सकती है? संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम् पर हुई बहस ने निस्संदेह देश के अंदर बहुत बड़े वर्ग में देश भक्ति का भाव गहरा किया है तो दूसरी ओर क्षोभ और गुस्सा भी पैदा हुआ है। अच्छा होगा, अगर इस को धर्म और राजनीति से जरा दूर ही रखा जाए। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

'वंदे मातरम्' पर विपक्ष का प्रवंचना भाव

विश्लेषण

अरविंद जयतिलक

वरिष्ठ स्तंभकार

चारों ओर वंदे मातरम् की गूंज से भारतीयता का सनातन भाव गुंजायमान है, लेकिन विडंबना है कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का उच्चतर भाव कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। वे संसद से लेकर सड़क तक कुतर्कों का सहारा लेकर किस्म-किस्म की प्रवंचना से विरोध की प्रस्तावना खींच रहे हैं। यह ठीक नहीं है। उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् किसी धर्म या मजहब का समर्थन या विरोध का भाव नहीं है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान का वह निश्छल भाव है जिसे विचारों का हथियार बनाकर आजादी के दीवानों ने मातृभूमि को आजाद करवाया।

भारतवर्ष वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। चारों ओर वंदे मातरम् की गूंज से भारतीयता का सनातन भाव गुंजायमान है, लेकिन विडंबना है कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का उच्चतर भाव कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। वे संसद से लेकर सड़क तक कुतर्कों का सहारा लेकर किस्म-किस्म की प्रवंचना से विरोध की प्रस्तावना खींच रहे हैं। यह ठीक नहीं है। उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् किसी धर्म या मजहब का समर्थन या विरोध का भाव नहीं है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान का वह निश्छल भाव है जिसे विचारों का हथियार बनाकर आजादी के दीवानों ने मातृभूमि को आजाद कराया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् केवल शब्द भर नहीं हैं बल्कि इसमें राष्ट्र की संस्कृति, इतिहास, कला, साहित्य और ज्ञान-विज्ञान का वह भाव समाहित है जो भारत राष्ट्र की निरंतरता और चेतना को उद्घाटित करता है। इसके प्रकटीकरण से राष्ट्र की गरिमा और गौरव में वृद्धि होती है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित इस गीत की पंक्तियों में भारतीयता का ओज और राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है।

राष्ट्रीय एकता का भाव

यह गीत अपने आगोश में संपूर्ण भारत की विविधता और विशेषता को समेटे हुए है। इसमें मातृभूमि के प्रति अनुरक्ति, समर्पण और उदात्त भावनाएं निहित हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि वंदे मातरम् का विरोध करते हुए आज फिर वहीं लोग दिख रहे हैं जिन्होंने सत्ता-सिंहासन पर आसीन रहते हुए गीत के कुछ हिस्सों, खासकर मां दुर्गा की स्तुति करने वाले छंदों को काट-छांटकर राष्ट्रीय एकता के भाव को नष्ट-विनष्ट कर दिया। उल्लेखनीय है कि 1937 में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पं. जवाहरलाल नेहरु ने सुभाषचंद्र बोस को लिखे एक पत्र में कहा था कि वंदेमातरम् के कुछ छंद मुसलमानों को नाराज कर सकते हैं। नतीजा यह हुआ कि वंदेमातरम् गीत के सिर्फ पहले के दो छंदों को ही अपनाया गया। आज अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस पार्टी पर इस गीत को टुकड़े-टुकड़े करने का आरोप लगा रहे हैं तो उचित ही है। शास्त्रों में माता और मातृभमि को सर्वोपरि माना गया है। कहा गया है कि 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसी' यानी माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। वंदे मातरम् में यही भाव निहित है। वंदेमातरम गीत के इतिहास में जाएं तो 7 नवंबर 1875 को बंगाल के कांतल पाड़ा गांव में बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस वंदेमातरम गीत की रचना की। मूल रूप से वंदे मातरम् के प्रारंभिक दो पद संस्कृत में थे और शेष गीत बांग्ला में। दिसंबर 1905 में कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक में गीत को राष्ट्रगीत का दर्जा प्रदान किया गया और बंगाल विभाजन के समय यह गीत राष्ट्रीय नारा बन गया।

जिन्ना ने किया था विरोध

कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में रविंद्र नाथ टैगोर ने इसका संशोधित रूप प्रस्तुत किया। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा इस्लाम की भावना के विरुद्ध बताकर वंदे मातरम् गीत का विरोध किया, लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरु, सुभाषचंद्र बोस, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद और आचार्य नरेंद्र देव की समिति ने 28 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में पेश अपनी रिपोर्ट में इस राष्ट्रगीत के दो पहले पैराग्राफ को राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकृति दे दी। 1936 में भी महात्मा गांधी ने वंदे मातरम् गीत के बारे में कहा कि-'कवि ने हमारी मातृभूमि के लिए जो अनेक सार्थक विशेषण प्रयुक्त किए हैं, वे एकदम अनुकूल हैं, इनका कोई सानी नहीं है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन विशेषणों को यथार्थ में बदलें। मुझे कभी ख्याल नहीं आया कि यह गीत सिर्फ हिंदुओं के लिए रचा गया है।' यहां ध्यान देना होगा कि 1906 से 1911 तक यह गीत पूरा गाया जाता था। इस गीत में वह ताकत थी कि ब्रिटिश हुकूमत को बंगाल विभाजन का फरमान वापस लेना पड़ा। क्रांतिकारियों ने इस वंदे मातरम् आदर्श नारे को अपने संस्कार में ढाला और गीत के जरिए आजादी की जंग को गति देकर भारतीय जनमानस में जागृति पैदा की।

हर देश में राष्ट्रगीत का गायन

लोगों को लामबंद किया और ब्रिटिश राजसत्ता को उखाड़ फेंका। भगत सिंह, मदनलाल ढींगरा, राजगुरु और बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम् की आवाज लगाकर फांसी के फंदे को चूम लिया। गौर करें तो भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के हर देश में राष्ट्रगीत का गायन होता है। इस्लामी देशों में भी राष्ट्रगीत को समादर प्राप्त है और वह मातृभूमि को समर्पित है। अरबी में मातृभूमि को मादर-ए-वतन कहा जाता है जिसका मतलब मां से है। फारसी में मातृभूमि की उपमा मां से की गयी है। यमन के राष्ट्रगीत में झरनों की तुलना मां के दूध से की गई है। मिश्र के राष्ट्रगीत में मातृभूमि की तुलना मां से की गयी है। इसी तरह मलेशिया, सूडान, अरब, जार्डन सभी देशों में राष्ट्रगीत की परंपरा है और उसे किसी न किसी रूप में मातृभूमि और मां से जोड़ा गया है, तो क्या यह समझा जाए कि ये मुस्लिम देश इस्लाम की भावना का अनादर कर रहे हैं? बिल्कुल ही नहीं। फिर आज वंदे मातरम् के 150 वर्ष के जश्न पर ऐतराज और काली सियासत क्यों? क्यों न माना जाए कि कुछ मुठ्ठी भर लोग वंदे मातरम् गीत पर सवाल खड़ा करके क्रांतिकारियों का अपमान कर रहे हैं? उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् गीत राष्ट्रीयता का स्वर है। साथ ही क्रांतिकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी।

राजनीतिक संकीर्णता का दायरा

इस गीत का विरोध आजादी के दिवानों का विरोध है। साथ ही राष्ट्रीयता की भावना पर कुठाराघात भी। यह ठीक नहीं है कि कुछ सियासी दल और तथाकथित संगठन अपने राजनीतिक फायदे के लिए वंदे मातरम् गीत को राजनीतिक संकीर्णता के दायरे में रखकर इस्लाम की मान्यताओं के खिलाफ प्रचारित कर रहे हैं। भला इस गीत से किसी मजहब और संप्रदाय को किस तरह चोट पहुंच सकती है? उचित होगा कि वे संकीर्णताओं के केंचूल से बाहर निकलकर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् पर काली सियासत न करें। सामाजिक वातावरण विषाक्त बनता है। गत वर्ष पहले मध्यप्रदेश की कमलनाथ सरकार ने भी वंदे मातरम् के गायन पर पाबंदी थोप दी थी लेकिन जब इस निर्णय की आलोचना हुई तब यू-टर्न लेते हुए फैसला लिया गया कि हर महीने के पहले कार्य दिवस पर पुलिस बैंड की धुनों पर वंदे मातरम् गाया जाएगा। गत वर्ष जब मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को तमिलनाडु के स्कूलों में सप्ताह में दो बार गायन को अनिवार्य किया, तब भी कुछ सियासी दलों ने हायतौबा मचाना शुरू किया था। इसे मजहबी फ्रेम में फिट कर इस्लाम की भावना के विरुद्ध सियासी शोर में बदलने की कोशिश की गई। आज की तारीख में भी कुछ ऐसा ही उपक्रम देखने को मिल रहा है।

राष्ट्रीय गीत पर क्यों हो रही राजनीति

विवाद

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

वंदे मातरम को लेकर देश की राजनीति में एक बार फिर उबाल आ गया है। यह वही गीत है, जो आजादी की लड़ाई के दौरान करोड़ों भारतीयों के लिए संघर्ष, चेतना और आत्मबल का प्रतीक रहा, लेकिन 150 वर्ष बाद यह गीत एक बार फिर राजनीतिक और वैचारिक टकराव के केंद्र में आ गया है। बीते महीने सात नवंबर को 'वंदे मातरम्' गीत के 150 साल पूरे होने पर दिल्ली में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने इस गीत के साथ तोड़-मरोड़ की। उन्होंने कहा कि 1937 में नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने मूल 'वंदे मातरम्' गीत से महत्वपूर्ण पद हटा दिए थे। 'वंदे मातरम्' को टुकड़ों में तोड़ दिया गया। इसने विभाजन के बीज भी बो दिए। यह अन्याय क्यों किया गया? वही विभाजनकारी विचारधारा आज भी राष्ट्र के लिए एक चुनौती बनी हुई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् के गायन को अनिवार्य करने का ऐलान कर मामले को और तूल दे दिया है। गोरखपुर में एकता पदयात्रा के दौरान योगी आदित्यनाथ ने ये घोषणा की और कहा कि कोई भी धर्म राष्ट्र से ऊपर नहीं है। योगी आदित्यनाथ की घोषणा पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तो आ ही रही हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस पार्टी पर वंदे मातरम् गीत के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है, उसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बहरहाल, संसद के दोनों सदनों में भी इस राष्ट्रगीत पर लंबी-चौड़ी चर्चा हुई। लोकसभा में पीएम मोदी ने इस दौरान कई दावे किए। उन्होंने इस चर्चा के दौरान महात्मा गांधी से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना का जिक्र किया। पीएम मोदी ने सवाल किया कि जब बापू को वंदे मातरम् नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ? उन्होंने कांग्रेस पर सामाजिक समरसता की आड़ में इस गीत को तोड़ने का आरोप लगाया और कहा कि वह अभी भी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। वहीं विपक्ष ने स्वतंत्रता आंदोलन में आरएसएस की भूमिका पर सवाल उठाए और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ही 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था। हालांकि, विपक्ष ने कहा है कि सरकार पश्चिम बंगाल चुनाव के मद्देनजर वंदे मातरम् को मुद्दा बनाना चाहती है और इसके छंदों को हटाने पर राजनीति कर रही है। अहम सवाल यह है कि डेढ़ सौ साल पुराने इस मुद्दे को अचानक राजनीति और विवाद को केंद्र में लाने के पीछे वजह क्या है, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हैं। बीजेपी इस चुनाव में किसी भी तरह जीत हासिल करना चाहती है। इससे पार्टी को उम्मीद है कि वह तृणमूल कांग्रेस को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सवाल पर घेर सकेगी। वहीं, कांग्रेस, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसी विपक्षी पार्टियां इस बहस में आरएसएस की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका और हिंदुत्व विचारधारा से जुड़े कुछ नेताओं के राष्ट्रीय प्रतीकों पर पुराने बयानों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। विपक्ष का आरोप है कि बीजेपी सांस्कृतिक प्रतीकों का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है ताकि मौजूदा आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। साफ है, 1870 के दशक में लिखा गया यह गीत आज भी देश के राजनीतिक गलियारों में एक खास जगह रखता है और इस पर अलग-अलग पार्टियों के अपने विचार हैं। खैर, आज की राजनीति भावनाओं को बहुत तेजी से भुनाती है। एक नारा, एक गीत, एक इतिहास का पन्ना और फिर उसे वोट की शक्ल दे दी जाती है। प्रधानमंत्री जब कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हैं और विपक्ष जब सत्ता पक्ष पर इतिहास के अपहरण का आरोप लगाता है, तो आम आदमी कहीं बीच में खड़ा रह जाता है। एक साधारण नागरिक यही सोचता है कि क्या यह बहस उसकी महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण और हवाई टिकट की कीमतें कम कर देगी। एक तरफ़ हम अतीत के गौरव में खड़े होकर ताली बजा रहे हैं, दूसरी तरफ वर्तमान की परेशानी दरवाजे पर खड़ी है। राजनीति अक्सर यही करती है। वह भावनाओं की रोशनी में हकीकत की छाया को ढक देती है। अब प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या हम आज भी इस संविधान की भावना के अनुकूल देश की दशा और दिशा तय कर रहे हैं या नहीं? दरअसल, वंदे मातरम पर संसद की बहस हमें किसी एक निष्कर्ष तक नहीं पहुंचाती है, बल्कि कई सवालों के बीच खड़ा कर देती है।

1870 के दशक में लिखा गया यह गीत आज भी देश के राजनीतिक गलियारों में एक खास जगह रखता है और इस पर अलग-अलग पार्टियों के अपने विचार हैं। खैर, आज की राजनीति भावनाओं को बहुत तेजी से भुनाती है।

संसद में राजनीतिक विवाद दुर्भाग्यपूर्ण

मुद्दा

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम् पर हुई बहस ने निस्संदेह देश के अंदर बहुत बड़े वर्ग में देश भक्ति का भाव गहरा किया है तो दूसरी ओर क्षोभ और गुस्सा भी पैदा हुआ है। आम भारतीय को उम्मीद नहीं थी कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का भावपूर्ण पवित्र अवसर भी राजनीतिक विवाद, तनाव तथा आरोप-प्रत्यारोप का कारण बन जाएगा।

इसका सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष रहा संसद के अंदर विपक्ष द्वारा एक स्वर में वंदे मातरम् का स्वागत नहीं किया जाना। विपक्ष के नाते सरकार का मुद्दों पर विरोध का अर्थ यह नहीं है कि महान और पवित्र अवसर को भी राजनीतिक तू तू, मैं मैं बदल दिया जाए। यह सही है कि मुख्य विपक्षी पार्टी के नेताओं ने सीधे वंदे मातरम् को गलत नहीं बताया , किंतु भारत भक्ति भाव के रूप में समान रूप से सबके अंदर विद्यमान हो और यह राष्ट्रीय एकता के प्रति संकल्प और प्रतिबद्धता घनिभूत का अवसर बन जाए, इसका रंच मात्र भी संदेश नहीं दिया गया। 7 नवंबर, 1875 को महान बांग्ला साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने यह गीत लिखा था। इस तरह 150 साल 7 नवंबर, 2025 को पूरे हुए। यह सच है कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार नहीं होती तो इसका 150वां वर्ष नहीं मनाया जाता। यह भी सच्चाई है कि इसे राष्ट्रगीत स्वीकार करते हुए भी संसद में गाने की परंपरा नहीं शुरू की गई। 1992 में भाजपा के लालकृष्ण आडवाणी तथा राम नायक ने यह मुद्दा उठाया और संसद में वंदे मातरम् का गान शुरू हो सका। बावजूद जबसे लाइव प्रसारण शुरू हुआ, देश ने देखा कि कई सांसद इस राष्ट्रगीत के समय सदन से बाहर चले गए। यह प्रश्न तो उठेगा कि आखिर संसद में इसका गान क्यों नहीं होता रहा? लोकसभा में चर्चा की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दृष्टि से सारे तथ्य रखे तो राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने। दोनों के वक्तव्य का मूल यही था कि यह भावगीत अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष और दासता से मुक्ति तक ही प्रासंगिक नहीं था यह सदा के लिए है , जो भारत के लिए जीने व काम करने की प्रेरणा देता रहेगा। 7 नवंबर , 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 1 वर्ष तक चलने वाले समारोहों की भव्य शुरुआत हुई। विशेष सिक्का और डाक टिकट भी जारी हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर गीत, हर काव्य का अपना एक मूल भाव होता है, मूल संदेश होता है। वंदे मातरम् का मूल भाव है- भारत, मां भारती। लोकसभा में भी उनका स्वर यही था। अमित शाह ने इसे स्वतंत्रता, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति का सबसे शक्तिशाली जय घोष बताया। इस गीत को विवादास्पद या किसी एक धर्म का बताने वाले कुछ तथ्यों का ध्यान रखें- 1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे गाया था, 1905 में बंगाल में विभाजन विरोधी और स्वदेशी आंदोलन के दौरान वंदे मातरम् विरोध का मुख्य सुर बना, 7 अगस्त , 1905 को वंदे मातरम् नारे के रूप में गाया गया था, 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने विदेश में वंदे मातरम लिखा ध्वज ही फहराया था। कांग्रेस के वाराणसी अधिवेशन में वंदे मातरम् गीत को पूरे भारत समारोहों के लिए अपनाया गया, 24 जनवरी, 1950 को इसे राष्ट्रीय गीत के तौर पर स्वीकार किया गया।

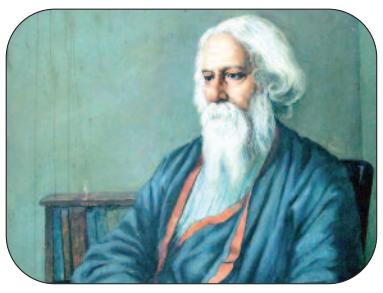

संसद में जब से लाइव प्रसारण शुरू हुआ, देश ने देखा कि कई सांसद इस राष्ट्रगीत के समय सदन से बाहर चले गए। यह प्रश्न तो उठेगा कि आखिर संसद में इसका गान क्यों नहीं होता रहा?

यह अंग्रेजी शासन के विरोध का सबसे बड़ा भावनात्मक गीत बन गया था। पूरे भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध उठने वाले हर विरोध और आंदोलन में वंदे मातरम् गूंजने लगा। प्रश्न है कि क्या वंदे मातरम् जिसने हजारों भारतवासियों, जिनमें हंसते-हंसते बलिदान होने वाले क्रांतिकारी भी थे,को प्रेरित किया, उसका 150वां वर्ष नहीं मनाया जाना चाहिए? क्या इसलिए नहीं मनाया जाना चाहिए कि अगले वर्ष बंगाल के साथ कुछ राज्यों के चुनाव हैं? इससे दिल दहलाने वाला कुतर्क कुछ नहीं हो सकता। 7 नवंबर, 2025 को पूरे देश में एक साथ वंदे मातरम् के गायन से जो भाव पैदा हुआ और जिस तरह पूरे देश में वंदे मातरम् अभियान चला है, उससे उम्मीद जगती है कि भारत के लिए जीने और काम करने का भाव ही ज्यादा प्रबल होगा और विरोधी कमजोर पड़ेंगे।

वंदे मातरम् को क्रान्ति गीत ही रहने दीजिए

मंथन

सुनील अमर

स्वतंत्र पत्रकार

लगभग डेढ़ सौ वर्ष पहले लिखा गया 'वंदे मातरम्' एक अद्भुत राष्ट्रीय गीत है। कुल छह छन्दों वाले इस संस्कृतनिष्ठ बांग्ला भाषा के गीत के पहले दो छंद तो खासकर बहुत ही मनमोहक और हृदयंगम हैं और इन्हें ही राष्ट्रगीत के रूप में लिया गया है। भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा इस गीत के खंडित व सम्पूर्ण स्वरूप को लेकर इन दिनों सड़क से संसद तक बहस चलाई जा रही है। भाजपा का आरोप है कि आजादी की लड़ाई के शुरुआती दौर से ही कांग्रेस ने इस गीत के साथ अन्याय किया है और आजादी के बाद भी सम्पूर्ण गीत को न लेकर इसके एक अंश को ही राष्ट्रगीत की मान्यता दी। कांग्रेस का कहना है कि ऐसा किसी द्वेषवश नहीं, बल्कि उस वक्त सभी धर्मावलम्बियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। इस गीत के रचयिता बंकिमचन्द्र चटर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के पहले स्नातक थे और पहले हिन्दुस्तानी थे जिन्हें इंग्लैंड की महारानी ने भारतीय उपनिवेश में सन् 1858 में डिप्टी कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया था। चटर्जी अच्छे लेखक और कवि थे। उनका लिखा यह गीत मानों जनता के विरोध का क्रांति गीत ही बन गया। बंगाल में इसकी लोकप्रियता को देखकर ही शायद उस समय कांग्रेस व अन्य स्वाधीनता संग्राम संगठनों ने भी इसे अपनाना शुरू किया। इस गीत के पहले दो छंद जो राष्ट्रगीत में लिए गए, वे सार्वभौमिक व सर्वकालिक हैं और संस्कृत में हैं तथा शेष रचना बांग्ला भाषा में है और भारतीय देवी मां दुर्गा की स्तुति में है। इसी वजह से देश के अन्य धर्मावलम्बियों द्वारा इसे सम्पूर्ण रूप में राष्ट्रगीत स्वीकार करने से इनकार किया जाता रहा है। भाजपा आज इस गीत को पूर्ण स्वरूप में लागू किए जाने की वकालत कर रही है तो अन्य लोग संविधान के पंथनिरपेक्षता का हवाला दे रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने सदन में कहा कि हमारे संविधान की प्रस्तावना 'भारत माता' से नहीं बल्कि 'हम भारत के लोग' से शुरू होती है। उन्होंने तर्क दिया कि बाबा साहेब ने तो भारत माता के विचार को ही खारिज कर दिया था। देखा जाए तो हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिहाज से यह पूरा गीत ही बहुत मनोहर और देवी स्तुति के स्तर का है। दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान हैं तथा तमाम अवसरों पर गाए जाते हैं लेकिन उनके गायन के पीछे स्वतःस्फूर्त का भाव होता है, जबर्दस्ती का नहीं। 'वंदे मातरम्' को लेकर धर्म, क्षेत्रीयता और वैचारिकता को उभारने के बजाए अगर इतने सुन्दर गीत के मर्म को समझा जाए तो इस गीत में न सिर्फ प्राकृतिक निधियों का सम्मान बल्कि रीति-रिवाजों पर गर्व, राष्ट्रीय एकता पर जोर तथा ऐतिहासिकता की भी चर्चा है, जो इसे महत्त्वपूर्ण बनाती है। अच्छा होगा, अगर इसे धर्म और राजनीति से जरा दूर ही रखा जाए।

इस गीत में न सिर्फ प्राकृतिक निधियों का सम्मान बल्कि रीति-रिवाजों पर गर्व, राष्ट्रीय एकता पर जोर, ऐतिहासिकता की भी चर्चा है, जो इसे महत्त्वपूर्ण बनाती है।

'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की अखण्ड गूंज

ऐतिहासिक पर्व

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ पत्रकार

राहुल बाबा सरीखे 'वंदे मातरम्' विरोधियों के लिए कुछेक तथ्य जानना आवश्यक है। वरना खतरा तो यह भी है कि किसी दिन अपने मोदी-विरोध की लहर में यह भी भूल जाएं कि वंदे मातरम् पहली बार 1896 में कांग्रेस के ही कलकत्ता अधिवेशन (अब कोलकाता) में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने 7 अगस्त, 1905 में एक राजनीतिक राष्ट्रीय पहचान के रूप में गाया था, तब वह कटा-फटा भी नहीं था। पूरा गीत था, जिसे बंकिम बाबू ने अपने चर्चित उपन्यास आनंद मठ में दिया था। वर्ष 1947 में पंडित ओंकार नाथ ठाकुर ने गाया था। समय की अनंत और अविराम धारा में कुछ तिथियां केवल पंचांग के पन्ने नहीं होतीं, वे किसी राष्ट्र की चेतना का 'प्रस्थान बिंदु' बन जाती हैं। 7 नवंबर 1875 एक ऐसी ही ऐतिहासिक तारीख थी, जब बंगाल के एक शांत कोने में ऋषि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की कलम से स्याही नहीं बल्कि भारत की आत्मा टपकी थी। उस दिन जिस गीत- 'वंदे मातरम्' का जन्म हुआ, आज वर्ष 2025 में हम उसी महामंत्र के 150 वर्ष पूरे होने का ऐतिहासिक पर्व मना रहे हैं। यह उत्सव केवल एक गीत की रचना का नहीं है, यह उस 'नाद-ब्रह्म' का उत्सव है जिसने एक सोए हुए उपमहाद्वीप को राष्ट्र के रूप में जगा दिया। यह पर्व उन शब्दों का है जिन्होंने बिना किसी शस्त्र के ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी। यह उस दौर का गीत है, जब भारत गुलामी के गहन अंधकार में डूबा था। निराशा के उस वातावरण में, बंकिम बाबू ने जब अपनी मातृभूमि को देखा तो उन्हें वहां केवल मिट्टी, नदियां या पहाड़ नहीं दिखे। उन्हें वहां साक्षात् 'जगद्धात्री' मां के दर्शन हुए। उन्होंने देखा- सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम'। यह गीत किसी बंद कमरे की बौद्धिक कसरत नहीं था बल्कि एक दैवीय अंतर्दृष्टि थी। वर्ष 1882 में जब यह उनके कालजयी उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा बना तो यह मात्र एक कविता से रूपांतरित होकर 'संन्यासी विद्रोह' का रणघोष बन गया लेकिन नियति ने इसके लिए इससे भी बड़ा मंच और व्यापक आकाश तैयार कर रखा था। वर्ष 1905 में जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल के सीने पर आरी चलाने का दुस्साहस किया तो प्रतिरोध की उस ज्वाला में 'वंदे मातरम्' घी बनकर गिरा। देखते ही देखते यह दो शब्दों का संबोधन, एक विराट जन-आंदोलन में बदल गया। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने जब इसे सुरों में पिरोया, तो इसकी गूंज कलकत्ता की गलियों से निकलकर लाहौर, पुणे और मद्रास तक जा पहुंची। यह वह दौर था जब 'वंदे मातरम' बोलना राजद्रोह था, लेकिन भारतवासियों के लिए यह 'राष्ट्रधर्म' बन चुका था। स्वतंत्रता की वेदी पर चढ़ने वाले अनगिनत परवानों के लिए यह गीत 'गीता' के श्लोकों जैसा पवित्र था। खुदीराम बोस, मदनलाल ढींगरा, रामप्रसाद बिस्मिल और भगत सिंह जैसे वीरों ने जब फांसी के फंदे को गले लगाया तो अंतिम सांस के साथ जो शब्द वायुमंडल में विलीन हुए, वे 'वंदे मातरम्' ही थे। यह गीत उस समय भय से मुक्ति का पर्याय बन गया था। इसने भारतीयों को सिखाया कि अपनी जननी जन्मभूमि की आराधना करना कोई अपराध नहीं बल्कि सर्वोच्च मानवीय कर्तव्य है। इसी ऐतिहासिक महत्व को स्वीकारते हुए स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने इस गीत को वही सम्मान दिया जो राष्ट्रगान 'जन गण मन' को प्राप्त है। 150 वर्षों का यह सफर गवाह है कि सरकारें बदलती रहीं, नीतियां बनती-बिगड़ती रहीं लेकिन 'वंदे मातरम्' का ओज कभी कम नहीं हुआ। शिया धर्म गुरु यासूब अब्बास कहते हैं कि वंदे मातरम् का विरोध सिर्फ जहालियत है। इसमें कहीं भी मातृभूमि की पूजा करने की बात नहीं कही गई है। उस धरती के प्रति सम्मान की बात है, जहां हम पैदा हुए हैं, जहां हमें वापस जाकर मिल जाना है। वे अपनी बात को और आगे बढ़ाते हुए इस्लाम की चर्चा करते हैं और कहते हैं कि इस्लाम में अल्लाह के सामने झुकने की बात कही गई है, यह सच है और हर मुसलमान को ऐसा करना भी चाहिए। इस्लाम बिल्कुल ऐसा नहीं कहता कि आप किसी का सम्मान न करें। सम्मान का मतलब पूजा नहीं है। वंदे मातरम् का सीधा अर्थ मां का सम्मान है, और कुछ भी नहीं। मुस्लिम स्कॉलर नासिरुद्दीन हैदर खान की मानें तो यह मामला नासमझी का ज्यादा है। यह हमारे देश का राष्ट्रगीत है, इसे पढ़ने, गाने या न पढ़ने, गाने के लिए कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। कोई जोर-जबरदस्ती करता है तो भारत का कानून पीड़ित के साथ खड़ा है। सात हजार गीतों में दूसरे नंबर पर चुना जाना इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। मूल रूप से बांग्ला एवं संस्कृत में लिखा गया यह गीत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद किया गया, यह भी इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। एक अन्य मुस्लिम स्कॉलर गुफरान नसीम कहते हैं कि इससे जुड़ा विवाद 1937 में ही खत्म हो गया था, जब मौलानाओं की आपत्ति के बाद जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने पहली दो पंक्तियों को राष्ट्रगीत के रूप में मंजूरी दी थी। समिति ने पाया था कि पहले दो पैरा मातृ भूमि की प्रशंसा में हैं, गीत में उसके आगे हिन्दू देवी-देवताओं का जिक्र किया गया है, इसीलिए दो पारा को ही मान्यता दी गई जिससे किसी की भावना आहत न होने पाए और अंत में 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्र ने राष्ट्रगीत के रूप में मंजूर कर लिया।

यह गीत किसी बंद कमरे की बौद्धिक कसरत नहीं था बल्कि एक दैवीय अंतर्दृष्टि थी। वर्ष 1882 में जब यह उनके कालजयी उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा बना तो यह मात्र एक कविता से रूपांतरित होकर 'संन्यासी विद्रोह' का रणघोष बन गया

आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

क्या होता है डेटा: जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

इसलिए माना जाता है मूल्यवान: आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

डेटा बताता है आपकी रुचियां: डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

सोच को भी करता है प्रभावित: आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स: यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेष: विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता
शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

ऊर्जा के प्रकार: ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

नवीकरणीय: नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत: अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। उर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव: ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

ऑफ रखें उपकरण: जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

इससे बिजली होगी कम खर्च: ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

पुस्तक: काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

शगुन@क्यूआर कोड

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या! *

मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामला सुप्रीम कोर्ट ने की कड़ी टिप्पणी

ऐसे लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। मिहिर शाह शिवसेना के पूर्व नेता का बेटा है। शीर्ष कोर्ट ने टिप्पणी की कि इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंचने इस तथ्य पर गौर किया कि आरोपी एक संपन्न परिवार से है और उसके पिता उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना से जुड़े रहे हैं। बेंच ने शुक्रवार को कहा कि वह शेड में मर्सिडीज खड़ी करता है, बीएमडब्ल्यू निकालता है, उससे टक्कर मारता है और फरार हो जाता है। उसे कुछ समय अंदर रहने दीजिए। इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। कोर्ट ने जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। मिहिर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने कहा कि हाईकोर्ट ने मामले में प्रमुख गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद जमानत के लिए आवेदन करने की अनुमति दी थी। शीर्ष कोर्ट का सख्त रुख देखते हुए उन्होंने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

9 जुलाई को किया गया था गिरफ्तार

मिहिर शाह (24 वर्षीय) को पिछले साल नौ जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि उसने मुंबई के वर्ली इलाके में अपनी बीएमडब्ल्यू कार से एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी थी, जिसमें कावेरी नखवा (45 वर्षीय) की मौत हो गई थी और उनके पति प्रदीप नखवा घायल हो गए थे। आरोप है कि हादसे के बाद मिहिर शाह बांद्रा-वर्ली सी लिंक की ओर तेज गति से बढ़ा, जबकि महिला कार के बोनट पर फंसी रही। वह महिला को बाद में डेढ़ किलोमीटर तक अपनी कार से घसीटते हुए ले गया।

मुख्य आरोपी और चालक दोनों न्यायिक हिरासत में

हादसे के समय के समय कार में मौजूद शाह के चालक राजऋषि को भी उसी दिन गिरफ्तार किया गया था। दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। शाह ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 21 नवंबर के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार किया गया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि आरोपी अत्यधिक नशे में था और स्कूटर से टकराने तथा पीड़िता को घसीटने के बावजूद उसने कार नहीं रोकी।

अमेरिकी संसद में तीन सांसदों ने पेश किया प्रस्ताव, कहा-महत्वपूर्ण साझेदारी पड़ेगी कमजोर

भारत से 50 फीसदी टैरिफ समाप्त करें ट्रंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका के तीन प्रभावशाली सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क को खत्म के लिए कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में एक प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा है कि भारत के प्रति इस 'गैर-जिम्मेदाराना शुल्क रणनीति' के प्रतिकूल परिणाम होंगे, जिससे यह महत्वपूर्ण साझेदारी कमजोर पड़ेगी। उत्तर कैरोलाइना की प्रतिनिधि डेबोरा रॉस, टेक्सास के प्रतिनिधि मार्क वेसी और इलिनोइस के प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया गया है, ताकि व्यापार पर कांग्रेस के संवैधानिक अधिकार को बहाल करने में मदद मिले। ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगाया है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। इसमें भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद को लेकर उस पर लगाया 25 प्रतिशत का शुल्क भी शामिल है। प्रस्ताव में उस राष्ट्रीय आपातकाल आदेश को समाप्त करने का प्रावधान किया गया है, जिसे ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत भारतीय वस्तुओं पर व्यापक शुल्क लगाने के लिए लागू किया है। रॉस ने कहा कि ट्रंप के फैसले के कारण भारत से आयात किए जाने वाले कई उत्पादों पर शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है।

कमजोर पड़ेगी साझेदारी : इलिनोइस के प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत के प्रति ट्रंप की गैर-जिम्मेदाराना शुल्क रणनीति के प्रतिकूल परिणाम होंगे, जिससे एक महत्वपूर्ण साझेदारी कमजोर पड़ेगी। अमेरिकी हितों या सुरक्षा को बढ़ावा देने के बजाय ये शुल्क आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करते हैं। अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचाते हैं और उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ाते हैं। अमेरिका इन हानिकारक शुल्क को समाप्त करके भारत के साथ मिलकर हमारी साझा आर्थिक और सुरक्षा आवश्यकताओं को आगे बढ़ाने में सक्षम होगा।

क्यों आया प्रस्ताव : उत्तर कैरोलाइना की प्रतिनिधि डेबोरा रॉस ने कहा कि यह प्रस्ताव सीनेट की ओर से द्विदलीय रूप से पारित उस विधेयक के बाद आया है, जिसका उद्देश्य ट्रंप द्वारा ब्राजील पर लगाए गए शुल्क को समाप्त करना और आयात पर शुल्क बढ़ाने के लिए आपातकालीन शक्तियों के दुरुपयोग पर अंकुश लगाना है। उत्तर कैरोलाइना की अर्थव्यवस्था भारत से गहराई से जुड़ी हुई है।

रूस पर दबाव बनाने सख्ती

अमेरिका ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। ट्रंप कई बार यह दावा कर चुके हैं कि, भारत के तेल खरीद से मिलने वाले पैसे से रूस, यूक्रेन में जंग को बढ़ावा देता है। ट्रंप प्रशासन रूस से तेल लेने पर भारत के खिलाफ की गई आर्थिक कार्रवाई को पैनल्टी या टैरिफ बताता रहा है। ट्रम्प भारत पर अब तक कुल 50 टैरिफ लगा चुके हैं। इसमें 25% रेसीप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ और रूस से तेल खरीदने पर 25% पैनल्टी है। रेसीप्रोकल टैरिफ 7 अगस्त से और पेनल्टी 27 अगस्त से लागू हुआ।

ट्रंप पर भारी पड़ेगा एच1बी वीजा की फीस बढ़ाकर 1 लाख डॉलर करने का निर्णय? 20 राज्यों ने दायर किया मुकदमा

बीते वक्त में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय छात्रों, पेशेवरों (आईटी, तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े) द्वारा बड़े पैमाने पर प्रयोग किए जाने वाले एच1बी वीजा की फीस को कई गुना बढ़ाकर 1 लाख डॉलर करने का फैसला अब उन पर ही भारी पड़ता हुआ नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा के नेतृत्व में अमेरिका के मैसाचुसेट्स, न्यूयॉर्क, इलिनॉइस जैसे डेमोक्रेटिक दल के बहुमत वाले 20 राज्यों ने राष्ट्रपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अमेरिकी राज्यों का तर्क है कि देश के राष्ट्रपति को इस प्रकार का कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए था। क्योंकि यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है। एच1बी वीजा की फीस बढ़ाने से अमेरिका की आवश्यक सेवाओं की सूची में शामिल चिकित्सा क्षेत्र जैसे अस्पतालों, सामाजिक क्षेत्र जैसे सार्वजनिक स्कूलों और विश्वविद्यालयों पर बड़ा जटिल खतरा आ जाएगा। भारत से सालाना करीब तीन लाख से अधिक छात्र इस वीजा के माध्यम से अमेरिका में उच्च-शिक्षा या रोजगार के सिलसिले में जाते हैं।

बिना हिजाब के भाषण देने पर कार्रवाई, ईरान में नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट नरगिस मोहम्मदी को फिर से गिरफ्तार कर लिया गया है। नगरिस मशहद शहर में एक्टिविस्ट खोसरो अलिकोरदी की एक शोक सभा में शामिल होने गई थीं, जहां उन्हें पकड़ लिया गया। अलिकोरदी पिछले हफ्ते अपने दफ्तर में मृत पाए गए थे। ईरानी अधिकारियों ने उनकी मौत को दिल का दौरा बताया है, लेकिन इस पर शक जताया जा रहा है। अलिकोरदी इसके विरोध में बिना हिजाब के भाषण दे रही थीं। इसी दौरान सुरक्षा बलों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। नरगिस मोहम्मदी के भाई मेहदी, जो उस कार्यक्रम में मौजूद थे, ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। परिवार का कहना है कि पुलिस और सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया और कई लोगों के साथ मारपीट की गई।

नोबेल कमेटी ने जताई चिंता

अभी तक यह साफ नहीं है कि नरगिस मोहम्मदी को कहां रखा गया है। नोबेल कमेटी ने नरगिस मोहम्मदी की गिरफ्तारी पर गंभीर चिंता जताई है। नरगिस मोहम्मदी को 2023 में ईरान में महिलाओं पर हो रहे दमन के खिलाफ संघर्ष और मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था।

पहले भी हुई है उनकी गिरफ्तारी

वह लंबे समय से ईरान में मौत की सजा, जबरन हिजाब और अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदियों के खिलाफ आवाज उठाती रही हैं। इसी वजह से उन्हें नवंबर 2021 में गिरफ्तार किया गया था और तेहरान की कुख्यात एविन जेल में रखा गया। जेल में रहते हुए उनकी सेहत कई बार बिगड़ी। समर्थकों के मुताबिक, उन्हें जेल में कई बार दिल का दौरा पड़ा और 2022 में उनकी आपात सर्जरी भी करनी पड़ी। दिसंबर 2024 में उन्हें मेडिकल आधार पर तीन हफ्तों की अस्थायी रिहाई दी गई थी।

दिल्ली पुलिस के 88 हजार जवानों को बड़ा तोहफा

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली पुलिस में सिपाही से लेकर उप-निरीक्षक रैंक तक के पुलिसकर्मियों को उनकी सेवानिवृत्ति के दिन वर्तमान पद से एक पद ऊपर मानद रैंक प्रदान करने को मंजूरी दे दी है। राज निवास के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि इससे उन्हें कोई वित्तीय और पेंशन लाभ नहीं मिलेगा। उपराज्यपाल से मिली इस मंजूरी का लाभ दिल्ली पुलिस के 88 हजार कर्मियों को होगा। जिनमें उप-निरीक्षक, सहायक उप-निरीक्षक, प्रधान सिपाही व सिपाही लाभान्वित होंगे। राज निवास के अधिकारी ने बताया कि इसका लाभ दिल्ली पुलिस के गैर-राजपत्रित रैंकों में कार्यरत कर्मचारियों को मिलेगा।

नए संगठन 'पैक्स सिलिका' में हिन्दुस्तान शामिल नहीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

ट्रंप की अगुवाई में शुरू हुई है नई पहल

अमेरिका की अगुवाई में एक नई रणनीतिक पहल शुरू की गई है, जिसका मकसद एक सुरक्षित और नवाचार से चलने वाली सिलिकॉन सप्लाई चेन बनाना है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, पैक्स सिलिका नाम की इस पहल का मकसद निर्भरता को कम करना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए जरूरी मटीरियल और क्षमताओं की रक्षा करना और यह पक्का करना है कि पैक्स सिलिका के सदस्य देश बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाली तकनीक को विकसित और इस्तेमाल कर सकें। अमेरिका ने जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड, यूनाइटेड किंगडम, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया को हिस्सेदार बनाया गया है। बता दें, इस संगठन में अमेरिका ने भारत को शामिल नहीं किया है, जबकि क्वाड संगठन के बाकी तीन देश जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका इसका हिस्सा हैं।

---

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Bhilai : 6267136903

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, मार्केटिंग ऑफिसर 3, योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, सुरक्षा गार्ड 66, वेतन 13000, 10000/- संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

टीचर

आवश्यकता है- साई शिक्षा पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल में नर्सरी से 8वी तक पढ़ाने के लिए टीचर कि आवश्यकता है। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सेक्टर 05 सेजबहार रायपुर 9406250678. (RO-105)

नर्सिंग स्टाफ/वार्ड बॉय

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ, व वार्ड बाय एवं सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है। संपर्क करें- श्री कृष्ण हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़ 9691631006, 9617952445, 9926115911.(RO-6589)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुर्ग दवाई दुकान में काम करने हेतु युवक एवं युवतियो की आवश्यकता है। संपर्क करें- 96853-63113, 94255-65705. (आरो नं.-10323)

कमप्युटर ऑपरेटर

आयश्यकता है- कंप्यूटर में डेटा एंट्री एवम telly का कार्य करने हेतु 2 लड़के एवं लड़की की आवश्यकता है संपर्क करें शॉप नंबर 11 आर डी ए न्यू राजेंद्र नगर रायपुर 9827106526, 9713375026. (RO-6600)

क्लासीफाईड

एकाउन्टेंट

आवश्यकता है- रायपुर दाल मिल में एकाउन्टेंट की आवश्यकता है जिसे Tally एंव Excel का कार्य करने का अनुभव हो पता- बंजर पारा सड्डु रायपुर संपर्क करें-7771800999.(Ro-6501)

फील्ड कार्य

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के सभी जिला, ब्लॉक व ग्रामीण क्षेत्रों में फील्ड कार्य करने के लिए लड़के - लड़कियों की आवस्यकता है आकर्षक वेतन + इंसेंटिव सम्पर्क करे - चंद्रशेखर सर 7879734486, DPB सोलर भाठागाँव रायपुर (छ.ग.)(RO-6502)

टेलर

आवश्यकता है- टेलर की आवश्यकता है:- बुटीक में लेडिज ड्रेसेस/ कपड़ों की सिलाई हेतु फूल टाइम अनुभवी टेलरो आवश्यकता हैं, जिन्हें कटिंग आती हो। आकर्षक पारिश्रमिक। कान्हा कलेक्शन, कृष्णा टॉकीज के पास, समता कॉलोनी, रायपुर फोन 9302305800.(RO-6597)

ऑपरेटर/दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक कपड़ा दुकान में स्टाफ की आवश्यकता है कम्प्युटर पर बिलिंग के लिए कम्प्युटर ऑपरेटर तथा दुकान कार्य हेतु 10 से 15 लड़के चाहिए। मिलने का समय दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर संपर्क: 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7265)

सर्वे कार्य

आवश्यकता है- Autocad, Excel & D.G.P.S सर्वे कार्य हेतु लडकों कि आवश्यकता है। पता :- स्टेशन रोड गुरुद्वारा, दुर्ग मोबाइल :- 98068-66449. (आरो नं.-10325)

आवश्यकता

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम चलाने के लिए अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़को की आवश्यकता है संपर्क:- दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास रायपुर 98271-14645, 91311-39179.(RO-424)

ऑफिस/फील्ड कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस एवं फील्ड में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है (1) जिसे कंप्यूटर चलाना आता हो, एवं अपनी गाड़ी हो पेमेंट- योग्यतानुसार कार्य समय 11 से 8 रविवार छुट्टी संपर्क 8103507377 स्टेशन रोड रायपुर (RO-107)

PRO चौकीदार

आवश्यकता है- हॉस्पिटल के लिए पी.आर.ओ. -3, एवं चौकीदार- 2 की आवश्यकता है, रहने की सुविधा संपर्क:- बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009.(RO-425)

पैकिंग/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग एवं हेल्पर कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है गांव के लड़कों को रहने की सुविधा उपलब्ध- पता - अशोक इंटरप्राइजेस आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मिलने का समय सुबह 9:00 से 8:00 मो. 8770676924. (RO-108)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए. वेतन 12000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करे - 9039470547.(RO-520)

हरिभूमि क्लासीफाईड

शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके, इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के, आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 20000 तक रहना फ्री + गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें- 9109258234, 7415455110. (Ro- 522)

शॉपिंग मॉल

आवश्यकता है- काम करने हेतु युवक कर्मचारी की आवश्यकता है कृपया अपने अपने आधार कार्ड के साथ VPS में आकर मिलें, पता, VPS SUPER BAZAR, VPS किराना और VPS पूजा समान भंडार NEAR, वर्षा कॉम्प्लेक्स भाठागाँव रायपुर छत्तीसगढ़, 8109 199 199.(RO-0305)

अन्य

आवश्यकता है- Realince Jio 5-G कंपनी मे पार्ट टाईम / फुल टाईम SMS करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए घर बैठे (21500-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9296821428.(RO-1255)

आवश्यकता है- पेंसिल पैकिंग शिक्षित बेरोजगार महिला पोस्ट घर बैठे काम करके 45000/-से 75000/- NOC फीस 620/- WhatsApp Contact Vipin Gupta.9354636017. (RO-1261)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - विजया फाइनेंस कंपनी द्वारा सभी प्रकार के लोन आधारकार्ड लोन, बिजनेस, पर्सनल, होम, कृषि, महिला ग्रुप लोन, 40% छूट, आसानी से घर बैठे लोन, 2% ब्याज दर पर संपर्क:- 9424164185.(RO-422)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Property प्रापर्टी

दुकान

बेचना है- प्रीमियम शॉप स्पेस फॉर सेल शहीद स्मारक काम्पलेक्स अपोजिट नवभारत प्रेस ग्राउंड फ्लोर 02 शॉप प्रत्येक शॉप 550 स्क्वायर फीट संपर्क- 9431103284, 9955712450. (RO-6595)

मकान

बेचना है- अमलीडीह सेंट जोसेफ स्कूल रोड पर ईस्ट फेसिंग 1060 वर्गफीट प्लॉट एरिया में सर्वसुविधायुक्त 3 BHK डुप्लेक्स मकान 2000 वर्गफीट कंस्ट्रक्शन (पानी बोर सहित) अतिशीघ्र बेचना है संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9301690016.(RO-401)

प्लाट

बेचना है- रायपुरा मंजीत हाइट्स के पास 20X58= 1160 डायवर्सन किया हुआ प्लॉट न्यूनतम दर पर बेचना है बैंक फाइनेंस उपलब्ध संपर्क करें:- 9300505421. (RO-421)

For Rent किराया

FOR RENT- जमीन किराए से देना है, 12 हजार स्क्वेयर फीट, गार्ड रूम,12 फीट के गेट के साथ। पुराने आमानाका थाने के पास डूमर तालाब मोहबा बाजार रायपुर संपर्क करें - 9302303882.(RO-A)

किराये से देना है- कमर्शियल बिल्डिंग के भूतल कारपेट एरिया 2021 Sqft व प्रथम तल कारपेट एरिया 1734 Sqft है, जिसमें पार्किंग / लिफ्ट / अन्य सुविधाएं उपलब्ध है, जिसे बैंक/ऑफिस/ शोरूम/ शॉप हेतु किराए/ लीज से देना है, पता परमानंद नगर मोहबा बाजार, नगर निगम ऑफिस के पास, जोन क्रमांक-8, संपर्क 9399130147, 9806388120.(RO-0304)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

दुकान/ गोडाऊन किराए से देना है- दुकान किराए से देना है महावीर टावर उरला मेन रोड (बिरगांव रायपुर) में 11x28 साइज 12 दुकान उपलब्ध है। और साथ ही 1000ft, 2000ft, 5000ft, गोडाऊन किराए पर देना है। मेन रोड उरला में संपर्क करें - 7566677048 (RO-6593)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेने व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वधु चाहिए

विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

वधु चाहिए

पंजाबी युवक बिलासपुर (छ.ग.) निवासी शिक्षित उम्र 31 वर्ष 6 माह हाइट 5 फुट 5 इंच, स्वयं का व्यवसाय संपन्न परिवार हेतु शिक्षित कन्या चाहिये।
-:सम्पर्क करें:- 9039965807

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

इसे जरूर पढ़िये और समझिये

आप सभी जानते हैं कि एच.आई.वी. (H.I.V.) रोग का कोई ईलाज नहीं है क्योंकि यह वायरस रोग है किसी भी प्रकार के वायरस को मारने की दवा आज तक नहीं बना है इसलिए कि वायरस की (बॉडी) शरीर होता ही नहीं इसलिए किसी भी प्रकार की दवा इसे मार नहीं सकता इसलिए यह जानलेवा है यदि बैक्टिरिया (जीवाणु) जन्य रोग है तभी यह ऐन्टिबायोटिक दवा से मारा जा सकता है अतः यह वायरस की बीमारी जिस किसी के शरीर में है उसका शरीर ही इसे नष्ट कर सकता है इसे ही इम्यूनोथेरिपी कहते हैं वह केवल आयुर्वेद के रस रसायन में ही संभव है कई लोग रोग मुक्त हो चुके हैं। क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं है, ये खुरापाती नीम हकीमों से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्नुनो थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही हैं।

सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट) रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
मो.- 94255-55659 96177-89223, 93032-42200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330

तरकश

-संजय के. दीक्षित

पुलिस और कल्पनाएं

पुलिस की कल्पना के बारे में जानकर छत्तीसगढ़ ही नहीं, दूसरे राज्यों के लोग भी हतप्रभ हैं। आईपीएस अधिकारियों के दीगर राज्यों में पोस्टेड बैचमेटों के दो दिन तक लगातार फोन घनघनाते रहे...आई क्या हो रहा तुम्हारे राज्य में! हालांकि, छत्तीसगढ़ पुलिस के लिए ये कोई नई बात नहीं है...पुलिस की अनेक कल्पनाएं हैं। पुलिस के कई लोगों ने इस स्तंभ के लेखक को फोन कर सरगुजा और दुर्ग पुलिस रेंज में तैनाती के दौरान दो कल्पनाओं के खेल के बारे में बताया, तो विश्वास नहीं हुआ...आखिर अपनी पुलिस इस किस्म के घोर कलयुग का शिकार कैसे हो सकती है? दोनों कल्पनाएं गजटेड रैंक की। एक अपने पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों को ही ट्रेप कर जेबें ढिली कर देती थीं। दूसरी, गिरोह चलाकर नामदार लोगों को शिकार बनाती थीं। ये बातें पहले की हैं, पता नहीं अब वे जहां पोस्टेड हैं, वहां क्या हो रहा होगा। बहरहाल, अंबिकापुर में एक राजपत्रित रैंक के साहब और थे। सेक्सटॉर्शन गिरोह के जरिये उन्होंने सरगुजा संभाग के कई संभ्रांत लोगों को निशाना बना अच्छा खासा पैसा बनाया। मगर तत्कालीन डीजीपी एएन उपध्याय उनके घृणित कारनामे से इतने खफा हुए कि जब तक कुर्सी पर रहे, प्रमोशन नहीं होने दिया। ये साब अभी जहां पोस्टेड हैं, आप सुनेंगे हैरान रह जाएंगे। मगर जाने दीजिए।

उछलती टोपी!

पता चला है, सेक्सटॉर्शन केस में पुलिस ने कोई कार्रवाई करने से मना कर दिया है। क्योंकि, रिपोर्ट दोनों तरफ से हुई है। हो सकता है, आम सहमति के केस को पुलिस तूल नहीं देना चाहती। मगर सोशल मीडिया में कई दिनों से पुलिस की टोपी उछल रही है। फिर सवाल यह है कि क्या इस तरह के मामले को नजरअंदाज करने से उच्छृंखलताएं और नहीं बढ़ेंगी? और अगर पुलिस को लगता है कि सामने वाला गुनाहगार है तो उसके खिलाफ कार्रवाई से पुलिस सरेंडर क्यों कर रही? छोटे-छोटे मामलों में पुलिस आईटी एक्ट लगाकर घर से उठा लेती है और सोशल मीडिया में सरेआम टोपी उछलने पर आंख मूंद लेना...ये तो गृह और पुलिस विभाग में नजबे हो रहा है। जाहिर है, पुलिस में सभी कल्पना नहीं हैं, अच्छे और संभ्रांत घरों के अनेक अफसर कर्मठता और ईमानदारी से सेवा दे रहे हैं। मगर एक मछली, तालाब को गंदा कर देती है...इससे अच्छे लोग भी कटघरे में होंगे। इतने बड़े केस में पुलिस को कुछ तो मैसेज देना था, कम-से-कम एक जांच कमेटी ही बना देती, ताकि आगे से इस तरह की चीजों के पहले लोग दस बार सोचते। बता दें, छत्तीसगढ़ में पोलिसिंग के डिरेल्ड होने की सबसे बड़ी वजह है कार्रवाई का अभाव। बड़ी-से-बड़ी घटनाओं में पुलिस मैसेज नहीं दे पा रही। पुलिस में अनुशासन बिगड़ने का बड़ा कारण सिस्टम भी है। इंस्पेक्टरों के ट्रांसफर करने का अधिकार डीजीपी को दिया गया है मगर कुछ सालों से हालत यह है कि अपने मन से वे एक दरोगा का ट्रांसफर नहीं कर सकते। एसपी और आईजी को हटाने की तो दूर की बात। एसपी की पोस्टिंग में डीजीपी का सम्मान सिर्फ एएन उपध्याय के कुर्सी पर रहने तक रहा। उपध्याय भले ही भोले-भंडारी थे मगर एसपी की पोस्टिंग उनकी जानकारी में होती थी। पुलिस का असर और कायम करना है तो कड़े फैसले लेने होंगे। पहले जैसे अधिकार देने होंगे। मंत्री, विधायक और नेता अपने हिसाब से थानेदारों की नियुक्ति कराते रहेंगे तो फिर छत्तीसगढ़ का अपराधगढ़ बनना तय है। मिलियन डॉलर का प्रश्न है...बरसों से बदनाम रही यूपी और बिहार की पोलिसिंग अब वंदे भारत ट्रेन की तरह पटरी पर दौड़ रही है और छत्तीसगढ़ पुलिस?

अफसरशाही की गति

सरकार के मंत्रियों ने दो साल में अपना कितना इकबाल बनाया, ये नहीं पता मगर अफसरशाही में जिस तरह कड़ाई शुरू हुई है, उससे लगता है कि सिस्टम की गाड़ी अब गति पकड़ लेगी। 9 दिसंबर को मुख्य सचिव विकास शील ने जिस अंदाज में सिकेट्री और डायरेक्टरों की मीटिंग ली, उससे अधिकारी तबका सकते में है। विधानसभा में जिस तरह मंत्री 10 में से नौ प्रश्न के जवाब में कहते हैं, दिखवा लेंगे और फिर उसे कभी देखा नहीं जाता, उसी तरह कई अधिकारियों ने जब कहा दिखवा लूंगा तो सीएस ने कहा, दिखवा नहीं कीजिए। कई सीनियर सिकेट्री मानते हैं कि इस अंदाज में किसी चीफ सिकेट्री ने कभी मीटिंग नहीं ली। उन्होंने बजट खर्च करने को लेकर सचिवों से 31 दिसंबर तक का सेल्फ टारगेट घोषित करवा लिया। 31 में अब 17 दिन बच गया है। टारगेट के चक्कर में अफसर क्रिसमस और न्यू ईयर की छुट्टियों को भूल गए हैं। चीफ सिकेट्री की नियुक्ति के समय मंत्रालय के एक वरिष्ठ अफसर ने कहा था, अमित अग्रवाल अगर सीएस बने तो ऐसी स्थिति आएगी कि कई आईएएस पांचवे फ्लोर से कूद जाएंगे। इस समय मंत्रालय के पांचवे फ्लोर से कूदने जैसी स्थिति तो नहीं है, मगर अफसरों की रात की नींद जरूर उड़ी हुई है। क्योंकि, आजकल बंद कमरे में नहीं, ऑडिटोरियम में हंड्रेड के करीब अफसरों के बीच इज्जत का सवाल है।

जुगाड़ के आईएएस

छत्तीसगढ़ में अलायड सर्विस से रिक्त आईएएस के दो पदों के लिए 10 नामों का पैनल यूपीएससी को भेजा दिया गया है। जल्द ही इसके लिए डीपीसी होगी। डीपीसी में यूपीएससी चेयरमैन, डीओपीटी के सिकेट्री या उनके नॉमिनी, छत्तीसगढ़ के चीफ सिकेट्री, सीनियर एसीएस और जीएडी सिकेट्री शामिल होंगे। अब सवाल उठता है, 10 में से आईएएस बनने का अवसर किन दो अफसरों को मिलेगा। तो इसका जवाब है छत्तीसगढ़ में एलायड कोटे से आईएएस बनाने में कभी भी योग्यता को मापदंड नहीं बनाया गया। मध्यप्रदेश में आरएस विश्वकर्मा और सुशील त्रिवेदी जैसे नियम-कायदों के जानकार अधिकारियों को आईएएस बनाया गया था, जिन्होंने राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ आकर अपना अधिकारी दिखाया भी। मगर उसके बाद विष्णुदेव सरकार सुशासन पर काम कर रही है, ऐसे में लोगों में जिज्ञासा है कि इस बार आईएएस के दो पद किसी कोटे, सिफारिश और जोड़-जुगाड़ से भरे जाएंगे या काबिलियत के आधार पर। जाहिर है, सरकार के गुड गवर्नेंस की मुहिम को देखते अच्छे कंडिडेट इस बार ज्यादा आशान्वित हैं।

एक मंत्री, एक सचिव

सीएम सचिवालय की कमान संभालने के बाद सुबोध सिंह ने कामकाज को स्मूथली संचालित करने के लिए एक मंत्री, एक सचिव का प्रयोग किए थे। इस समय 90 परसेंट से अधिक सचिवों के एक मंत्री है। यही प्रयोग अब मंत्रालय में पोस्टेड राज्य प्रशासनिक सेवा के डिप्टी सिकेट्री में भी किया गया है। इस हफ्ते राप्रसे अधिकारियों की लंबी-चौड़ी लिस्ट निकली, उसमें अधिकांश को उनके अतिरिक्त विभाग से मुक्त किया गया। अभी तक एक-एक डिप्टी सिकेट्री के पास दो-दो, तीन-तीन विभाग थे। एक विभाग की मीटिंग के लिए उप सचिव को बुलाओ तो पता चलता था दूसरे विभाग की मीटिंग में बैठे हुए हैं। इससे फाइलों के डिस्पोजल में भी विलंब हो रहा था। अफसरों के पास बहाने भी थे, क्या बताएं...हमारे पास कई विभाग हैं। अब अधिकांश डिप्टी सिकेट्री को डबल प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। ये दिक्कतें सचिवों के साथ होती थीं। अलग-अलग विभाग होने से अलग-अलग मंत्री होते हैं। विधानसभा सत्र के दौरान कई बार एक ही टाइम में मंत्री की ब्रीफिंग हो जाती थी। अब एक सचिव के पास एक मंत्री हैं। सुशासन की दिशा में इसे अहम कदम माना जा रहा है।

ब्लैक मनी और घर से विरोध

बीजेपी के दिवंगत नेता अरुण जेटली के पत्र लिखने के आठ साल बाद राज्य सरकार ने जमीनों के गाइडलाइन रेट का युक्तियुक्तकरण कर ब्लैक मनी पर अंकुश लगाने का प्रयास किया। मगर इसका विरोध इस स्तर पर हुआ कि सरकार हिल गई। सरकार ने कुछ रियायतें देते हुए कुछ कंडिकाओं को बदला। अब मसला यह नहीं कि विरोध इतना संगठित और बड़े स्तर पर कैसे हुआ...यह बताने की आवश्यकता भी नहीं कि जमीन-धंधे के कारोबार में कैसे-कैसे ताकतवर और रसूखदार लोग जुड़े हैं। फिर धंधे पर चोट पड़ेगी तो कैसे कोई बर्दाश्त करेगा। सो, हंगामा तो खड़ा होना ही था। अफसरों से ये जरूर चूक हुई कि वे जमीन दलालों और भूमाफियाओं की रसूख का अंदाजा नहीं लगा पाए। दूसरा, आश्चर्य इस बात का कि गाइडलाइन रेट बढ़ने का सबसे अधिक विरोध बीजेपी के भीतर से हुआ। इतने बड़े रिफार्म का पार्टी के लीगल सेल से जुड़े नरेश गुप्ता का बयान आया, बाकी किसी एक नेता और मंत्री इसके पक्ष में सामने नहीं आए। अलबत्ता, कैबिनेट की बैठक में मंत्रियों ने हंगामा कर दिया...गाइडलाइन रेट नहीं बदला तो हम चुनाव हार जाएंगे। बता दें, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली ने 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री को डीओ लेटर लिख बताया था कि देश में सबसे कम गाइडलाइन रेट छत्तीसगढ़ में ब्लैकमनी का इंवेस्टमेंट तेजी से बढ़ रहा है। इससे इंकम टैक्स का काफी नुकसान हो रहा है। दूसरा छत्तीसगढ़ मनी लॉड्रिंग का हब बनते जा रहा है।

था बुखार, दवा दे दी दस्त की

गाइडलाइन रेट में मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली शीर्ष अफसरों की कमेटी ने कुछ ऐसा किया कि पूरे प्रदेश में रायता फैल गया। दरअसल, केंद्रीय भूतल परिवहन मिनिस्टर नितिन गडकरी इस बात से काफी नाराज थे कि छत्तीसगढ़ में जमीनों के वर्ग मीटर दर और हेक्टेयर दर में चार गुना से 20 गुना तक अंतर होने के कारण भू-अर्जन से पहले लोग जमीन के छोटे-छोटे टुकड़े करा लेते हैं, ताकि मुआवजा बढ़ सके। इससे केंद्रीय परियोजनाओं की लागत काफी बढ़ जा रही थी। मसलन, अरपा भैंसाझार परियोजना एक उदाहरण है, जिसकी लागत 300 करोड़ थी जो भू अर्जन मुआवजे के कारण बढ़कर 860 करोड़ रुपए हो गई थी। नीतीन गडकरी की नाराजगी को देखते सरकार ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में शीर्ष सचिवों की एक कमेटी बनाई। कमेटी ने बिना सोचे-समझे रिपोर्ट दे दी और कैबिनेट ने उसे लागू कर वर्ग मीटर से वर्ग मीटर दर को समाप्त करने का फैसला ले लिया। 29 जुलाई 2025 को राज्य कैबिनेट द्वारा गांव से वर्ग मीटर दर समाप्त करने के निर्णय लिए जाने के फलस्वरूप ग्रामीण इलाकों में 500 वर्ग मीटर तक के जमीन का मूल्यांकन कई गुना कम हो गया। शहर से लगे अर्बन क्षेत्र में इसका विशेष प्रभाव हुआ, जहां 1500 वर्ग मीटर तक जमीन का मूल्यांकन नगर निगम क्षेत्र की तरह होता था, वहां 1500 वर्ग मीटर तक जमीन का मूल्यांकन कई गुना कम हेक्टेयर दर पर होने लगा। जाहिर है, इससे लोगों का नुकसान तो होना ही था। कायदे से सिस्टम को वर्ग मीटर रेट समाप्त करने की बजाए राजस्व विभाग को टाईट कर जमीन को टुकड़े करने पर रोक लगाना था। अमनपुर के चर्चित भारतमाला समेत कई जगहों पर ऐसा ही हुआ। खरीदी-बिक्री पर रोक का ऐलान होने के बाद भी भूमाफियाओं ने जमीनों को टुकड़े कर आठ गुना मुआवजा प्राप्त कर लिया। बहरहाल, सीएस की अध्यक्षता वाली कमेटी ने बुखार में दस्त की दवा दी...इससे केस बिगड़ना ही था।

एक व्यक्ति, 7 सलेक्शन, किसकी चूक?

सात साल बाद पुलिस महकमे में सिपाहियों की भर्ती हुई। मगर यह भी मुकम्मल नहीं हो पाई। करीब छह हजार पदों पर भर्ती में यह प्रयास नहीं किया गया कि एक आदमी अनेक जिलों में अप्लाई नहीं कर सके। इसका खामियाजा यह हुआ कि एक-एक का कई जिलों में सलेक्शन हो गया। रायपुर के एक युवक का सात जिलों में चयन हुआ है। यही वजह है कि जिलों में अभी तक 50 परसेंट के आसपास ही आरक्षकों ने आमद दी है। 6000 में से मुश्किल से चार हजार के आसपास ही कांस्टेबल मिलेंगे। बड़ी संख्या में आवेदकों ने सेफ रहने के लिए कई जिलों में आवेदन कर दिया। कायदे से व्यापम ने सारा काम कर ऐसा इंतजाम करना था कि जो जिस जिले का है, उसी जिले में आवेदन करे। पुलिस मुख्यालय के सीनियर अफसर व्यापम के सीनियर अफसरों से तार्किक ढंग से बात कर लेते तो वे भी इससे सहमत हो जाते। जाहिर है, वेटिंग क्लीयर करने के बाद भी अब स्वीकृत पद नहीं भर सकेंगे और फिर से भर्ती निकालनी होगी। बे-रोजगार युवाओं में इससे लेकर बड़ा असंतोष है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. दो बरस का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी अधिकांश मंत्री कामकाज के मामले में अपनी छाप छोड़ने में नाकाम क्यों रहे?
2. छत्तीसगढ़ की पूरी अफसरशाही इन दिनों बेहद परेशान चल रही है, इसकी वजह क्या होगी?

जैकेट के शेष

मंत्रालय स्टाफ पर ....

आते रहे। मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारियों की आस्था संकट मोचन हनुमान जी के मंदिर के रूप में यहां से जुड़ी रही है। इसकी वजह भी बेहद दिलचस्प और खास है। शनिवार सुबह 9.30 बजे अचानक मंदिर के पुजारियों और सेवादारों को अमित शाह के मंदिर पहुंचने की सूचना मिली। इसके बाद मंदिर में पूजा अर्चना की तैयारी की गई। कुछ देर में सुरक्षाबलों के अफसर भी पहुंच गए। बीडीएस और डॉग स्क्वायड की टीम ने सुरक्षा जांच की। सीएम और डिप्टी सीएम के साथ दो घंटे की मैराथन बैठक के बाद अमित शाह हनुमान मंदिर पहुंचे। गृहमंत्री और मुख्यमंत्री लगभग 10 मिनट हनुमान मंदिर में मौजूद रहे।

हादसे होते थे, दिनभर ....

मंत्रालय परिसर में कार्यालयीन समय पर एंबुलेंस खड़ी रखनी पड़ती थी। तब कर्मचारियों ने संकटमोचन हनुमान मंदिर के निर्माण की पहल शुरू की। 31 जुलाई 2018 को मंदिर में हनुमानजी की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई।

आरपी मंडल की रही ....

आयोजन भी किया जाता है।

31 मार्च तक नक्सलवाद .....

से खुशहाली लौटे। और सभी लोग खुशहाल जीवन जिएं। उन्होंने आंगा देवा, बूढ़ा देव, गुंडाधुर और शहीद वीर नारायण सिंह को नमन करते कहा कि बस्तर और छत्तीसगढ़ की भूमि में संसाधनों की कमी नहीं है। लाल आतंक से मुक्त होने के बाद पूरा इलाका देश का सबसे विकसित क्षेत्र बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच और संकल्प है कि आदिवासी क्षेत्र के लोग भी समान रूप से आगे बढ़ें। नए उद्योग, उच्च शिक्षा, अस्पताल और वनोपज का प्रोसेसिंग प्लांट सभी जिले में स्थापित होगा। छत्तीसगढ़ की पुनर्वास नीति अति सुंदर है। जिसमें हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों को हर तरह की सुविधा और संसाधन की व्यवस्था है।

दिन रात करेंगे परिश्रम : अमित शाह ने कहा कि बस्तर ओलंपिक खेल में समर्पित और पीड़ित परिवार को खेलते देख काफी आनंद आया। इसमें सुंदर भविष्य का सपना देखने वाले युवा भी शामिल है। इस तरह आने वाले समय में नक्सलवाद समाप्त होने के बाद आगे अंजाम तक पहुंचाने के लिए काफी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद से किसी का भला नहीं हुआ। हथियार उठाने वाले और यहां के आदिवासी दोनों को नुकसान उठाना पड़ा।

कॉमनवेल्थ और ओलंपिक में दिखेंगी प्रतिभाएं : अमित शाह ने कहा कि इस ओलंपिक में 3 लाख 91 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिनमें संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में 2600 पहुंचे। यहां एक टीम आई है जो यहां की खेल प्रतिभाओं को तराशेगी। कामनवेल्थ और ओलंपिक में यहां के खिलाड़ी पहुंच सके, इस पर टीम काम करेगी।

लाल सलाम की जगह भारत माता की जय के नारे : अमित शाह ने कहा कि यहां गोलियों की गूंज सुनाई देती थी। स्कूलों में घंटियों के जगह गोला, बारूद, बंदूक की आवाज आती थी। जहां सड़क बनाना सपना था वहां राजमार्ग बन रहे हैं। जहां लाल सलाम बोला जाता था वहां भारत माता की जय कहा जा रहा है। इस तरह का बदलाव बस्तर में आया है।

मांदर की थाप सुनाई देगी : विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि कश्मीर में धारा 370 समाप्त करने का साहसिक निर्णय और नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प अमित शाह को सदियों तक लोग याद रखेंगे। बस्तर के साल वन में बारूद सुरंग की जगह मांदर की थाप पर लोग थिरकेंगे।

मध्यान्ह भोजन के बाद ....

शासन द्वारा बच्चों को पौष्टिक आहार मुहैया कराने के उद्देश्य से शासकीय स्कूलों में मध्यान्ह भोजन योजना चलाई जा रही है।

कोल्ड स्टोरेज की ....

अभियान चलाया गया और मलबे के नीचे से दबे हुए मजदूरों को निकाला गया। इस दौरान दो मजदूरों की मौत हो चुकी थी जबकि तीसरे ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। एक अन्य घायल का उपचार जारी है। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद कलेक्टर, एसपी सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। फिलहाल प्रशासन व पुलिस द्वारा घटना की जांच की जा रही है।

नए डीआरएम ने पदभार लेने..

जारी करते हुए उनका तबादला कर दिया। उनके स्थान पर डीआरएम का पोस्ट वेस्टर्न रेलवे मुम्बई के चीफ सिग्नल इंजीनियर उमेश कुमार को दिया गया था। **खोईवाल बने रहेंगे डीआरएम**: पश्चिम रेलवे मुम्बई के चीफ सिग्नल इंजीनियर उमेश कुमार का बिलासपुर रेल मंडल के नए डीआरएम का पद नहीं लेने का पत्र रेलवे बोर्ड सचिव को देने के बाद जोन व डिवीजन के अफसरों में हड़कंप मचा हुआ है। सचिव को दिए गए पत्र के उपरांत अभी कोई भी नया निर्णय और नए डीआरएम का कोई नया आदेश बोर्ड की ओर से जारी नहीं किया गया है। जब तक नया आदेश जारी नहीं कर दिया जाता है, तब कि बिलासपुर रेल मंडल के डीआरएम राजमल खोईवाल बने रहेंगे।

सीआरपीएफ कैंप में जवान ने ...

पहचान गोपीनाथ सबर के रूप में हुई है। जवान ओडिशा के खरियार के खरधरा गांव का मूल निवासी बताया जा रहा है। जवान गोपीनाथ सबर ने कैंप में ड्यूटी के दौरान अपनी सर्विस राइफल एके–47 से खुद को गोली मार ली।

पेज एक के शेष

दस दिन बाद सुधरा सिस्टम ...

से इस फ्लाइट की उड़ान भी शुरू होने की संभावना है। शनिवार को बाकी शहरों के लिए संचालित होने वाली तमाम फ्लाइट की आवाजाही हुई। दिल्ली की एयर इंडिया की एक उड़ान और बेंगलुरु की फ्लाइट अपने तय समय से एक घंटे विलंब से आई। विमानतल से जुड़े अधिकारियों का दावा है कि एयरपोर्ट पर यात्रियों को अब किसी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। उनकी समस्या का समाधान करने के लिए स्थानीय अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

फिलहाल किराया सामान्य: व्यवस्था सामान्य होने के बाद विमानों की आवाजाही शुरू हो चुकी है, मगर यात्रियों की संख्या विंटर सीजन के हिसाब से कम है। कुछ समय पहले केंद्र सरकार के प्राइस कैंप के मुताबिक 5 सौ किमी की दूरी के लिए 7500, एक हजार किमी तक की यात्रा के लिए 12 हजार, डेढ़ हजार किमी के सफर के लिए 15 हजार तथा उससे अधिक दूरी की यात्रा के लिए 18 हजार तक का न्यूनतम किराया तय था। वर्तमान में प्राइस कैंप और विमानों के किराए में बड़ा फर्क नजर नहीं आ रहा है। छुट्टियां शुरू होने के बाद अगर यात्री बढ़ते हैं, तो किराए में बढ़ोतरी होने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता।

'जेड प्लस' के बाद भी बढ़ाई ..

गया है। दिल्ली-भोपाल स्थित उनके बंगले के सामने बैरिकेडिंग की गई है।

14 साल बाद भारत पहुंचे मेस्सी...

से बुरी याद में बदल गया क्योंकि बड़ी रकम खर्च कर टिकट खरीदने के बावजूद हजारों प्रशंसकों ने अर्जेंटीना के इस दिग्गज एक साफ झलक नहीं मिल पाने से निराशा में यहां साल्ट लेक स्टेडियम के अंदर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

किसानों को खबर नहीं ...

रबी फसल लेने का समय है, ऐसे में किसानों की चिंता बढ़ चुकी है। वहीं कंपनी के अधिकारी इसे अपना हक बता रहे हैं, किसानों की आपत्ति के बाद घरघोड़ा एसडीएम ने कार्यपालन अभियंता को नोटिस जारी कर दिया है। दरअसल पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा रायगढ़ जिले में घरघोड़ा से बरौद तक करीब 20 किमी की 132 केवी लाइन का विस्तार किया जा रहा है।

अधिग्रहण की जरूरत नहीं: टॉवर के लिए जमीन अधिग्रहण की जरूरत नहीं है। नियमों के अनुसार किसानों को क्षतिपूर्ति राजस्व विभाग द्वारा वितरित किया जाती है। हमारा सर्वे काफी पहले हो चुका है, ऐसे में लाइन को हटाने का सवाल ही नहीं आता है। किसानों की आपत्ति है, इसलिए राजस्व विभाग को जल्द से जल्द क्षतिपूर्ति देने के लिए चर्चा की जाएगी।

-जी .आर .जायसवाल
कार्यपालन यंत्री,
ट्रांसमिशन कंपनी

इंडिगो पर एक्शन, ..

दरअसल, इंडिगो संकट कॉम्पिटिशन एक्ट की धारा 4 का खुला उल्लंघन माना जा रहा है। इन नियम के मुताबिक कंपनी अपने रसूख के बूते ग्राहक से नाजायज कीमत नहीं वसूल सकती है और न ही ग्राहक को ब्लैकमेल कर सकती है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

यात्री टिकट सुविधा केंद्र के चयन और स्थापना हेतु निविदा सूचना

अधिसूचना क्रमांकः कॉम/कांट्र/वाय.टी.एस.के/पार्ट–V–A/बीएसपी/25, दिनांक 10/12/2025. भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे बिलासपुर मण्डल यात्री टिकट सुविधा केंद्र (वाई.टी. एस. के.) के चयन और स्थापना के लिए 27 शहरों में आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट विक्रय हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं।

सभी अधिकृत रेलवे टिकट एजेंटों जैसे रेल यात्रा सेवा एजेंट (आर.टी.एस.ए.), रेल ट्रैवल एजेंट (आर.टी.ए.), रीटेल सर्विस प्रोवाइडर (आर.एस.पी.), जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवक (जे.टी.बी.एस.) और भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा नियुक्त टिकट एजेंटों सहित सभी अधिकृत रेलवे टिकट एजेंट, पूर्व में या वर्तमान में काम कर रहे हैं. जो कि कम से कम दो (2) साल के अनुभवी हो वही वाई.टी.एस. के. की योजना के तहत पात्र हैं।

(1) कार्य का नाम : बिलासपुर डिवीजन पर आरक्षित और अनारक्षित रेल टिकट जारी करने के लिए यात्री टिकट सुविधा केंद्र (वाई.टी.एस.के.) के चयन और स्थापना के लिए निविदा अधिसूचना। (2) स्टेशन : बिलासपुर, रायगढ़, चाम्पा, अनूपपुर, कोरबा, उसलापुर, शहडोल, अम्बिकापुर, अकलतरा, पेंड्रा रोड, उमरिया, अमलाई, बैकुंठपुर रोड, बाराद्वार, बिजुरी, बिरसिंहपुर, बिश्रामपुर, ब्रजराजनगर, बुढ़ार, चिरिमिरी, जयरामनगर, जांजगीर–नैला, खारसिया, कोतमा, मनेन्द्रगढ़, सक्ती एवं सूरजपुर रोड। (3) अनुबंध की अवधि : तीन वर्ष। (4) निविदा प्रपत्र का मूल्य : निरंक। (5) निविदा प्रपत्र प्राप्त होने कि तिथि: 17.12.2025। (6) निविदा प्रपत्रों के जमा करने की तिथि व समय : 08.01.2026 के 11:00 बजे से 08.01.2026 के 15:30 बजे तक। (7) निविदाएं खोलने के लिए तिथि व समय : 08.01.2026 के 16:00 बजे।

नोट: यदि किसी कारणवश निविदा खोलने की तिथि शासकीय अवकाश हो या शासकीय अवकाश घोषित किया जाता हो तो प्राप्त निविदाएं अगले कार्य दिवस पर खोली जाएंगी।

निविदा दस्तावेज, पात्रता मानदंड विस्तृत जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क करे एवं निविदा दस्तावेज हमारी वेबसाइट "www.secr.indianrailways.gov.in" पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर सकते हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक
सीपीआर/10/542 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)

क्षेत्रीय कार्यालय, 107, राम नगर रोड, कोटा, रायपुर (छत्तीसगढ़) - 492010
REGIONAL OFFICE, 107, RAM NAGAR ROAD, KOTA RAIPUR (CHHATTISGARH)-492010
Phone: 0771-2254589,
Email: rd- cgarh@esic.nic.in
Website:www.esic.nic.in/www.esic.in

सार्वजनिक सूचना

सभी संबंधित नियोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि SPREE 2025 योजना, जो कि 01.07.2025 से प्रभावी है और जिसके अंतर्गत नियोक्ताओं को पंजीकरण तिथि से पूर्व की अवधि हेतु किसी भी प्रकार की बकाया देनदारी की मांग तथा निरीक्षण से पूर्णतः छूट प्रदान करते हुए, ईएसआईसी में पंजीकरण का विशेष अवसर उपलब्ध कराया गया है, **31.12.2025** को समाप्त हो रही है।

ध्यान रहे की 01.01.2026 से, पंजीकरण से पूर्व की अवधि हेतु निरीक्षण एवं विधिक कार्रवाई से प्राप्त छूट उपलब्ध नहीं होगी।

अतः सभी नियोक्ताओं से अपेक्षित है कि वे **31 दिसंबर 2025 की अंतिम तिथि** से पूर्व ही अपना ईएसआईसी पंजीकरण पूर्ण कर लें, जिससे अंतिम समय में होने वाली किसी भी प्रकार की देरी, भविष्य में संभावित विधिक जटिलताओं व निरीक्षणों एवं लगने वाले दंड से बचा जा सके।

क्षेत्रिय निदेशक

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्रम सं (1): ई- निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-162-25-26, दिनांक 08.12.2025

कार्यः दो वर्षों के लिए सहायक मंडल अभियंता / पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत शीतकालीन गश्त के लिए सहायक गश्ती दल (गश्ती दल साथी) की तैनाती।

निविदा मूल्य :1,33,63,142.40/- अमानत राशि : (रु) 2,16,800.00/- कार्य पूर्णता की अवधिः 24 माह निविदा जमा की आरंभ तिथी : दिनांक 15-12-2025 के 11.00 बजे से। निविदा जमा की अंतिम तिथीः दिनांक 29-12-2025 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/AM/535 द.पू.म.रेलवे बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. CAOCWATETCE CIVSKP2025014, दिनांक : 03.12.2025

कार्य का नाम : 24 महीने की समयावधि के लिए मण्डल रेलवे प्रबंधक कार्यालय परिसर में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण / वाल्टियर कार्यालय एवं अन्य संबंधित कार्यालयों, ईस्ट प्वाइंट कॉलोनी में नए अधिकारी विश्राम गृह / विशाखापट्टनम एवं VMRDA-DECK बिल्डिंग, सिरिपुरम, विशाखापट्टनम में महाप्रबंधक / दक्षिण तट रेलवे कार्यालय के लिए हाउसकीपिंग, आतिथ्य, रख-रखाव एवं खान-पान सेवाएं।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 3,47,20,769.60, EMD : ₹ 3,23,600/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 27.12.2025 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (निर्माण-I)/ विशाखापट्टनम
PR-186/CI/25-26

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(First Call)

NIT NO:-720 RAIPUR DATED : 11/12/2025

Online bids are invited for the following works of works up to 05/01/2026 at 17:00 hours.

S. No.	System Tender No.	Name of work / Desciption of work	Probable Amount of contract	Class of Contractor registered in P.W.D. C.G.	Tender form	SOR Applicable
1	181683	Request for Proposal (RFP) for Design, Fabrication, Installation, Testing, Commissioning and Beautification of Thematic Entrance Gates with Signage and Waste-to-Art Elements at Four Major Entry Points of Raipur City.	Rs. 2.00 Cr	-	-	-

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 12/12/2025 at 10.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18002582502 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. For More Details please download NIT details.
4. Contact Details: Yogesh Kumar Kadu, Mo. No.- 9425213321

EXECUTIVE ENGINEER
RAIPUR MUNICIPAL
CORPORATION RAIPUR (C.G.)

एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
'खनिज भवन', 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मसाब टैंक, हैदराबाद-500028
सीआईएन - L13100AP1958GOI001674

कार्य अनुभाग, अनुबंध विभाग

ई-निविदा सूचना (घरेलू बोली के लिए खुली निविदा)

निविदा पूछताछ संख्या: एचओ (वर्क्स)/एनसीएल/डिप-4/2025/298 दिनांक 13.12.2025

एनएमडीसी लिमिटेड, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक "नवरत्न" सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी, भारत सरकार, एनएमडीसी–सीएमडीसी लिमिटेड (एनएमडीसी लिमिटेड और सीएमडीसी लिमिटेड का एक संयुक्त उद्यम) की ओर से, **"एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड की बैलाडीला लौह अयस्क भंडार-4 खदान में दो वर्षों में 31.95 लाख टन शुद्ध लौह अयस्क और 22.27 लाख टन अपशिष्ट/निम्न श्रेणी के लौह अयस्क के खनन के लिए संयंत्र और खनन मशीनरी किराए पर लेने के कार्य हेतु अनुभवी घरेलू बोलीदाताओं से एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित करती है। इस कार्य में ड्रिलिंग, उत्खनन, क्रशिंग और स्क्रीनिंग, वजन, निर्दिष्ट क्षेत्रों में भंडारण, परिवहन और खदान के शीर्ष पर ग्राहकों के टिपर/ट्रक में लौह अयस्क की लोडिंग के लिए निविदा दस्तावेज में विस्तृत खनन उपकरणों का उपयोग किया जाएगा।"**

इस कार्य का अनुमानित मूल्य 142.68 करोड़ रुपये (जीएसटी सहित) है। विस्तृत एनआईटी और बोली दस्तावेज **13.12.2025 से 03.01.2026** तक निम्नलिखित वेबसाइट लिंक से देखे और/या डाउनलोड किए जा सकते हैं:

1. एनएमडीसी वेबसाइट : https://nmdcportals.nmdc.co.in/nmdctender
2. केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल : https://www.eprocure.gov.in/epublish/app और निविदा पूछताछ संख्या के माध्यम से निविदा खोजें
3. एमएसटीसी पोर्टल : https://www.mstcecommerce.com/eprocn/

एमएसटीसी पोर्टल से बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए, बोलीदाताओं को एमएसटीसी वेबसाइट पर जाना होगा (अनुकूलता के लिए माइक्रोसॉफ्ट एज ब्राउजर का उपयोग करें) और निविदा कार्यक्रम संख्या **NMDC/प्रधान कार्यालय/अनुबंध/52/25-26/ET/568[MD और SSM DEP-4]** खोजना होगा। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अपनी बोलियां जमा करें। ऑनलाइन बोली जमा करने का विवरण एनआईटी में दिया गया है। बोलीदाताओं को भविष्य में किसी भी प्रकार के शुद्धिपत्र के लिए नियमित रूप से एनएमडीसी की वेबसाइट/सीपीपी पोर्टल/एमएसटीसी पोर्टल पर जाना होगा।

अधिक जानकारी के लिए, निम्नलिखित से संपर्क किया जा सकता है –
जीएम (खनन), एनसीएल से +916281740955 पर या सीईओ, एनसीएल से +919425266334 पर, ईमेल : contracts@nmdc.co.in.

की ओर से एवं के लिए, एनएमडीसी लिमिटेड
कार्यकारी निदेशक (कार्य)

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल,
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा।

अतिअल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं0:–25/2025.26
ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0–25/2025-26/EE/BCD/GARHWA दिनांक–12.12.2025

1. कार्य का विस्तृत विवरणी

क्र0सं0	कार्य का नाम	परिमाण पत्र की राशि
1	Proposed Construction of District Bar Council Building Nagar Untari, Jharkhand.	₹ 3,56,06,400.00

2. कार्य पूर्ण की अवधि :– 11 (ग्यारह) माह
3. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– 22.12.2025 11:00 बजे
4. बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय :– 29.12.2025 11:00 बजे
5. निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा।
6. निविदा खोलने की तिथि / समय एवं स्थान :– 30.12.2025 11:30 बजे मुख्य अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, रॉंची, लिंक टेंक रोड, पिन कोड–834001
7. प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :– 9955921643
8. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या :– 8210456132
9. नोट– केवल ई–निविदा की स्वीकार किया जायेगा।
10. प्राक्कलित राशि घट बढ़ सकती है। अग्रधन की राशि परिमाण विपत्र की राशि के अनुसार होगी।
11. परिमाण विपत्र एवं EMD की राशि केवल ऑनलाईन माध्यम से ही स्वीकार होगा। ऑनलाईन माध्यम से किये गये भुगतान की पद्धति वेबसाइट पर आवश्यक रूप से अपलोड करेगें।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाता में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही संबंधित निविदाता की होगी।
13. विस्तृत जानकारी http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
14. प्रशासनिक स्वीकृति के उपरांत हीं भुगतान किया जायेगा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल, गढ़वा।

PR 368458 (Building) 25-26 (D)

शब्द पहेली - 6077

बाएँ से दाए
1. असभ्यता, मूर्खता-4
3. निर्भय, बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा, शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता, गुलामी-5
14. दानव, दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई, छाया-2
19. आदत, स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल, वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा, सूजी-2
30. गुलिस्तां, बाग-3
31. एक ग्रह, शनिश्चर-2
32. दबाना, कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा, अनोखा-3
4. लक्ष्मी, कमला-2
5. खीजना, रोना-4
6. एक पौधा, अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष, होशियार-3
10. जमीकंद, एक सब्जी-3
12. धैर्य, संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा, तला-2
21. पुत्र, बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर, बाण-2

शब्द पहेली - 6076 का हल

सूडोकु नवताल - 6087

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6086 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

अगले साल भी बरकरार रह सकती है गोल्ड की चमक

इस साल 67% से अधिक रिटर्न दे निवेशकों को किया मालामाल

निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प लेकिन रणनीति बनाना जरूरी

सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर करें निवेश

चालू वर्ष में असाधारण रूप से रिटर्न दिया

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67% का रिटर्न दिया है। जानाकारों का मानना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत प्रति दस ग्राम 5 से 16% 0 और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर निवेश करना जरूरी है। दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 'चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है।

10 साल के सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 प्रतिशत रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण 'वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है।

काफी बेहतर प्रदर्शन

भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है।' 'कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉन्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया

यह भी कारक

वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का एक महत्वपूर्ण कारक रही हैं। इसके साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति की लगातार चिंताएं और ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने जैसी सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की ओर आकर्षित किया है। इसके अलावा, दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी और त्योहारों की मांग ने सोने की कीमतों में तेजी को और बढ़ावा दिया है।'

क्या कहते हैं जानकार

जानकारों का कहना है कि 'हमारा अनुमान है कि आने वाले वर्ष में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, क्योंकि जिन कारणों ने इस साल कीमतों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, उनके अगले वर्ष भी जारी रहने की संभावना है।' मौजूदा हालात सोने में निवेश के लिए अनुकूल हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो अपने निवेश में विविधता और मुद्रास्फीति तथा वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हालांकि, सोने में निवेश को जोखिम के बचाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एकमात्र निवेश विकल्प के रूप में। निवेश का लगभग पांच प्रतिशत से 10 प्रतिशत कीमती धातुओं (सोना और चांदी) में निवेश होना चाहिए। सोने और चांदी में निवेश जोखिम के आधार पर होना चाहिए। 'चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं (वर्तमान में लगभग 4,200 डॉलर प्रति औंस), इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश महत्वपूर्ण है। आगे की वृद्धि भू-राजनीतिक जोखिमों और मुद्रास्फीति की चिंताओं पर निर्भर है। सुरक्षित निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो में आठ से 12 प्रतिशत का हिस्सा सोने में होना उपयुक्त है।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

वर्तमान समय में सबसे अच्छा तरीका यह है कि गोल्ड ईटीएफ में एसआईपी के माध्यम से निवेश करें या कीमतों में चार से पांच प्रतिशत की गिरावट पर अतिरिक्त हिस्सेदारी जोड़ें। अब तक हुई तेज बढ़ोतरी को देखते हुए एकमुश्त निवेश के बजाय एसआईपी (व्यवस्थित निवेश योजना)/ एसटीपी (व्यवस्थित हस्तांतरण योजना) के जरिए निवेश करना बेहतर होगा। 'वर्तमान परिवेश में, गोल्ड ईटीएफ निवेश का पसंदीदा तरीका है, क्योंकि ये खरीद-बिक्री के लिहाज से सुगम हैं। साथ ही भौतिक रूप से सोना रखने के उलट, इसके रख-रखाव या सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। पारंपरिक जरूरतों के लिए, खासकर भारत में, जहां शादी, त्योहारों और पारिवारिक अवसरों में सोने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, भौतिक सोने में थोड़ा सा हिस्सा रखना पूरी तरह से उचित है। 'हालांकि, पूंजी सृजन के मकसद से सोने के आवंटन का अधिकांश हिस्सा ईटीएफ के माध्यम से बनाए रखना सबसे अच्छा है।

सिल्वर ईटीएफ ने कराई जबरदस्त कमाई 11 माह में दिया 100% से ज्यादा रिटर्न

इस साल सिर्फ फिजिकल चांदी ही नहीं, बल्कि सिल्वर ईटीएफ ने भी निवेशकों की जबरदस्त कमाई करवाई है। सिल्वर ईटीएफ ने इस साल अब तक यानी करीब 11 महीने में ही 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशक सोच रहे हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा बुक कर लेना चाहिए या निवेश जारी रखना चाहिए। सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है और स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार करता है। इसमें फिजिकल चांदी खरीदने की जरूरत नहीं होती। निवेशक ट्रेडिंग अकाउंट के जरिए इसकी यूनिट खरीद और बेच सकते हैं। यह भौतिक चांदी की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशक बिना चांदी खरीदे, उसके दाम बढ़ने का फायदा उठा सकते हैं। यह 99.9% शुद्ध चांदी में निवेश करता है और डीमैट खाते के जरिए शेयरों की तरह खरीदा-बेचा जा सकता है, जो सुरक्षा और स्टोरेज की झंझट से बचाता है।

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ हैं, जिन्होंने इस अवधि में औसतन 98.51% का रिटर्न दिया है। इन 21 फंडों में से 10 ने साल 2025 में अब तक 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक सबसे ज्यादा 100.89% का रिटर्न दिया है। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रू सिल्वर ईटीएफ का नंबर आता है, जिसने 100.72% का रिटर्न दिया है। एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ और एसबीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक क्रमशः 100.29% और 100.04% का रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने इस अवधि में 99.98% का रिटर्न दिया है। एक्सिस सिल्वर एफओएफ और टाटा सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने इसी अवधि में क्रमशः 94.38% और 92.52% का रिटर्न दिया है।

क्यों आई तेजी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में चांदी में सुरक्षित निवेश के साथ-साथ मजबूत औद्योगिक मांग (इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, सोलर पैनल आदि के लिए) भी है। इसके साथ ही, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की ठोस खरीदारी और त्योहारी मांग ने कीमतों में और तेजी ला दी। एक्सपर्ट के अनुसार इस साल की शुरुआत में ईवी, सोलर पैनल, ग्रीन ट्रांजिशन और वैश्विक विद्युतीकरण को लेकर आशावाद ने लगातार औद्योगिक मांग की उम्मीदों को बढ़ाया। वैश्विक निवेशकों ने ब्याज दरों में कटौती, कम वास्तविक यील्ड और कमजोर डॉलर की उम्मीदों के बीच चांदी ईटीएफ में पैसा लगाया, जिससे यह तेजी और बढ़ गई।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर चांदी में आपका निवेश आपकी तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना ठीक रहेगा, लेकिन अगर आप 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना चाहते हैं, तो यह अभी भी फायदेमंद है। अगर चांदी में आपका निवेश आपके पोर्टफोलियो में तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना सही है। वहीं 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना अभी भी फायदेमंद है।

यह कैसे काम करता है

सिल्वर ईटीएफ फंड कुल संपत्ति का कम से कम 95% हिस्सा 99.9% या उससे ज्यादा शुद्ध चांदी या चांदी से जुड़े डेरिवेटिव्स में निवेश करता है। आप इसे स्टॉक की तरह ब्रोकरेज अकाउंट के जरिए खरीद और बेच सकते हैं, जिससे यह आसान और तरल हो जाता है। इसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) चांदी की कीमत के साथ ऊपर-नीचे होता है।

मुख्य लाभ

भौतिक चांदी खरीदने, रखने और उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं होती। यह सोने और चांदी के माध्यम से आपके पोर्टफोलियो को संतुलित करने में मदद करता है। और कम पैसों (जैसे 500 रुपये) से भी एसआईपी के जरिए निवेश शुरू कर सकते हैं।

ऐसे करें निवेश

- ब्रोकर के साथ डीमैट और ट्रेडिंग खाता : किसी भी ब्रोकर के पास खाता खोलें जो ईटीएफ में निवेश की सुविधा देता हो।
- सही सिल्वर ईटीएफ चुनें: अपनी जरूरत के हिसाब से जैसे निप्पॉन, कोटक, आईसीआईसीआई आदि के सिल्वर ईटीएफ चुनें।
- खरीदें : स्टॉक की तरह अपने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सिल्वर ईटीएफ के यूनिट्स खरीदें।

बिजनेस साइट

सिंघानिया बिल्डकॉन ने हर्षित लैंडमार्क में लॉन्च की नई स्कीम

'नए घर की शुरुआत, परिवार के साथ' के तहत रेडी-टू-पजेशन प्रीमियम फ्लैट उपलब्ध

रायपुर। रियल एस्टेट सेक्टर में अग्रणी ब्रांड सिंघानिया बिल्डकॉन ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट हर्षित लैंडमार्क में नई स्कीम 'नए घर की शुरुआत, परिवार के साथ' लॉन्च की है। यह स्कीम सीमित समय के लिए लागू है, जिसके अंतर्गत बजट के अनुरूप 3 और 4 बीएचके प्रीमियम रेडी-टू-पजेशन फ्लैट्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राजधानी रायपुर के एम्स अस्पताल के पास हीरापुर चौक में स्थित हर्षित लैंडमार्क, रायपुर सिटी वेस्ट में लक्जरी और सुरक्षित जीवनशैली का एक प्रमुख माइलस्टोन बनकर उभरा है। इस प्रोजेक्ट में वर्तमान में 500 से अधिक परिवार निवास कर रहे हैं। यहां रेसिडेंशियल फ्लैट्स के साथ-साथ कमर्शियल शॉप्स भी उपलब्ध हैं, जिनमें आधुनिक मेट्रो-लिविंग से जुड़ी सभी सुविधाएं मौजूद हैं। हर्षित लैंडमार्क को खास बनाने वाली सुविधाओं में विश्व प्रसिद्ध स्थलों से प्रेरित थीम आधारित लक्जरी लाइफस्टाइल, पोडियम, हरियाली से भरपूर उद्यान, मंदिर, सीसीटीवी निगरानी, कवर्ड कैंपस, 24x7 सुरक्षा, टेरेस, क्लब हाउस, जिम और बच्चों के लिए आधुनिक प्ले ग्राउंड शामिल हैं।

लोकेशन के लिहाज से भी हर्षित लैंडमार्क शहर के प्रमुख केंद्रों के बेहद करीब स्थित है। यह एम्स अस्पताल से मात्र 1.5 किमी, एनआईटी से 3.4 किमी, पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार से 3.1 किमी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से 4.1 किमी और अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम से 3.0 किमी की दूरी पर है। इसके साथ ही, हर्षित लैंडमार्क में 24 घंटे जलापूर्ति, स्ट्रीटलाइट्स, प्राकृतिक हरियाली से सजे गार्डन, कवर्ड बाउंड्री वॉल और चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। नए साल में यदि आप रायपुर के प्राइम लोकेशन पर 3 और 4 बीएचके प्रीमियम फ्लैट्स या कमर्शियल शॉप्स खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो हर्षित लैंडमार्क एक बेहतरीन और भरोसेमंद विकल्प साबित हो सकता है।

एलन में नए सत्र के एडमिशन के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट 21 दिसंबर को

ए-सेट में शामिल होकर 90 प्रतिशत तक का स्कॉलरशिप पाने का मौका

कोटा। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट में सत्र 2026-27 के लिए इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नए सत्र में कोटा सहित देशभर के सभी एलन केंद्रों पर प्रवेश के लिए एलन स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट (ए-सेट) का आयोजन 21 दिसंबर को किया जाएगा। इस परीक्षा में शामिल होकर विद्यार्थी एलन की ट्यूशन फीस में 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप प्राप्त कर सकते हैं। ए-सेट का आयोजन देशभर के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर होगा। इसके लिए रजिस्ट्रेशन एलन की आधिकारिक वेबसाइट पर किया जा सकता है। इसके अलावा अगला नेशनल ए-सेट 4 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। एलन की ओर से बताया गया कि 21 दिसंबर को ए-सेट में शामिल होकर एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप के साथ-साथ रियायती फीस का दोहरा लाभ मिलेगा। ए-सेट के माध्यम से जेईई और नीट की तैयारी करने वाले सभी स्ट्रीम के छात्र अपना स्वयं का असेसमेंट कर सकते हैं। यह परीक्षा साइंटिफिक, अकादमिक और साइकोलॉजिकल असेसमेंट पर आधारित होती है, जिसमें बेस सब्जेक्ट और आईक्यू से जुड़े प्रश्न शामिल रहते हैं। परीक्षा के प्रदर्शन के आधार पर विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप ऑफर की जाती है।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No.
7724035770
9329004557
9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग
• अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें : एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें : मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास
M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे
MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी
MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी
MBBS, MS (OBG) FRM
स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण
• आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी,
• सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण)
• गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा निडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, निर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
24x7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं
• मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन
• विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया
• अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स
क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

मेस्सी को देखने की जबरदस्त दीवानगी, नई-नवेली दुल्हन ने किया हनीमून प्लान रद्द

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी शनिवार को भारत दौर के लिए कोलकाता पहुंचे। मेस्सी का 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' भारत में फुटबॉल फैंस के जुनून की कई कहानियां सामने ला रहा है।

ऐसी ही एक कहानी तब सामने आई जब एक कपल ने अर्जेंटीना के इस सुपरस्टार के लिए एक बड़े बलिदान का खुलासा किया। भीड़ के बीच खड़ी एक नई-नवेली दुल्हन ने एक बेहद हैरान करने वाली बात शेयर की। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि पिछले शुक्रवार हमारी शादी हुई और हमने अपना हनीमून प्लान रद्द कर दिया क्योंकि मेस्सी आ रहे थे। यह हमारे लिए ज्यादा जरूरी है। महिला फैन ने बताया कि यह फैसला आपसी और दिल से लिया गया था। यह मेस्सी के प्रति उनके वर्षों के अटूट प्रेम से प्रेरित था। दुल्हन ने कहा कि हम पहले मेस्सी को देखेंगे और उसके बाद हनीमून पर जाएंगे। मेस्सी को 10 से 12 सालों से फॉलो कर रहे हैं। वह जिस भी क्लब से खेलते हैं, उसे फॉलो करते हैं। पिछली बार जब मेस्सी 2011 में भारत आए थे, तो हम बहुत छोटे थे। हमें उन्हें देखने के लिए बहुत ही ज्यादा उत्साहित हैं।

मेस्सी के लिए दे सकता हूं डिवोर्स

नेपाल का एक फैन, जो लियोनल को देखने के लिए भारत आया था। उसने कहा कि मेस्सी को देखना मेरा सपना था और सिर्फ मेस्सी को देखने के लिए मैंने टिकट खरीदे हैं। मैं अपने परिवार, अपने पिता, माता और भाई का भी जिक्र करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे यहां आने की अनुमति दी और मेरे सपने को साकार किया। इसके बाद फैन ने मजाक भी कहा कि मेस्सी को देखने के लिए अपनी वाइफ को भी डिवोर्स दे सकता हूं। मैं मेस्सी को देखने के लिए कॉलेज छोड़कर इतनी दूर से यहां आया हूं।

मेस्सी फुटबॉलर नहीं बल्कि गहरी भावना

मेस्सी के भारत दौरे के दौरान एक और भावुक पल तब आया जब एक कोलकाता फैन ने अपने दिल की बात कही। हजारों फैंस के बीच खड़े इस फैन ने मेस्सी को लेकर अपने जुनून और अर्जेंटीना के भविष्य पर बात की। उन्होंने एक मुस्कान के साथ कहा कि मैं 2007 से मेस्सी से प्यार करता हूं। मोहब्बत है। इस फैन के लिए, मेस्सी केवल एक फुटबॉलर नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी गहरी भावना हैं, जो उनके करियर के हर पल के साथ मजबूत हुई है।

नबी और दिपेंदु की जर्सी पर मेस्सी ने दिए आटोग्राफ

कोलकाता। लियोनेल मेस्सी का जीओएटी दौरा साल्ट लेक स्टेडियम पर अफरा तफरी और अराजकता के बीच शुरू हुआ लेकिन भारत के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ियों दिपेंदु विश्वास और सैयद रहीम नबी के लिए यह दिन यादगार बन गया। डायमंड हार्बर मेस्सी एकादश के खिलाफ मोहन बागान मेस्सी एकादश के लिये नुमाइशी मैच खेलने वाले विश्वास ने कहा,'मेस्सी ने मेरी जर्सी के बायीं ओर, सुआरेज ने दाई ओर और रौड्रिगो डि पॉल ने बीच में आटोग्राफ दिए।' मेस्सी से दस साल बड़े विश्वास ने कहा,' वह मुस्कुरा रहे थे। उसका चमत्कारिक बायां पैर छूने का मौका मिलना वरदान से कम नहीं था।' इससे पहले डिएगो माराडोना और पेले से जर्सी पर आटोग्राफ ले चुके विश्वास ने कहा,'विश्व चैम्पियन टीम का कप्तान, इतना बड़ा खिलाड़ी। ऐसा मौका जीवन में एक बार मिलता है। वह जितनी देर मैदान पर थे, मुस्कुराते रहे।'

खबर संक्षेप

हरिकेंस ने जीता महिला बिग बैश लीग का खिताब

बेलेरिव ओवल। होबार्ट हरिकेंस ने होबार्ट के बेलेरिव ओवल में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ आठ विकेट से शानदार जीत हासिल करके पहली बार महिला बिग बैश लीग खिताब जीता। हरिकेंस ने सिर्फ 15 ओवर में 138 रनों का आसान लक्ष्य हासिल कर लिया। इसका श्रेय साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी लिजेल ली की शानदार पारी को जाता है, जिन्होंने 44 गेंदों में 77 रन बनाए। इसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। ली को हाल ही में वीमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रुपए की बेस प्राइस पर खरीदा था।

राफेल नडाल ने कराई हाथ की सर्जरी

नई दिल्ली। संन्यास ले चुके टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने बताया कि दर्द का इलाज करने और चलने-फिरने में मदद के लिए उनके दाहिने हाथ की सर्जरी हुई है। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल बाएं हाथ से खेलते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे थे। नडाल ने सोशल मीडिया पोस्ट के साथ अपनी एक फोटो भी पोस्ट की, जिसमें उनके दाहिने हाथ पर पट्टी बंधी हुई थी और हाथ स्लिंग में था। उन्होंने मजाक में यह भी लिखा कि वह अगले साल के पहले मेजर ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेल पाएंगे। नडाल के प्रतिनिधि के एक अलग बयान के अनुसार सर्जरी का मकसद उनके दाहिने अंगूठे के जोड़ के दर्द को कम करना और चलने-फिरने में मदद करना था। यह सर्जरी बार्सीलोना के एक निजी स्वास्थ्य क्लिनिक में की गई।

पोस्टर में पाक कप्तान की फोटो गायब, पीसीबी खफा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री के लिए जारी किए गए प्रचार पोस्टर में अपने कप्तान सलमान अली आगा की तस्वीर न होने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से नाखुश है। पीसीबी के सूत्र ने बताया कि इस मामले को आईसीसी के समक्ष उठाया गया है क्योंकि प्रचार पोस्टर में केवल पांच कप्तानों की तस्वीर है। इसमें सूर्यकुमार यादव (भारत), एडेन मार्करम (दक्षिण अफ्रीका), मिचेल मार्श (ऑस्ट्रेलिया), दासुन शनाका (श्रीलंका) और हैरी ब्रूक (इंग्लैंड) शामिल है। सूत्र ने कहा, 'कुछ महीने पहले एशिया कप के दौरान भी हमें इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ा था, उस समय प्रसारकों ने हमारे कप्तान की तस्वीर के बिना ही प्रचार अभियान शुरू कर दिया था।'

शाम 7 बजे से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीसरा टी-20

सूर्यकुमार चल रहे फ्लॉप, गिल से निराशा बढ़त के लिए हाई-वोल्टेज भिड़ंत आज

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 14 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो सब की निगाहें शुभमन गिल की बल्लेबाजी पर होगी, जो इस प्रारुप में खुद को साबित कर चुके संजू सैमसन की जगह लेने के बाद अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं।

कप्तान सूर्यकुमार यादव की लंबे समय से चली आ रही खराब लय पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि उपकप्तान गिल अब तक भरोसा जगाने में नाकाम रहे हैं। संजू सैमसन जैसे स्थापित सलामी बल्लेबाज की कीमत पर टीम में शामिल किए गए गिल प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करते नजर आए हैं।

दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी का आक्रमण

एनरिच नॉर्किया, मार्को यानसन, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और लुथो सिपामला जैसे गेंदबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण पहले ही दिखा चुकी है कि भारतीय परिस्थितियों का कैसे फायदा उठाया जाए। धर्मशाला में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल होगी। दुनिया भर की मौजूदा टी20 टीमों को देखे तो दक्षिण अफ्रीका इस बार उपमहाद्वीप में खिताब जीतने के लिए काफी मजबूत और संतुलित नजर आ रहा है। क्विंटन डिकॉक की वापसी और उनके साथ कप्तान एडन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, डोनोवन फरेरा, डेविड मिलर और हरफनमौला यानसन की मौजूदगी ने उनकी बल्लेबाजी को बेहद खतरनाक बना दिया है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, संजू सैमसन।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपामला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

गिल को करना होगा असाधारण प्रदर्शन

गिल को अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के फैसले को सही साबित करने के लिए असाधारण प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ एक खराब श्रृंखला के बाद संजू सैमसन को बाहर करने का निर्णय अब भी सवालों के घेरे में है। टेस्ट और वनडे में कलात्मक बल्लेबाजी करने वाले कप्तान गिल को टी20 प्रारुप में दोबारा खुद का ढालना होगा। उन्हें बाकी तीन में से कम से कम दो मैचों में बड़ी पारियां खेलनी होंगी। ऐसा नहीं हुआ तो सैमसन की वापसी या फिर 165 की शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइक रेट वाले यशस्वी जायसवाल को न्यूजीलैंड श्रृंखला में मौका मिल सकता है।

विश्व कप से पहले भारत के पास सिर्फ आठ मैच

विश्व कप से पहले अब भारत के पास सिर्फ आठ मैच बचे हैं। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने कठिन चुनौतियां हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे शीर्ष क्रम के दो बल्लेबाजों को एक साथ खिलाना शायद टीम के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। कप्तान होने के नाते सूर्यकुमार यादव को एक साल से खराब फॉर्म के बावजूद विश्व कप तक कुछ हद तक सुरक्षा मिलने की संभावना है। लेकिन यह छूट गिल को मिलना मुश्किल है क्योंकि वह एशिया कप से पहले तक पारी का आगाज करने के लिए मूल विकल्प नहीं थे। छोटे प्रारुप की टीम में उनकी वापसी अब ऐसे फैसले की तरह दिख रही है, जिसमें बिना जरूरत एक संतुलित संयोजन से छेड़छाड़ की गई।

अंडर-19 एशिया कप

भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार यानी 14 दिसंबर को महामुकाबला होगा, जिसमें दोनों टीमों की नजर जीत की लय को बनाए रखने को होगी। भारत और पाकिस्तान ग्रुप ए में हैं और दोनों ही टीमों ने अपने-अपने पहले लीग मैच जीते थे। दोनों टीमों के अभी 2-2 अंक हैं, लेकिन बेहतरीन रन रेट के आधार पर पाकिस्तान ग्रुप ए की अंकतालिका में पहले स्थान पर है जबकि भारत दूसरे नंबर पर है। भारत ने पहले मैच में यूएई को 234 रन से हराया था, लेकिन पाकिस्तान ने मलेशिया पर तो उससे भी बड़ी जीत दर्ज की थी और उसे 297 रन से जीत हासिल हुई थी।

पाकिस्तान और भारत के बीच होने वाला मैच भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे से खेला जाएगा और दोनों टीमें दुबई में एक-दूसरे के आमने सामने होंगे। भारत और यूएई के बीच, जो मैच खेला गया था उस दौरान पिच बिल्कुल ही सपाट नजर आ रही थी और बल्लेबाजों को खूब मदद मिल रही थी। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि भारत-पाकिस्तान का मैच उसी पिच पर होता है या किसी अन्य पिच पर, लेकिन दुबई में अब तक हुए दोनों मुकाबलों में ये देखने को मिला की रन खूब बने।

भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभावना कम

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की प्लेइंग इलेवन में किसी बदलाव की संभावना कम ही नजर आती है क्योंकि टीम अपने विनिंग कांबिनेशन के साथ ही उतरना चाहेगी। भारत के लिए पारी की शुरुआत वैभव सूर्यवंशी के साथ कप्तान आयुष महात्रे करेंगे। वैभव गजब की लय में हैं और पाकिस्तान के खिलाफ भी उनसे इसी तरह से प्रदर्शन की अपेक्षा रहेगी। यूएई के खिलाफ अन्य भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। भारतीय बैटिंग लाइनअप में वैभव और आयुष के बाद एरोन जॉर्ज, विहान मलहोत्रा, वेदान्त त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू, कनिष्क चौहान होंगे जबकि गेंदबाजी की जिम्मेदारी खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन, कनिष्क सिंह संभालते नजर आएंगे।

डेजर्ट वाइपर्स की लगातार पांचवीं जीत गल्फ जायंट्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| दुबई

खुजैमा तनवीर के चार विकेट के बाद सैम कुरेन और मैक्स होल्डेन के बीच 77 गेंद में 123 रनों की अटूट साझेदारी से डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स को आठ विकेट से हराकर आईएलटी20 के मौजूदा सत्र में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। तनवीर ने 10 रन देकर चार विकेट लिए, जो आईएलटी20 के इतिहास में यूएई के किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह इसके साथ ही इस लीग के पावरप्ले में चार विकेट लेने वाले अपने देश के पहले गेंदबाज भी बन गए। गल्फ जायंट्स की टीम खराब शुरुआत के बावजूद सात विकेट पर 157 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

कुरेन ने खेली 67 रन की नाबाद पारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए वाइपर्स ने दूसरे ओवर में क्रिस वुड की गेंद पर फखर जमां (आठ गेंद में 14 रन) और फिर चौथे ओवर में हसन नवाज (नौ गेंद में सात रन) का विकेट गंवा दिया। नवाज रन आउट हुए। कुरेन और होल्डेन ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 19 गेंद शेष रहते आसान जीत दिला दी। कुरेन ने 43 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 67 रन की पारी खेली जबकि होल्डेन ने 41 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए।

गिरोना ने रीयाल सोसिएदाद को 2-1 से हराया...

मैड्रिड। यूक्रेन के स्ट्राइकर विक्टर त्सिगानकोव के आखिरी 15 मिनट में दो गोल की मदद से गिरोना ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग में रीयाल सोसिएदाद पर 2-1 से जीत हासिल की। यह 'ला लीगा' के मौजूदा सत्र में प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान पर गिरोना की पहली जीत है। गोंकालो गुएडेस ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले एक शानदार स्ट्राइक के साथ सोसिएदाद के लिए गोल किया, लेकिन त्सिगानकोव ने आठ मिनट के अंदर (76वें और 84वें मिनट) दो गोल के साथ गिरोना को रेलीगेशन जोन (20 टीमों की तालिका में आखिरी दो स्थान) से बाहर निकाल दिया। इस जीत से गिरोना की टीम तालिका में 17वें स्थान पर पहुंच गई। सोसिएदाद 14वें पायदान पर है।

अत्यधिक लचीलेपन के कारण रन बनाना मुश्किल : उथप्पा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय भारत की बल्लेबाजी रणनीति में भूमिका को लेकर स्पष्टता की कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पारी की शुरुआत में अत्यधिक लचीलेपन के कारण रन बनाना मुश्किल हो जाता है। उथप्पा ने कहा कि समस्या शुरुआती विकेट गिरने की नहीं थी, बल्कि शुभमन गिल के आउट होने के बाद अपनाई गई रणनीति की थी। भारत के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है लेकिन टीम ने उसका इस्तेमाल अच्छे से नहीं किया। उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल आउट हुए तो अक्षर पटेल बल्लेबाजी करने आए। उस समय उन्हें एक ऐसे बल्लेबाज की भूमिका निभानी थी, जो जोखिम उठाकर बल्लेबाजी करें और तेजी से रन बनाकर अभिषेक शर्मा पर से दबाव कम कर सके।'

16 दिसंबर को आईपीएल नीलामी में खिलाड़ियों के लगेगी बोली

आईपीएल में 2008 से 2025 तक सबसे महंगे खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए जल्द ही ऑक्शन होने वाला है। 16 दिसंबर को आईपीएल की नीलामी के तहत खिलाड़ियों के नाम पर बोली लगेगी, जिसमें कुछ खिलाड़ियों को उनकी उम्मीद के हिसाब से रकम नहीं मिलेगी, जबकि कुछ प्लेयर्स को तिजोरी खोलकर पैसा मिलता नजर आएगा।

इन सभी में एक खिलाड़ी ऐसा भी होगा, जिस पर सबसे महंगी बोली लगेगी और वह आईपीएल 2026 ऑक्शन का सबसे महंगा प्लेयर बनेगा। ऐसे में जानते हैं कि साल 2008 से लेकर 2025 तक कौन-कौन से खिलाड़ी आईपीएल की नीलामी में सबसे महंगे प्लेयर बन चुके हैं। 359 खिलाड़ियों को किया गया शॉर्टलिस्ट आईपीएल ऑक्शन 2026 के लिए कुल 359 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है. 16 दिसंबर को अबू धाबी में आईपीएल 2026 का ऑक्शन होगा, जिसमें डेवोन कॉनवे, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, लियाम लिविंगस्टोन, वेंकटेश अय्यर, कैमरन ग्रीन, सरफराज खान, डेविड मिलर और पृथ्वी शॉ जैसे खिलाड़ियों पर खास नजर होगी। 359 खिलाड़ियों के लिए कुल 77 स्लॉट खाली हैं, जिनमें 31 स्लॉट विदेशी खिलाड़ियों के लिए रिजर्व रखे गए हैं।

पिछले सीजन सबसे महंगे खिलाड़ी पंत

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में ऋषभ पंत को झोली भरकर पैसे मिले थे। लखनऊ सुपर जायंट्स ने पंत पर जमकर पैसा बरसाया और उन्हें 27 करोड़ रुपए की मोटी रकम देकर न सिर्फ टीम में शामिल किया, बल्कि कप्तान भी बनाया। इस रकम के साथ ही पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी बने थे।

सबसे महंगे खिलाड़ी

साल	खिलाड़ी	टीम	कीमत
2008	एम एस धोनी	सीएसके	6 करोड़
2009	केविन पीटरसन	आरसीबी	7.55 करोड
	एंड्रयू फ्लिंटॉफ	सीएसके	7.55 करोड़
2010	शेन बॉन्ड	केकेआर	4.8 करोड़
	किरोन पोलार्ड	एमआई	4.8 करोड़
2011	गौतम गंभीर	केकेआर	11.04 करोड़
2012	रवींद्र जडेजा	सीएसके	12.8 करोड़
2013	ग्लेन मैक्सवेल	एमआई	6.3 करोड़
2014	युवराज सिंह	आरसीबी	14 करोड़
2015	युवराज सिंह	डीसी	16 करोड़
2016	शेन वॉटसन	आरसीबी	9.5 करोड़
2017	बेन स्टोक्स	आरपीएसजी	14.5 करोड़
2018	बेन स्टोक्स	आरआर	12.5 करोड़
2019	जयदेव उनादकट	आरआर	8.4 करोड़
	वरुण चक्रवर्ती	केकेआर	8.4 करोड़
2020	पैट कमिंस	केकेआर	15.5 करोड़
2021	क्रिस मॉरिस	आरआर	16.25 करोड़
2022	ईशान किशन	एमआई	15.25 करोड़
2023	सैम कुरेन	पीबीकेएस	18.5 करोड़
2024	मिशेल स्टार्क	केकेआर	24.75 करोड़
2025	ऋषभ पंत	एलएसजी	27 करोड़

डेनमार्क का अनोखा टैक्स

गायों की गैस और डकार पर देना होगा शुल्क, पेड़ लगाने पर मिलेगी छूट

कोपेनहेगन। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए डेनमार्क सरकार ने एक अनोखा कानून बनाया है। इसका नाम है "फ्लैटुलेंस टैक्स" यानी गायों द्वारा छोड़ी गई गैस पर टैक्स। यह कानून 18 नवंबर 2024 को घोषित किया गया था। इसके अनुसार, 2030 से डेनमार्क के किसानों को अपनी गायों और सूअरों की डकार और गैस उत्सर्जन पर टैक्स देना होगा। 2030 में किसानों को प्रति टन मीथेन पर 300 डेनिश क्रोनर (लगभग 24,100 रुपये) टैक्स देना होगा। 2035 तक यह राशि बढ़कर 750 क्रोनर (लगभग 10,000 रुपये) हो जाएगी।

पेड़ लगाने पर मिलेगी 60 फीसदी की छूट

हालांकि, अगर किसान पेड़ लगाकर उत्सर्जन कम करेंगे तो उन्हें 60% की छूट मिलेगी। यह टैक्स गाय और भैंसों से निकलने वाली मीथेन गैस को कम करने के लिए लगाया गया है। मीथेन एक ग्रीनहाउस गैस है, जो कार्बन डाइऑक्साइड से कई गुना ज्यादा खतरनाक है। एक गाय रोजाना करीब 500 लीटर मीथेन छोड़ सकती है।

न्यूजीलैंड ने भी 2022 में लगाया था टैक्स

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, दुनिया में जानवरों से होने वाला उत्सर्जन कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 12% है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर हम इस सदी के पहले आधे हिस्से में ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना चाहते हैं, तो 2030 तक मीथेन उत्सर्जन को 45% तक घटाना जरूरी है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने भी 2022 में किसानों पर इसी तरह का टैक्स लगाने का ऐलान किया था, लेकिन 2024 में किसानों के विरोध के बाद इसे रद्द कर दिया गया।

कब्ज का काल
कब्ज नाल

आप ने बहुत से कब्जीयत की दवा ली परंतु बात नहीं बनी स्नेह कब्जनाल चूर्ण के पहले खुराक से पेट खुश तो आप भी खुश पेट के संपूर्ण रोगों के लिए आर्शीवाद यह नये-पुराने चिपके हुए मल को शोधन कर आँतों को साफ रखता है। बवासीर को ठीक करता है।
पेशाब से जाने वाले चिपचिपे पदार्थ को तुरंत रोकता है।
सभी मेडिकल व जनरल स्टोर में उपलब्ध
एक बार अवश्य प्रयोग करें
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Mob. : 93032-42200

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
न्यूरो सर्जरी विभाग
•सिर की चोट
•रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन
•ब्रेन ट्यूमर
•ब्रेन हेमरेज
आदि का उच्च स्तरीय ईलाज
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़,
होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

तोड़े नीलामी के रिकॉर्ड

तांबे के हिप्पो वाला बार 283 करोड़ रुपए में बिका

सोथबी। बाजार में कई आकार वाले बार मिलते हैं, जिनमें ड्रिंक्स रखी जाती हैं। कुछ होनहार लोग अपनी रचनात्मकता का प्रमाण देते हुए खूबसूरत दिखने वाले बार भी बनाते हैं, जो घर की शोभा बढ़ा देते हैं। ऐसे ही एक दुर्लभ बार की नीलामी हुई है, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह बार तांबे से बनाया गया है, जो कि एक हिप्पो के आकार का है। बता दें कि यह 283 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर बिका है।

कब और कहां हुई बार की नीलामी : इस बार की नीलामी का आयोजन सोथबी ने करवाया था। यह 10 दिसंबर को बेचा गया था और इसकी नीलामी न्यूयॉर्क में करवाई गई थी। यह नीलामी में बिकने वाली अब तक की सबसे मूल्यवान डिजाइन वस्तु बन गई है। इसे फ्रांकोइस-जेवियर लालाने नाम के डिजाइनर ने बनाया था और यह उनकी रचनाओं में से सबसे मूलयवान वस्तु भी बन गई है। लोग इसकी बनावट को देखकर अचंभित थे, जिसके चलते इसका दाम अनुमानित कीमत से 3 गुना ज्यादा लगा।

मिनटों में 200 करोड़ पहुंच गई थी बोली : नीलामीघर ने इस बार की कीमत पहले 63 से 90 करोड़ रुपये के बीच तय की थी। हालांकि, इसे खरीदने के लिए 7 लोगों ने जमकर बोली लगाई। महज 26 मिनट में इसकी बोली 283 करोड़ पहुंच गई और अंत में इसे इसी कीमत पर बेच दिया गया।

किसके लिए बनाया गया था यह बार?

यह बार 1976 में तैयार किया गया था और यह लालाने द्वारा तांबे से बनाई गई पहली वस्तु थी। इसे 'हिप्पोपोटाम बार पीसे यूनिक' नाम दिया गया था और इसे दिवंगत ऐनी श्लमबर्गर ने अपने लिए बनवाया था। उन्हें लालाने परिवार की रचनाओं को संग्रहित करना पसंद हुआ करता था। वह इस बार में अपने घर आए मेहमानों को चिप्स और सालसा परोसा करती थीं।

BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर

मध्यभारत का अत्याधुनिक व विश्वसनीय कैंसर हॉस्पिटल
NABH व NABL से मान्यता प्राप्त
• सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी
• पैट, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी
• अत्याधुनिक टू-बीम लिनक एवं हैल्सीऑन मशीन द्वारा रेडिएशन थेरेपी व ब्रैकिथेरपी की सुविधा
• कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, इम्युनोथेरेपी
• रक्त-सम्बन्धी सभी बीमारियाँ एवं बोन मेरो ट्रांसप्लांट
• आधुनिक रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी एवं ब्लड सेंटर
आयुष्मान भारत योजना से निःशुल्क ईलाज एवं सभी PSUs व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित
सिटी सेंटर - बीएमसी कैंसर डेकेयर- कलर्स मॉल के बाजू, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.) ✆9201966330
मेन हॉस्पिटल - सेक्टर 36, नया रायपुर, छ.ग. ✆8282823333/4444

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
कैंसर सर्जरी विभाग
विशेषज्ञ सर्जनों की अत्यधिक अनुभवी टीम
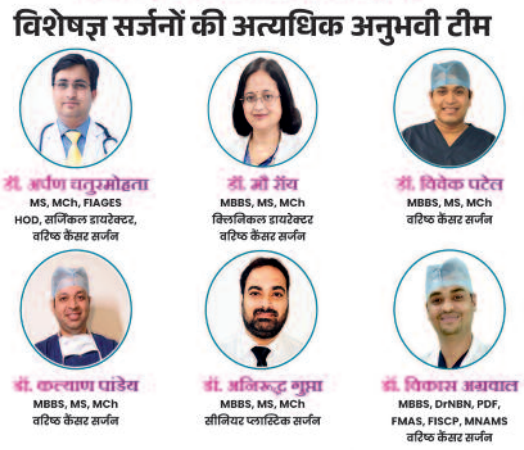
डॉ. अर्पण चतुरमोहता — MS, MCh, FIAGES, HOD, सर्जिकल डायरेक्टर, वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ. जी शेंय — MBBS, MS, MCh, क्लिनिकल डायरेक्टर, वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ. विवेक पटेल — MBBS, MS, MCh, वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ. कल्याण पांडेय — MBBS, MS, MCh, वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ. अनिरुद्ध गुप्ता — MBBS, MS, MCh, सीनियर प्लास्टिक सर्जन
डॉ. विकास अग्रवाल — MBBS, DrNBN, PDF, FMAS, FISCP, MNAMS, वरिष्ठ कैंसर सर्जन
मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 04010, +917714081010, 4061010

www.dhoutiyog.in
मदन योग®
पॉवर टॅब्लेटस्
आयुर्वेदिक सिध्द फॉर्म्युला !

पुरुषों के लिए पावर टॅब्लेट्स
मकर ध्वज रस, शिलाजीत, अश्वगंधा, कवच बीज, जटामांसी, सफेद मुसली आदि से बनायी प्रभावी दवा
MRP ₹ 599/-
डॉ. अभिजीत 94220 11723
सभी मेडिकल, आयुर्वेदिक दुकानों एवं Amazon पर भी उपलब्ध।
Trade Enquiry:
मणिधारी ट्रेडर्स - रायपुर. 9770099119
गुलाबचंद बजाज मेडिकल - दुर्ग. 9685363113
निर्माते : सिद्ध फार्मास्यूटिकल्स

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कॉस्मेटिक सर्जरी
झुर्रियां, झांई, दाग, तिल, अनचाहे बाल आदि (आधुनिक लेजर द्वारा), मुहांसे, दाग, नाक, होंठ, ठोड़ी, वक्ष, पेट आदि (प्लास्टिक सर्जरी द्वारा) तथा अंग कटने-जलने की
अति विशेष चिकित्सा.
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

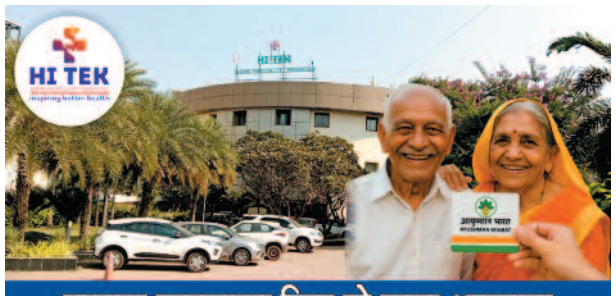
HI TEK
इलाज करवाना फिर हो गया आसान
आयुष्मान भारत
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना प्रारंभ
Also empanelled with ESIC, CG Government, HCL, NMDC, CSEB, IIT Bhilai, NSPCL, Power Grid, RITES, Airport Authority, Coal India, Railway, BSF & CISF.
सभी स्वास्थ्य बीमा प्रदाता एवं टीपीए
हाईटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल
जुनवानी रोड, भिलाई, सूर्या टीआई मॉल के पास
0788-405 6666 • 73891-92333

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध

रायपुर में VARIAN HALCYON
भिलाई में VARIAN UNIQUE
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से निःशुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर
अवंति बाई चौक, पंडरी
9343079151, 91313 99570
भिलाई
टी.आई. मॉल के पास
7722880844, 0788-2294440
Deepak Ad./101

TRUE VALUE
MARUTI SUZUKI
TRUE VALUE कार्स
अब पहले से भी ज़्यादा किफायती

CELEBRATING 60Lakh STORIES OF TRUST
आज ही अपने नज़दीकी ट्रू वैल्यू डीलरशिप पर जाएँ।
ट्रस्ट
✓ वेरिफाइड कार हिस्ट्री**
✓ 3 फ्री सर्विसेज** 5000 से अधिक मारुति सुज़ुकी सर्विस स्टेशनों पर उपलब्ध
क्वालिटी
✓ 376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स
✓ 1 साल तक की वारंटी**
Download on the App Store | Google play
True Value ऐप यहाँ डाउनलोड करें।
पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com
TRUE VALUE CERTIFIED
RAIPUR: SPARSH AUTOMOBILES: 9926003332 | AVANTI VIHAR: SKY AUTOMOBILES: 9584333066, 9584465304 | MAHOBA BAZAR, G.E. ROAD: SKY AUTOMOBILE: 9584433005, 9584465304 | RAJNANDGAON: NH56 GRAM MANKI, SPARSH AUTOMOBILES: 7828229587,7701004359 | BHILAI: POWER HOUSE, G.E. ROAD: SPARSH AUTOMOBILES: 9926761100 | DURG BYPASS: CHOUHAN AUTOMOBILES: 7222910050, 7222910057, 7222910042| DURG: PULGAON CHOWK: SPARSH AUTOMOBILES: 7987561390| JAGDALPUR: SKY AUTOMOBILES: 8889998607, 9584465304 | BHATAGAON: HDN MOTORS: 7909800009. SARONA: VISHWABHARTI AUTOMOBILES: 6262620018 | DUMERTARAI, DHAMTARI ROAD: SPARSH AUTOMOBILES: 9926003332, 9111011381.
*नियम एवं शर्तें लागू। विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया निकटतम डीलरशिप पर संपर्क करें। **वेरिफाइड कार हिस्ट्री और वारंटी केवल ट्रू वैल्यू प्रमाणित कारों पर लागू। निःशुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। दर्शाई गई छवियाँ केवल प्रतिनिधिक उद्देश्य के लिए हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com